जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 35 संख्याः 139 प्रभात अजमेर, बुधवार 24 दिसम्बर, 2025 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

पूरे पुराने बंगाल प्रांत में हिंसा का इतना भयानक दौर पहले नहीं आया

और विवाद का विषय यह है कि, दुर्भाग्यवश इस हिंसा का लक्ष्य है आम हिन्दू

- अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 दिसम्बर। बंगाल इस समय एक ऐसे बड़े संकट से गुजर रहा है, जो आख़िरी नवाब सिराजुद्दौला के कुशासन के दिनों के बाद कभी नहीं देखा गया। पूरे बंगाल, पूर्व और पश्चिम, में मुस्लिम हिंसा बढ़ती जा रही है और हमले हिंदुओं को निशाना बनाकर किए जा रहे हैं।

सबसे गंभीर बात यह है कि पश्चिम बंगाल, जो भारत का अभिन्न हिस्सा है, वहां भी हिंदुओं को लगातार धमकियों और हमलों का सामना करना पड़ रहा है। यह सब ममता बनर्जी के शासन में तथाकथित धर्मनिरपेक्षता के नाम पर हो रहा है, जहां वह सत्ता में बने रहने के लिए खुले तौर पर मुस्लिम वोटों का तुष्टीकरण कर रही हैं।

सबसे घटिया भूमिका कम्युनिस्टों की दिखाई दे रही है, जो धर्मनिरपेक्षता के नाम पर नकली समर्थन दिखाते हुए चुपचाप ममता बनर्जी की मदद कर रहे हैं।

पश्चिम बंगाल में मुस्लिमों द्वारा दिखाई जा रही सांप्रदायिक असहिष्णुता को लेकर गुस्सा उबल रहा है। इसका एक उदाहरण कोलकाता के पास हुआ।

- **पश्चिम बंगाल में, सैक्युलरिज़्म के नारे की आड़ में ममता बनर्जी बड़ा नर्मी वाला रुख रख रही हैं, मुस्लिम हिंसा व अपराध के प्रति।**
- **पर फिर, इस बार ममता बनर्जी की मुस्लिम मतदाता पर पकड़ ढीली होती दिख रही है, क्योंकि, उनके पुराने वफादार हुमायूं कबीर ने, ममता बनर्जी का साथ छोड़कर अपनी पार्टी खड़ी कर दी है, और अगले चुनाव में अपने उम्मीदवार खड़ा करेंगे, और मुस्लिम वोटों पर काबिज होने की प्रतिस्पर्धा में, खुली छूट मिल रही है हिन्दुओं के प्रति आक्रामकता को। वामपंथी दल भी ''सैक्युलरिज़्म'' के नाम पर, इस मसले पर ममता बनर्जी को समर्थन दे रहे हैं।**

एक स्कूल में आयोजित सामाजिक कार्यक्रम के दौरान, बेहद लोकप्रिय बंगाली गायिका लग्नजिता चक्रवर्ती के साथ दर्शकों में बैठे एक मुस्लिम व्यक्ति ने छेड़छाड़ की। वह मंच पर चढ़ गया और जिस भक्ति गीत को लग्नजिता गा रही थीं, उसी को लेकर उन पर हमला कर दिया।

उस व्यक्ति ने मांग की कि वह कुछ ''धर्मनिरपेक्ष'' गाने गाएं और उन पर झपट पड़ा। इस व्यवहार से आहत और गुस्से में आकर लग्नजिता स्थानीय थाने गईं और शिकायत दर्ज करानी चाही, लेकिन उनकी बात नहीं सुनी गई। इसके बाद वह एसपी सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के पास गईं।

उनके हस्तक्षेप के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज की और बाद में आरोपी को गिरफ्तार किया, लेकिन तब तक यह मामला एक बड़े विवाद का रूप ले चुका था। यह कोई अकेली घटना नहीं है। राज्य में मुस्लिमों और भीड़ द्वारा हिंसक हमले बढ़ते जा रहे हैं, क्योंकि ममता बनर्जी वोट पाने के लिए मुस्लिमों के प्रति लगातार नरम और तुष्टिकरण वाला रुख अपना रही हैं।

इसी साल की शुरुआत में मुर्शिदाबाद जिले में एक आदमी और उसके बेटे को हिंदू देवी-देवताओं की तस्वीरें बनाने के ''अपराध'' में उनके घर से घसीटकर बाहर निकाला गया, पिता और बेटे को दिनदहाड़े पीट-पीटकर मार डाला गया और अब तक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दुष्कर्म मामले में आईपीएल क्रिकेटर को अग्रिम जमानत नहीं मिली

जयपुर, 23 दिसंबर। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-3 महानगर प्रथम ने नाबालिग से दुष्कर्म करने से जुड़े मामले में आईपीएल क्रिकेटर यश दयाल की अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। पीठासीन अधिकारी अलका बंसल ने कहा कि आरोपी पर नाबालिग से दुष्कर्म का गंभीर आरोप है। ऐसे में उसे अग्रिम जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता।

अग्रिम जमानत अर्जी में कहा गया कि याचिकाकर्ता के खिलाफ एक गैंग काम कर रही है। उसके खिलाफ पहले गाजियाबाद में मामला दर्ज कराया गया, लेकिन इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उस पर

- **पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने क्रिकेटर की जमानत अर्जी खारिज कर दी।**

कार्रवाई करने पर रोक लगा दी। इसके सात दिन बाद ही सांगानेर सदर थाने में उसके खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया गया और इसे गंभीर रूप देने के लिए लड़की ने घटना दो साल पहले की बताई जब वह नाबालिग थी। अग्रिम जमानत अर्जी में कहा गया कि यश दयाल पेशेवर क्रिकेटर है और समाज में उसकी प्रतिष्ठा है। इसके अलावा वह प्रकरण की जांच में सहयोग करने को तैयार है। ऐसे में उसे अग्रिम जमानत का लाभ दिया जाए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

देश भर में फैल रहा है अरावली आंदोलन

सचिन पायलट ने राजस्थान के 19 जिलों में अरावली बचाओ आंदोलन की घोषणा की

- श्रीनंद झा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 23 दिसंबर। अरावली के मसले पर विरोध प्रदर्शन तीव्र होता जा रहा है और राजनीतिक दल भी इस मुद्दे में कूद पड़े हैं, और पर्यावरणविद् और पर्यावरण से जुड़े एक्टिविस्ट भी राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली में सड़कों पर उतर आए हैं।

राजस्थान में कांग्रेस ने 19 जिलों में ''अरावली बचाओ आंदोलन'' का ऐलान किया है, और वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश की आलोचना करते हुए चेतावनी दी कि खनन गतिविधियों में वृद्धि से न केवल राजस्थान और हरियाणा, बल्कि दिल्ली एनसीआर में भी इकोलॉजिकल संकट उत्पन्न हो सकता है।

शिवसेना (उद्धव बाल ठाकरे) के नेता आदित्य ठाकरे ने भी सोशल मीडिया पर कई पोस्ट करते हुए एनडीए सरकार की ''प्राकृतिक संसाधनों को नष्ट करने की आदत'' की कड़ी आलोचना की है, और अरावली पर्वतों के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि ये पर्वत देश की जलवायु और पर्यावरण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

विरोध प्रदर्शनों की शुरुआत हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश से हुई है, जिसमें सरकार द्वारा प्रस्तावित

- **देश भर के पर्यावरणविद्, एक्टिविस्ट व वकील अरावली को बचाने के लिए सड़कों पर उतरे।**
- **शिवसेना (यूबीटी) के आदित्य ठाकरे ने भी सोशल मीडिया पोस्ट में अरावली का पर्यावरण के लिए महत्व बताया और एनडीए सरकार पर प्राकृतिक संपदाएं नष्ट करने का आरोप लगाया।**
- **हालांकि, केन्द्रीय वन एव पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने मामला शांत करने की कोशिश की और कहा कि अरावली के कुल 1.44 लाख वर्ग किलोमीटर का 0.19 प्रतिशत हिस्सा ही खनन के लिए लीज़ पर दिया जाएगा। उन्होंने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर अरावली में अवैध खनन को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।**
- **विवाद की शुरुआत सुप्रीम कोर्ट द्वारा अरावली पर सरकार की नई परिभाषा को स्वीकार करने से हुई, जिसके तहत जमीन से 100 मीटर ऊंची पहाड़ी को ही अरावली माना जाएगा। विपक्ष और विशेषज्ञों का आरोप है कि अरावली पर्वत श्रृंखला में 12,000 पहाड़ियां हैं और इनमें से मात्र 8 प्रतिशत ही 100 मीटर से ऊंची हैं।**

अरावली की नई परिभाषा को स्वीकार किया गया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार, केवल वे पहाड़ियां जो स्थानीय भू-भाग से 100 मीटर ऊंची होंगी, उन्हें ही अरावली पहाड़ियां माना जाएगा। ऐसी दो या दो से अधिक पहाड़ियां जो 500 मीटर के भीतर स्थित होंगी, उन्हें बीच की भूमि सहित अरावली रेंज में माना जाएगा।

एक्टिविस्ट, वकीलों और विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं ने सड़क पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अंकिता भंडारी मर्डर, एक वायरल वीडियो ने मचाई सनसनी

सोशल मीडिया पर वायरल इस वीडियो ने उत्तराखंड के बहुचर्चित अंकिता मर्डर केस में आरोप -प्रत्यारोप का नया दौर शुरु कर दिया है

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 दिसम्बर। उत्तराखंड में अंकिता भंडारी हत्या के मामले ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर राजनीतिक विवाद को जन्म दिया है, और सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शीर्ष नेतृत्व को नए सिरे से जांच के घेरे में ला खड़ा किया है। इस वीडियो ने ताजा आरोपों और सीबीआई जांच की मांगों को जन्म दिया है, जिसमें एक कोर्ट की निगरानी में जांच कराने की मांग की जा रही है।

यह वीडियो, जो पिछले कुछ दिनों से व्यापक रूप से प्रसारित हो रहा है, में कथित रूप से हरिद्वार के पूर्व भाजपा विधायक सुरेश चौहान अपनी पत्नी उर्मिलाना सनावर के साथ तीखी बहस करते दिख रहे हैं, जिसमें उन्होंने दावा

- **उक्त वीडियो में हरिद्वार के पूर्व विधायक अपनी पत्नी, (पूर्व अभिनेत्री) उर्मिला सनावर के साथ तीखी बहस में यह कहते दिख रहे हैं कि ऋषिकेश के एक रिसॉर्ट में हुई 19 साल की अंकिता भंडारी की हत्या में उत्तराखंड के भाजपा महासचिव दुष्यंत गौतम मुख्य आरोपी हैं, उन्होंने अंकिता से दुष्कर्म करने का प्रयास किया था।**
- **उर्मिला सनावर ने भी सार्वजनिक रुप से दावा किया कि उसके पास इन आरोपों की पुष्टि के लिए सबूत भी हैं।**
- **कांग्रेस ने मांग की है कि इस मामले में कोर्ट की निगरानी में नए सिरे से सीबीआई जांच करवाई जाए। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि अपराधियों को बचाने के लिए राज्य सरकार ने सीबीआई जांच नहीं करवाई।**

किया है कि उत्तराखंड के लिए भाजपा के जनरल सेक्रेटरी और वरिष्ठ नेता दुष्यंत गौतम अंकिता भंडारी की हत्या के पीछे प्रमुख आरोपी थे।

चौहान यह आरोप लगाते हुए सुने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राष्ट्रपति ने 24 वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार दिये

नयी दिल्ली, 24 दिसम्बर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को यहां राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में 24 प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार- 2025 प्रदान किए।

राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार के दूसरे संस्करण में उल्लेखनीय कार्यों के लिए

- **प्रो. जयंत विष्णु नार्लीकर को मरणोपरान्त विज्ञान रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया।**

वैज्ञानिकों को विज्ञान रत्न, विज्ञान श्री, विज्ञान युवा और विज्ञान टीम पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। खगोल भौतिकी विशेषज्ञ, दिवंगत प्रो. जयंत विष्णु नार्लीकर को मरणोपरांत विज्ञान रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कृषि वैज्ञानिक डा. ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह और सात अन्य को विज्ञान श्री पुरस्कार प्रदान किया गया।

बांग्लादेश उच्चायोग पर भारतीयों का गुस्सा फूटा

प्रदर्शनकारी पुलिस से भिड़े और बैरिकेड्स फांदकर अंदर घुसे, यूनुस के पुतले भी जलाए

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 दिसम्बर। पिछले हफ्ते बांग्लादेश के मेमनसिंह में इस्लामी भीड़ द्वारा एक हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की बेरहमी से हत्या के बाद, नई दिल्ली में बांग्लादेश हाई कमीशन के बाहर बड़ा विरोध प्रदर्शन हुआ है। यह प्रदर्शन विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) और बजरंग दल के नेतृत्व में किया गया, जिसमें बांग्लादेश में हिंदुओं पर कथित अत्याचारों और उनके धार्मिक स्थलों में तोड़फोड़ के खिलाफ नारे लगाए गए।

प्रदर्शनकारियों की पुलिस से झड़प हुई और उन्होंने बांग्लादेशी अधिकारियों से जवाबदेही की मांग करते हुए बैरिकेड तोड़ दिए। कुछ प्रदर्शनकारी न्याय और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की मांग कर रहे थे। हालात को काबू में करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा।

तनाव तब बढ़ गया जब बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बैरिकेड को धक्का देना शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारी ''भारत माता की जय'', ''यूनुस सरकार होश में आओ'' और ''हिंदू हत्या बंद करो'' के नारे लगा रहे थे। रिपोर्टों के मुताबिक, प्रदर्शनकारियों ने कम से कम दो स्तर के बैरिकेड तोड़ दिए।

एक प्रदर्शनकारी ने कहा, अगर आज हमने आवाज नहीं उठाई, तो मैं भी दीपू बनूंगा और आप भी दीपू बनेंगे।

एक अन्य प्रदर्शनकारी ने कहा, ''बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या हो रही है। यह (भारत) राम और कृष्ण की भूमि है। हम किसी को नहीं मारते, लेकिन वहां हमारी बहन-बेटियों के साथ बलात्कार किया जा रहा है।''

कई प्रदर्शनकारियों को बैनर और तख्तियां पकडे हुए देखा गया, जिन पर दीपू दास के लिए न्याय की मांग लिखी थी। प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश के अंतरिम प्रमुख मोहम्मद यूनुस के पुतले भी जलाए।

पुलिस हालात को संभालने और इलाके को खाली कराने के लिए प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले रही है। पुलिस ने दोबारा बैरिकेडिंग भी स्थापित कर दी है।

प्रदर्शन की आशंका को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां पहले से ही सतर्क थीं और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए इमारत के बाहर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। पूरे इलाके में तीन स्तर की बैरिकेडिंग की गई थी और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवानों को तैनात किया गया था।

ज्ञातव्य है कि पच्चीस वर्षीय गारमेंट फैक्ट्री कर्मचारी दीपू चंद्र दास को 18 दिसंबर को मेमनसिंह के बालुका इलाके में कथित ईशनिंदा के आरोप में भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला और उसके शव को आग के हवाले कर दिया। इस घटना के बाद व्यापक आक्रोश और निंदा देखने को मिली।

हत्या में कथित भूमिका के लिए अब तक कम से कम 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

दिन में पहले बांग्लादेश ने भारत में अपने राजनयिक मिशनों पर हुए हमलों को लेकर चिंता जताई और नई दिल्ली व सिलीगुड़ी की घटनाओं के विरोध में भारतीय उच्चायुक्त को तलब किया।

बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश में गत दिनों एक हिंदू, दीपूचन्द्र दास की नृशंस हत्या पर नाराज़गी जताई और कहा कि हिंदुओं की हत्या के लिए बांग्लादेश सरकार ही जिम्मेवार है। यह प्रदर्शन विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल ने आहूत किया था।**
- **बांग्लादेश सरकार ने ढाका में भारतीय उच्चायुक्त के समक्ष विरोध प्रदर्शन की इस घटना पर नाराज़गी जताई और आरोप लगाया कि नई दिल्ली में बांग्लादेश उच्चायोग की सुरक्षा कम की गई है। भारत ने इस आरोप से साफ इनकार किया।**

चीनी वीज़ा घोटाले में कार्ति चिदंबरम के खिलाफ आरोप तय

नयी दिल्ली, 23 दिसंबर। राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने मंगलवार को कांग्रेस नेता कार्ति चिदंबरम और उनके चार्टर्ड अकाउंटेंट एस. भास्कररामन के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा जांच किए जा रहे

- **सी बी आई की जांच के बाद राउज़ कोर्ट ने यह कार्यवाही की।**

कथित चीनी वीज़ा रैकेट मामले में आरोप तय किए। अदालत ने भास्कररामन पर मामले से संबंधित महत्वपूर्ण सबूतों को नष्ट करने का भी आरोप लगाया। दोनों आरोपियों ने खुद को निर्दोष बताया, जिसके बाद अदालत ने अगली सुनवाई 16 जनवरी को तय की। सीबीआई ने विकास मखारिया को सरकारी गवाह का दर्जा दे दिया है, जिनसे अभियोजन पक्ष के मामले में अहम भूमिका निभाने की उम्मीद है।

प्रियंका के लिए राहुल से बड़ा ना सही, पर समकक्ष दर्जा चाहता है कांग्रेस का एक बड़ा धड़ा

इस वर्ग ने कई मायनों में राहुल और प्रियंका के व्यक्तित्व की तुलना की और प्रियंका को ''नैचुरल लीडर'' बताया

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 23 दिसंबर। प्रियंका गांधी के सक्रिय राजनीति में कदम रखने से पहले, कांग्रेस के लोग उन्हें पार्टी का''ब्रह्मास्त्र'' कहते थे, यानी अंतिम हथियार। हालांकि बहुत से लोग कह सकते हैं कि वह 'अंतिम हथियार' अपेक्षाकृत विफल साबित हुआ। फिर भी, कांग्रेस पार्टी मानती है कि राजनीति प्रियंका का ''निर्धारित भाग्य'' है।

उनके भाई राहुल गांधी, जो लोकसभा में विपक्ष के नेता हैं, सामान्य रूप से सहजता से उपलब्ध नहीं होते हैं, और इस वजह से कांग्रेस के नेताओं ने प्रियंका पर दांव लगाया।

संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान, प्रियंका ने पार्टी के समर्थकों को निराश नहीं किया, जब उन्होंने वन्दे मातरम विवाद पर अपना जोशीला भाषण दिया। राहुल गांधी जो अक्सर सदन में अपनी उग्र टिप्पणियों के कारण विवादों में फंस जाते हैं, के विपरीत प्रियंका ने मुस्कुराते हुए सौम्यता के साथ, लेकिन दृढ़ता के साथ भाषण दिया और मोदी सरकार पर बढ़त प्राप्त की। यह सौम्यता यहीं नहीं थमी। प्रियंका ने केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के साथ चाय पर बातचीत की और मित्रता का दायरा और प्रभाव बढ़ाया। रिपोर्टों के अनुसार, वार्ता में केरल की छह परियोजनाओं पर चर्चा हुई। प्रियंका स्पीकर की चाय पार्टी में भी शामिल हुईं। और वर्ष 2024 चुनाव परिणामों के बाद गांधी परिवार से वे पहली थीं जिन्होंने ऐसा किया। उन्होंने संसद के बाहर इस बारे में विवरण साझा करने में भी संकोच नहीं किया। सूत्रों का कहना है कि यहां तक कि सरकार के वरिष्ठ मंत्री भी उनकी वन्दे मातरम टिप्पणी से प्रभावित थे। विडंबना यह रही कि राहुल शीतकालीन सत्र के अंतिम दिनों में अनुपस्थित रहे क्योंकि वे भारतीय प्रवासियों से मिलने के लिए जर्मनी गए थे।

कई लोग प्रियंका गांधी को श्रेय देते हैं कि उन्होंने शशि थरूर और मनीष तिवारी, जैसे कांग्रेस नेताओं, जिन्हें राहुल की योजना के तहत लंबे समय से हाशिए पर रखा गया था, को सदन में बोलने का अवसर दिया। प्रियंका के करीबी एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने सही रूप से कहा: ''जब बिल्ली चली जाती है, तो चूहों को खेलने का मौका मिलता है। प्रियंका की बढ़ती सार्वजनिक छवि ने कांग्रेस पार्टी में उग्र बहस को जन्म दिया है, जिसमें लंबे समय से सकारात्मक रूप से कोई बात नहीं हुई है और कांग्रेस महाराष्ट्र, हरियाणा से दिल्ली और बिहार तक चुनावी हारों के बाद निराश हो चुकी है। यहां इस मसले पर एकमत है कि कांग्रेस को प्रियंका एक बड़ा सार्वजनिक रोल देना चाहिए, शायद राहुल गांधी के बराबर। कांग्रेस नेता कहते हैं कि वह अपने भाई से कहीं अधिक सुलभ हैं और उनसे डील बहुत अधिक सुखद होता है, साथ ही वह ना कहने की कला में भी माहिर है और बड़ी शालीनता से इनकार करती है। दूसरी ओर, वरिष्ठ नेता कहते हैं, राहुल गांधी ना तो सुलभ और ना ही सहज हैं, वह केवल अपने करीबी नेताओं के समूह के साथ सहज होते हैं, जो उन्हें ''बेकार सलाह'' देते हैं; एक नेता ने कहा, ''बिना आपकी बात सुने,'' राहुल अपना निर्णय दे देते हैं, वो आपको बीच में ही काट देंगे और कमरे से बाहर चले जाएंगे। प्रियंका, इसके विपरीत, एक ''अच्छी श्रोता'' है इसके लिए उनका सम्मान भी किया जाता है।

- **इस धड़े का मत है कि प्रियंका न केवल सहज सुलभ हैं बल्कि अच्छी श्रोता हैं और उनसे डील करना आसान है, इसके विपरीत राहुल आसानी से मिलते नहीं हैं और सिर्फ अपने करीबी गुट के साथ ही सहज रहते हैं, यही नहीं, राहुल बात पूरी सुने बिना ही निर्णय सुना देते हैं और उठकर चले जाते हैं।**
- **संसद में भी पक्ष- विपक्ष के सभी नेताओं ने राहुल और प्रियंका के फर्क को देखा। राहुल जहां भाषण देते समय बेहद उग्र हो जाते हैं अक्सर विवादित बातें बोल जाते हैं, इसके विपरीत प्रियंका जोशीला भाषण देती हैं, मजबूती से अपनी बात रखती हैं, किन्तु सौम्यता के साथ।**
- **यही नहीं, विपक्ष, खासकर भाजपा नेताओं के साथ बातचीत में भी उनका व्यक्तित्व निखरकर सामने आया, जिसकी मीडिया में भी भारी चर्चा हुई।**

घाटे में चल रही पाकिस्तान एयरलाइन नीलाम हुई

इस्लामाबाद, 23 दिसंबर। पाकिस्तान की राष्ट्रीय एयरलाइन (पीआईए) लंबे समय से घाटे में चलने की वजह से बिक गई। आरिफ हबीब ग्रुप ने सबसे ऊंची, 135 अरब पाकिस्तानी रुपये की बोली लगाकर पीआईए को खरीद लिया है। लकी सीमेंट ने 101.5 अरब रुपये और एयरब्लू ने 26.5 अरब रुपये की बोली लगाई। पीआईए ने 75 फीसदी शेयरों की नीलामी शुरू की थी।

पाकिस्तान की राष्ट्रीय एयरलाइन की निलामी से मिलने वाले कुल पैसे का 92.5 फीसदी एयरलाइन के सुधार पर खर्च होगा। पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक फ्लाइट्स की कमी, खराब मैनेजमेंट और भारी कर्ज जैसे कारणों की वजह से पीआईए की हालत खराब हुई।

पाकिस्तान के वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने प्रधानमंत्री के सहायक और उनकी टीम को नीलामी प्रक्रिया के लिए धन्यवाद कहा। उन्होंने कहा, आज हम जिस मुकाम पर हैं, वहां तक पहुंचने में बहुत समय और मेहनत लगती है।

विचार बिन्दु

पराधीनता समाज के समस्त मौलिक निमयों के विरुद्ध है। –मान्तेस्क्यु

मीडिया में बज़ बनाकर हक़ीकतें बदलने की कोशिश

लोकतंत्र की आत्मा लोक कल्याणकारी शासन में निहित होती है। एक सुशासित राज्य में सरकार करदाताओं के धन से ऐसी नीतियां और योजनाएं बनाती हैं जिनका लक्ष्य आम नागरिक के जीवन में ठोस, स्थायी और न्यायपूर्ण परिवर्तन तथा समानता लाना होता है। इस काम के लिए भारतीय संविधान में विधायिका की व्यवस्था है, जिसमें निर्वाचित जन प्रतिनिधि विधियां, नीतियां और कार्यक्रम बनाते हैं जिन्हें कार्यपालिका क्रियान्वित करती है। किंतु इक्कीसवीं सदी के ढाई दशक के बीत रहे काल में आज एक विचित्र और चिंताजनक हालत सामने है। जन-कल्याण के नाम पर घोषित अनेक कार्यक्रम ज़मीन पर दिखाई नहीं देते, जबकि सरकारें मीडिया में बज़ बनाए रखने के लिए भव्य ईवेंट, उद्घाटन, शिलान्यास, उत्सव और प्रचार अभियानों पर अपना अधिकतम ध्यान और संसाधन झोंक रही हैं। यह प्रवृत्ति न केवल कार्यपालिका को शिथिल कर रही है, बल्कि व्यवस्था में पहले से मौजूद भ्रष्टाचार को और गहरा कर रही है। राजस्थान सरकार में भारतीय जनता पार्टी के दो वर्ष पूरा होने के उपलक्ष में जश्न मनाए जा रहे हैं। राजधानी में सत्ता के शीर्ष से शासन के नीचे तक के तंत्र को स्पष्ट हिदायतें भेजी गई हैं कि इस जश्न के लिए रोज कौन-कौन से ईवेंट किए जाने हैं। इसके साथ ही प्रतिदिन चौकसी और निगरानी की जा रही है कि जो बताया गया है वह हो रहा है या नहीं। यहां तक कि कार्यपालिका के प्रमुख मुख्य सचिव खुद जिला अधिकारियों से ऑनलाइन फीडबैक प्राप्त कर रहे हैं और निर्देश दे रहे हैं। अधिकारियों व अन्य कर्मियों को हिदायतें दी गई हैं कि जो भी ईवेंट हो उसके चित्र और वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किए जाए। प्रचार विभाग की सोशल मीडिया पोस्टों को आगे अपने स्टार पर बढ़ाया जाए। इस की सतत निगरानी होती है और चूक पर फटकारें पड़ती है। चाहना यह है कि धरती पर कोई काम हुआ हो या न हो उसके प्रचार का तूफान खड़ा कर दिया जाए। जो ईवेंट किए जा रहे हैं उनके परिणामों पर नहीं बल्कि उनके भरपूर प्रचार किए जाने पर एकमात्र जोर है। मान लिया गया है कि धुआं-धार प्रचार मतदाताओं तक पहुंच कर सत्तारूढ़ दल की मदद करेगा। मुख्य सचिव ने अपनी एक वीडिओ कॉन्फ्रेंस में स्पष्ट कहा कि बज़ क्रियेट कीजिए। ऐसी बातें प्रचार व्यवसाय को भाती है। बाज़ार की ताकतों ने राजनेताओं को यह घुट्टी पिला दी है कि प्रचार की आंधी से चुनाव जीते जा सकते हैं। यह कोई याद नहीं दिलाता कि पिछली अशोक गहलोत की सरकार ने फिर कुर्सी पाने की ताबड़तोड़ में प्रचार के भ्रष्टाचार का जो अंबार खड़ा किया उस पर मतदाता की समझ भारी पड़ी थी। बाज़ार के सौदागरों ने नई सरकार को भी प्रचार के चमक-दमक की वही राह दिखा दी है जिस पर होर्डिंग्स वही है, केवल राजनेताओं के चित्र बदले हुए हैं। जनकल्याण का अर्थ होता हैनिरंतरता, निगरानी, जवाबदेही और परिणाम। इसके विपरीत, ईवेंट-आधारित शासन का मूल तत्व होता है दिखावा, सुर्खियां और छवि-प्रबंधन। सड़क, स्कूल, अस्पताल, पानी, स्वच्छता, पोषण, रोजगार जैसे क्षेत्रों में सुधार का असर महीनों-सालों में दिखता है; जबकि एक भव्य कार्यक्रम का प्रभाव कैमरों की चमक तक सीमित रहता है। यही कारण है कि प्रदर्शनकारी शासन त्वरित संतोष देता है। उसके नेताओं को तालियां, प्रशासन को फोटो-ऑप्स और सत्ता को कथानक (नैरेटिव) मिल जाता है। परिणामस्वरूप, लोक-कल्याण का वास्तविक काम पीछे छूट जाता है।

भ्रष्टाचार का पोषण प्रशासनिक शिथिलता से होता है। जब शासन का केंद्र बिंदु परिणाम नहीं, बल्कि प्रस्तुति बन जाए, तो भ्रष्टाचार के लिए उर्वर भूमि तैयार होती है। ईवेंट-आधारित मॉडल में ठेके, टेंट, लाइटिंग, विज्ञापन, ब्रांडिंग, यात्रा और आतिथ्य, इन सबमें त्वरित भुगतान, कम पारदर्शिता और आपात निर्णयों की खूब गुंजाइश रहती है। यह कम समय-अधिक खर्च का वह रास्ता है जहां कमीशन संस्कृति सहज ही फलती-फूलती है। इसके विपरीत, किसी स्कूल की गुणवत्ता सुधार या प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की कार्यक्षमता बढ़ाने में निरंतर निरीक्षण, ऑडिट और सामुदायिक सहभागिता चाहिए जो ईवेंट की तुलना में कम आकर्षक होती है। कार्यपालिका की शिथिलता इसी बिंदु से जन्म लेती है। अधिकारियों का मूल्यांकन परिणामों से नहीं, बल्कि कार्यक्रमों की सफलता या कवरेज से होने लगता है। ऐसे में फील्ड वर्क गौण हो जाता है। फाइलें चलती हैं, प्रस्तुतियां बनती हैं, पर निगरानी कमजोर पड़ जाती है। जवाबदेही का तंत्र ढीला हो जाता है और भ्रष्टाचार सिस्टम की रग-रग में घुस जाता है। मीडिया, प्रचार और नैरेटिव का जालएक खतरनाक खेल है जिसे बाज़ार की लफंगी ताकतों ने जबरदस्त तरीके से साध रखा है। भले ही मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ बता कर इतराया जाए, पर जब शासन का उद्देश्य केवल मीडिया में बने रहना बन जाए, तो सत्ता-मीडिया संबंध विकृत हो जाता है। विज्ञापन और प्रायोजित सामग्री के सहारे सकारात्मक कवरेज सुनिश्चित की जाती है, जबकि ज़मीनी सच्चाइयों-अधूरी योजनाओं, गुणवत्ताहीन निर्माण, सेवाओं की कमीके हालात को हाशिये पर धकेल दिया जाता है। इस नैरेटिव-निर्माण में आंकड़ों की बाज़ीगरी, चयनित उपलब्धियां और आलोचनाओं का दमन शामिल हो जाता है। नतीजा यह होता है कि किसी दैनिक अखबार में किसी दिन सत्ता के नेतृत्व की उपलब्धियों के 13 पूरे पेजों के विज्ञापनों से नागरिकों को काम हुआ का भ्रम मिलता है, जबकि वास्तविकता अलग होती है। ईवेंट-शासन संस्थाओं को कमजोर करते हैं। दुर्भाग्य से संस्थागत क्षरण और लोकतांत्रिक नुकसान अब किसी को नजर नहीं आते।नीति निर्माण में विशेषज्ञता और डेटा का स्थान नारे ले लेते हैं। संसद/विधानसभाओं में बहस की जगह हंगामों के बीच घोषणाएं हावी हो जाती हैं। स्थानीय निकाय, जो जनकल्याण की रीढ़ होते हैं, उपेक्षित रहते हैं, क्योंकि वहां स्थानीय राजनीति के पचड़े होते हैं और उनकी उपलब्धियों की जमीनी हक़ीकत नागरिक रोज महसूस करते हैं जो किसी मंच-सज्जा से झुठलाई नहीं जा सकती। लोकतंत्र में नागरिक लाभार्थी नहीं, हितधारक होते हैं। लेकिन जब शासन प्रदर्शन में बदल जाए, तो नागरिक दर्शक बन जाते हैं। वे आमंत्रित तालियां बजाने वाले हो जाते हैं। वे सवाल न पूछने वाले नागरिक बना दिए जाते हैं। यह व्यवस्था किसी को नहीं चुभती, क्योंकि सभी के लिए यह सुभीते वाली होती है। संसाधनों की बर्बादी और लागत पर बुद्धिजीवियों का भी ध्यान नहीं जाता है। वे भी अपने-अपने ईवेंट में व्यस्त रहते हैं। ईवेंट और प्रचार पर किया जाने वाला धन यदि स्कूलों के शिक्षकों के प्रशिक्षण, अस्पतालों में उपकरण, जल-प्रबंधन या रोजगार-सृजन के कामों पर लगे, तो स्थायी लाभ मिल सकता है। कोई यह कहने वाला नहीं मिलता है कि शासन की प्राथमिकताएं बदल जाने का दीर्घकालिक नुकसान अंततः समाज को ही होता है। गरीबी के चक्र, स्वास्थ्य संकट, शिक्षा की गुणवत्ता में गिरावट को नज़रन्दाज़ करते हुए भविष्य की कीमत पर सत्ता अपने वर्तमान को चमकाने का प्रयास कर रही है। इस व्यवस्था में समाज में आर्थिक असमानता और नागरिकों में बेचैनी बढ़ती है, अपराधों का बोलबाला होता है। बड़ा नुकसान जवाबदेही के तंत्रों के क्षय का होता है। ईवेंट-शासन में जवाबदेही धुंधली हो जाती है। लक्ष्य स्पष्ट नहीं होते, समय-सीमा ढीली रहती है और मापन के पैमाने बदल दिए जाते हैं। कितने कार्यक्रम हुए की गणना वीडियो कॉन्फ्रेंसों के जरिए होती है। सार्वजनिक सेवाओं में कितना सुधार हुआ की कोई गणना नहीं होती। कोई पूछता भी नहीं। महालेखाकार की ऑडिट रिपोर्टें अनसुनी रह जाती हैं। शिकायत-निवारण तंत्र निष्प्रभावी हो जाते हैं। प्रचार से असफलताओं को ढक दिये जाने वाले निज़ाम में सुधार की प्रेरणा की कल्पना कैसे की जा सकती है! ऐसे में सामाजिक और लोकतान्त्रिक संस्थाओं पर से विश्वास उठने लगता है। सरकार और नागरिकों के बीच विश्वास ही शासन की पूंजी होती है। बार-बार के वादे, भव्य घोषणाएं और ज़मीनी नाकामी इस विश्वास को क्षत-विक्षत कर देती हैं। लोग व्यवस्था से विमुख होते हैं, निराशा और आक्रोश बढ़ता है। कानून को धता बताई जाने लगती है। अपराध सामान्य चलन बन जाता है। यह सब मिल कर अंततः सामाजिक ताने-बाने और लोकतांत्रिक स्थिरता-दोनों के लिए खतरनाक हो जाता है।

ईवेंट-लोकतान्त्रिक शासन का विकल्प नहीं हो सकते। सत्ता में बैठे राजनेताओं को याद रखना होगा कि इतिहास मंच-सज्जा नहीं, परिणाम लिखता है। शासन को फिर से सेवा, सत्य और जवाबदेही के अपने मूल कर्तव्य की ओर लौटने से ही लोकतंत्र फल-फूल सकता है। यही लोकतंत्र की रक्षा और राष्ट्र के भविष्य का एकमात्र मार्ग है।

ऐसा नहीं है कि समाधान की कोई दिशा न हो। परिणाम-आधारित शासन के लिए ज़मीन तैयार करनी होगी। इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति और नागरिक दबाव साथ हो तभी बात बन सकती है। शासन में परिणाम-आधारित मूल्यांकन से ऐसा हो सकता है। अधिकारियों और विभागों का आकलन स्पष्ट, मापने योग्य परिणामों से हो, जैसे सीखने के स्तर, स्वास्थ्य संकेतक, सेवा-डिलीवरी समय आदि। सरकारी खर्चों में पारदर्शिता हो। ईवेंट और प्रचार व्यय पर सीमा तय हो और सभी खर्च सार्वजनिक डैशबोर्ड पर साफ-साफ दिखें। समयबद्ध ऑडिट, सामाजिक ऑडिट और स्थानीय समुदाय की भागीदारी अनिवार्य हो। यहां मीडिया की जिम्मेदारी आती है। उसे विज्ञापन-समाचार की स्पष्ट रेखा खींचनी होगी और ज़मीनी रिपोर्टिंग की अहमियत समझनी होगी। स्थानीय निकायों के काम काज की निगरानी में नागरिकों की भागीदारी बनानी होगी। वर्तमान चुनावी व्यवस्था के बाहर भी कुछ करना होगा। कानूनी जवाबदेहीभी जरूरी है भ्रष्टाचार और लापरवाही पर त्वरित दंड मिले और व्हिसलब्लोअर को सुरक्षा मिले। मगर असली बात होगी नागरिक जागरूकता। नागरिक सवाल पूछें और खड़े होकर कह सकें कार्यक्रम नहीं, परिणाम दिखाइए। ईवेंट-लोकतान्त्रिक शासन का विकल्प नहीं हो सकते। सत्ता में बैठे राजनेताओं को याद रखना होगा कि इतिहास मंच-सज्जा नहीं, परिणाम लिखता है। शासन को फिर से सेवा, सत्य और जवाबदेही के अपने मूल कर्तव्य की ओर लौटने से ही लोकतंत्र फल-फूल सकता है। यही लोकतंत्र की रक्षा और राष्ट्र के भविष्य का एकमात्र मार्ग है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

अरावली पर्वत श्रृंखला: अस्तित्व का संकट और भविष्य

अशोक कुमार

अरावली पर्वत श्रृंखला न केवल भारत की, बल्कि दुनिया की सबसे प्राचीन वलित पर्वत श्रेणियों में से एक है। भूवैज्ञानिक दृष्टि से यह हिमालय से भी कहीं अधिक पुरानी है। आज, 2025 के परिप्रेक्ष्य में, अरावली केवल एक भौगोलिक संरचना नहीं रह गई है, बल्कि यह उत्तर भारत के करोड़ों लोगों के लिए अस्तित्व की जीवन रेखा बन चुकी है। इसे ''दिल्ली-एनसीआर के फेफड़े'' कहा जाता है, लेकिन वर्तमान में यह फेफड़े शहरीकरण, अवैध खनन और प्रशासनिक अनदेखी के कारण बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो रहे हैं।

अरावली थार मरुस्थल की उड़ती हुई रेत को गंगा के उपजाऊ मैदानों और दिल्ली-एनसीआर की ओर बढ़ने से रोकने के लिए एक प्राकृतिक दीवार का कार्य करता है। यदि यह पहाड़ियाँ गायब हो गईं, तो उपजाऊ कृषि भूमि मरुस्थल में बदल जाएगी। अरावली की दरारयुक्त चट्टानी संरचना वर्षा जल को जमीन के नीचे भेजने के लिए एक स्पंज की तरह काम करती है। गुरुग्राम, फरीदाबाद और दिल्ली के गिरते भूजल स्तर के बीच, अरावली ही एकमात्र माध्यम है जो एक्विफर को रिचार्ज करता है। एनसीआर क्षेत्र दुनिया के सबसे प्रदूषित क्षेत्रों में शुमार है। अरावली के घने जंगल कार्बन डाइऑक्साइड को सोखने और ऑक्सीजन छोड़ने का प्राथमिक स्रोत हैं। यह क्षेत्र तेंदुओं, नीलगाय, सियार, धारीदार लकड़बग्घा और पक्षियों की सैकड़ों दुर्लभ प्रजातियों का प्राकृतिक आवास है। यह राजस्थान के सरिस्का से लेकर हरियाणा के असोला भट्टी तक वन्यजीवों के लिए एक सुरक्षित गलियारा प्रदान करता है।

राजस्थान में अरावली का विस्तार सबसे अधिक है, लेकिन यहाँ यह माफियाओं के निशाने पर है। 2018 में सुप्रीम कोर्ट में पेश की गई एक रिपोर्ट ने देश को झकझोर दिया था, जिसमें बताया गया था कि राजस्थान में अरावली की 31 पहाड़ियाँ पूरी तरह गायब हो चुकी हैं।

2024-25 के आंकड़ों के अनुसार, अवैध खनन की यह समस्या और गंभीर हुई है। पहाड़ियों के समतल होने के कारण धूल भरी आंधियों की तीव्रता अब साल के अधिकांश समय दिल्ली को प्रभावित करती है। हरियाणा के गुरुग्राम और फरीदाबाद जिलों में स्थिति और भी विकट है। यहाँ पहाड़ियों को काटकर आलीशान फार्महाउस और अवैध रिहायशी कॉलोनियाँ बनाई जा रही हैं। अरावली नोटिफिकेशन (1992) के बावजूद, जमीनी स्तर पर नियमों का उल्लंघन आम है। अरावली को बचाने के मार्ग में आज कई नई और जटिल चुनौतियां खड़ी हैं: भवन निर्माण के लिए पत्थर और रेत की मांग ने अरावली को छलनी कर दिया है। रात के अंधेरे में डायनामाइट से पहाड़ों को उड़ाया जाना पारिस्थितिक तंत्र को अपूरणीय क्षति पहुँचा रहा है।

दिल्ली-मुंबई औद्योगिक कॉरिडोर और दिल्ली-वड़ोदरा एक्सप्रेसवे जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स के कारण पहाड़ियों के बड़े हिस्से को काटा गया है। इसके अलावा, एनसीआर की बढ़ती जनसंख्या के दबाव में जंगलों को समतल मैदान में बदला जा रहा है। अक्सर 'वन' की परिभाषा को लेकर विवाद होता है। हाल के वर्षों में वन संरक्षण संशोधन अधिनियम को लेकर चिंताएं जताई गई हैं, जिससे अरावली के गैर-वर्गीकृत वन क्षेत्रों पर विकास कार्यों का खतरा मंडराने लगा है।

अरावली के मूल पेड़ों जैसे ढाक, खैर, और बबूल की जगह विलायती कीकर ने ले ली है। यह प्रजाति भूजल को तेजी से सोखती है और स्थानीय वनस्पतियों को पनपने नहीं देती।

अरावली को बचाने के लिए वर्तमान में तीन स्तरों पर लड़ाई लड़ी जा रही है:सुप्रीम कोर्ट ने बार-बार कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट किया है कि ''अरावली में कोई भी गैर-वानिकी गतिविधि नहीं होगी।'' कोर्ट ने हरियाणा सरकार को खोरी गाँव जैसे अतिक्रमण हटाने और वन भूमि को पुनर्जीवित करने के सख्त निर्देश दिए हैं।

भारत सरकार ने अरावली के किनारे 1,400 किलोमीटर लंबी और 5 किलोमीटर चौड़ी अरावली ग्रीन वॉल बनाने की योजना शुरू की है। इसका उद्देश्य पोरबंदर से पानीपत तक वृक्षारोपण के माध्यम से मरुस्थलीकरण को रोकना है।

अरावली बचाओ सिटिज़न मूवमेंट, अरावली बचाओ जैसे संगठनों ने लोगों को जागरूक किया है। युवाओं और पर्यावरणविदों द्वारा सोशल मीडिया और पदयात्राओं के माध्यम से सरकार पर दबाव बनाया जा रहा है कि अरावली को ''इको-सेंसिटिव जोन'' के रूप में पूरी तरह सुरक्षित किया जाए।

अरावली को केवल कागजी कानूनों से नहीं बचाया जा सकता। इसके लिए एक समठा वैज्ञानिक दृष्टिकोण की आवश्यकता है: सैटेलाइट इमेजरी और ड्रोन के जरिए अरावली की सीमाओं का सटीक सीमांकन किया जाए ताकि एक इंच भूमि पर भी कब्जा न हो सके।विदेशी पेड़ों को हटाकर स्वदेशी प्रजातियों के जंगल विकसित किए जाएं जो जल संचयन में सहायक हों। अरावली को बिना नुकसान पहुँचाए ट्रैकिंग और वाइल्डलाइफ फोटोग्राफी के लिए विकसित किया जाए। जब स्थानीय लोगों को पर्यटन से रोजगार मिलेगा, तो वे स्वयं इन पहाड़ियों के रक्षक बनेंगे। जिन क्षेत्रों में खनन के कारण गहरे गड्ढे हो गए हैं, वहां जल संचयन की झीलें बनाई जाएं और गायब हुई पहाड़ियों के स्थान पर कृत्रिम घने वन विकसित किए जाएं।

अवैध खनन में लिप्त माफियाओं के खिलाफ फास्ट ट्रैक कोर्ट में मामले चलाए जाएं और उनकी संपत्तियां कुर्क करने जैसे कड़े प्रावधान हों।

अरावली पर्वत श्रृंखला कोई निर्जीव पत्थर का ढेर नहीं है, बल्कि उत्तर भारत का सुरक्षा कवच है। आज हम जिस ताजी हवा और पीने योग्य पानी के लिए संघर्ष कर रहे हैं, उसकी चाबी अरावली के पास है। यदि हमने स्वार्थ और विकास की अंधी दौड़ में अरावली को खो दिया, तो आने वाली पीढ़ियां एक मरुस्थलीय और जहरीली हवा वाले भारत में सांस लेने को मजबूर होंगी। अरावली को बचाना अब केवल पर्यावरण प्रेमियों का शौक नहीं, बल्कि हम सबकी सामूहिक राष्ट्रीय जिम्मेदारी है।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय,
विभागाध्यक्ष राजस्थान
विश्वविद्यालय जयपुर

रणकपुर जवाई बांध फेस्टिवल 2025 का समापन

- फेस्टिवल में रोचक प्रतियोगिताओं और हॉर्स शो ने रोमांचित किया
- सूर्य मंदिर के समीप आयोजित कार्यक्रम में मामे खान के सुरों ने समा बांधा

मिस गोडवाड़ प्रतियोगिता के विजेता को अधिकारियों ने पुरस्कृत किया।

पाली, (निसं)। मारवाड़-गोड़वाड़ की सांस्कृतिक विरासत को विश्व पटल पर स्थापित करने की मंशा से जिला प्रशासन पाली, पर्यटन विभाग राजस्थान तथा नगरपालिका सादड़ी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय रणकपुर जवाई बांध फेस्टिवल 2025 का रंगारंग समापन हुआ।

इस अवसर पर महोत्सव में पर्यटक वन्यजीवों को प्राकृतिक पर्यावास में देखकर रोमांचित हो उठे। इधर, रणकपुर स्थित हॉट एयर बैलूनिंग आयोजित हुआ। हेलीपैड ग्राउंड पर ही आयोजित रोचक प्रतियोगिताओं में भी सैलानियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। फेस्टिवल के दिन हॉर्स शो आकर्षण का केंद्र रहा। बड़ी संख्या में पहुंचे पर्यटकों और स्थानीय लोगों ने सजे धजे घोड़ों के करतबों पर दांतों तले उंगली दबा ली। हॉर्स पोलो के दौरान दर्शकों का उत्साह चरम पर रहा। वहीं दिनभर चली रोचक प्रतियोगिताओं और हॉर्स शो ने भी सैलानियों को रोमांचित किया।

महोत्सव में रस्साकस्सी की महिला की प्रथम टीम में सुमन, सोनल, सीता, रेशमा, आशवंती, लक्ष्मी, आकांक्षा, दीपिका, कंचन, ललिता, चम्पा प्रथम रही। इसी प्रकार पुरूष की रस्साकस्सी टी में रमेश चंद परिहार, रानूसिंह, रामेश्वर फिरोदा, बाबूलाल माली, ललित माली, मुकेश देवासी, पप्पु कुमार, जावेद टांक, भंवरलाल, नकुल कश्यप व जीतू चौधरी टीम प्रथम रहे। गोडवाड श्री में प्रशांत वर्मा प्रथम एवं मिस गोडवाड़ में शारदा कुमार प्रथम रही। मूछ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर विक्रमसिंह, नरसिंह चौहान प्रथम रहे, द्वितीय स्थान पर संदीप राठौड़, तृतीय स्थान पर पोकरलाल सोलंकी, धीरेन्द्र सिंह, देवा मारवाडी तृतीय रहे। साफा बांध प्रतियोगिता में संजय मेंशन प्रथम, तेजवंत सिंह चौहान द्वितीय, तृतीय डिकेन्द्र सिंह सिसोदिया, यूधिष्टर चौहान, मादाराम तृतीय रहे। चम्मच दौड़ में आदित्य सिंह प्रथम, रमेश द्वितीय व पदमिनी तृतीय नम्बर पर रही तथा फोटोग्राफी प्रतियोगिता में राजकुमार सोनी प्रथम, शुभम सोनी द्वितीय एवं आदित्य कंसारा तृतीय रहे। मटका दौड़ में प्रथम गुणिता देसूरी, द्वितीय कन्या सोनाणा, तृतीय शारदा रही, इसके साथ ही अन्य स्पर्धाएं भी आयोजित हुई।

फेस्टिवल में जिला कलैक्टर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के तत्वावधान में फोटोग्राफी प्रतियोगिता भी हुई। इसमें जिले भर के फोटोग्राफर्स ने प्राकृतिक, वाइल्डलाइफ, कल्चर व सांस्कृतिक विषय पर फोटोग्राफी कर प्रविष्टियां जमा कराई। इन सभी फोटोग्राफ्स की यहां प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसे दर्शकों ने देख के सराहा।

फेस्टिवल के अंतिम दिन रात सूर्य मंदिर के समीप आयोजित कार्यक्रम में मामे खान के सुरों ने समा बांध दिया। मामे खान ने पधारों मारे देश गीत से अपनी प्रस्तुति की शुरुआत की। साथ ही रामचन्द्र अवतार लियो.., वंदे मातरम...., जब देखु बन्ने री लाल पीली अंखिया....., केशरिया बालम..., चमचम चमके चुनडी बनजारा रे.. आदि गीतों की प्रस्तुति दी। उसमें दर्शकों का उत्साह देखते ही बना।

इस अवसर पर पशुपालन, डेयरी, देवस्थान विभाग कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत, संभागीय आयुक्त डॉ प्रतिभा सिंह, जिला कलक्टर एलएन मंत्री, प्रशिशु आईएएस बिरजु गोपाल, अतिरिक्त जिला कलक्टर डॉ बजरंगसिंह, बाली अतिरिक्त जिला कलैक्टर शेलेन्द्रसिंह, उपखण्ड अधिकारी देसूरी सिद्धार्थ सांदु, नगरपालिका ईओ सादडी, संयुक्त निदेशक पर्यटन भानु प्रताप, सेलो ग्रुप के प्रतिनिधि नरेश ओझा, पर्यटन विभाग की सहायक निदेशक सरिता फिडौदा एवं अन्य जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

बोर्ड परीक्षाओं से पहले स्कूलों को व्याख्याता नहीं मिलेंगे

- वर्तमान में राज्य के उच्च माध्यमिक स्कूलों में व्याख्याता के 18649 पद रिक्त चल रहे हैं
- व्याख्याता नहीं होने से सेकंड ग्रेड और थर्ड ग्रेड शिक्षकों को 11वीं -12वीं कक्षा का बकाया कोर्स पूरा करने की जिम्मेदारी सौंपी गई

बीकानेर, (निसं)। 9वीं से 12वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षाओं की डेट सीट घोषित कर दी गई है। 10वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं 12 फरवरी से और 9वीं व 11वीं कक्षा की 7 मार्च से शुरू होगी, लेकिन स्कूलों को व्याख्याता वार्षिक परीक्षा से पहले मिलने संभव नहीं होंगे। अभी तक व्याख्याताओं की वरिष्ठता तैयार नहीं हुई है। मंडल स्तर पर अस्थाई से स्थाई वरिष्ठता तैयार होने के बाद माध्यमिक शिक्षा निदेशालय स्तर से डीपीसी की तैयारी शुरू होगी, जिसमें अभी समय लगेगा। पिछले 3 साल से वरिष्ठ अध्यापक से व्याख्याता पदों की डीपीसी बकाया होने से रिक्त पदों का ग्राफ साल दर साल बढ़ता जा रहा है।

वर्तमान में राज्य के उच्च माध्यमिक स्कूलों में व्याख्याता के 18649 पद रिक्त चल रहे हैं। व्याख्याता नहीं होने से ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के अनेक स्कूलों में सेकंड ग्रेड और थर्ड ग्रेड शिक्षकों को 11वीं -12वीं कक्षा का बकाया कोर्स पूरा करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने 31 जनवरी से पूर्व बकाया कोर्स पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

सीताराम जाट, निदेशक माध्यमिक शिक्षा बीकानेर का कहना है कि कार्मिक विभाग के नियमानुसार 1 अप्रैल की स्थिति के आधार पर कार्यरत वरिष्ठ अध्यापकों की वरिष्ठता बनवाई जा रही है। इसके बाद डीपीसी की जाएगी।

5वीं-8वीं बोर्ड परीक्षाओं का टाइम टेबल जारी

बीकानेर, (निसं)। प्रारंभिक शिक्षा विभाग ने कक्षा 5वीं और कक्षा 8वीं बोर्ड एग्जाम का कार्यक्रम जारी कर दिया है। शिक्षा पूर्णता प्रमाण पत्र परीक्षा (कक्षा 8) और प्राथमिक शिक्षा अधिगम स्तर मूल्यांकन परीक्षा (कक्षा 5) का आयोजन आगामी वर्ष फरवरी से मार्च के बीच में किया जाएगा।

आठवीं के स्टूडेंट्स को होली के अवकाश में भी तैयारी करनी होगी, जबकि पांचवीं के स्टूडेंट्स के एग्जाम पहले ही खत्म हो जाएंगे। सिर्फ संस्कृत स्कूल सहित विशेष स्कूलों में ही पांचवीं की तृतीय भाषा के एग्जाम होंगे।

शिक्षा निदेशालय की ओर से जारी आदेश के अनुसार कक्षा 8वीं की परीक्षाएं 19 फरवरी 2026 से शुरू होकर 4 मार्च तक चलेंगी, जबकि कक्षा 5वीं की परीक्षाएं 20 फरवरी 2026 से 5 मार्च तक आयोजित होंगी।

शिक्षा विभाग ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों और संबंधित संस्थानों को निर्देश दिए हैं कि परीक्षा से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं समय रहते पूरी की जाएं। परीक्षा कार्यक्रम में किसी भी प्रकार के परिवर्तन की सूचना विभागीय पोर्टल के माध्यम से दी जाएगी।

कंटेनर में भरे गौवंश को मुक्त कराया

टोंक, (निसं)। निवाई क्षेत्र में गौ तस्करी के खिलाफ पुलिस और गौ सेवादल की संयुक्त टीम ने कार्रवाई कर सोमवार रात्रि को दो दर्जन गौवंश से भरे एक कंटेनर को जब्त किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार रात्रि को गौवंश सेवादल को गांव चिकाना क्षेत्र से गौवंश से भरा कंटेनर निकलने की सूचना मिली, जिसके बाद उन्होने कंटेनर का पीछा कर निवाई थाना क्षैत्र स्थित दशहरा मैदान के पास उसे घेरकर कर रोक लिया तथा थाना पुलिस को सूचना देकर मौके पर बुलाकर कंटेनर व आरोपी चालक हनीफ खां (30) पुत्र चाव खां, निवासी जमातगढ़, थाना पुनहाना, जिला नूंह (हरियाणा) को पुलिस के हवाले कर दिया, जिसके बाद निवाई थाना पुलिस ने कंटेनर को जब्त कर क्रेन की मदद से सभी गौवंश को सुरक्षित गौशाला भिजवाया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई प्रारम्भ की।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 24 दिसम्बर, 2025

पौष मास, शुक्ल पक्ष, चतुरथी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, धनिष्ठा नक्षत्र गुरूवार प्रातः 8:18 तक, हर्षण योग दिन 4:02 तक, विष्टि करण दिन 1:12 तक, चन्द्रमा सायं 7:46 से कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-मकर, मंगल-धनु, बुध-वृश्चिक, गुरू-मिथुन, शुक्र-धनु, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज रवियोग प्रातः 8:18 से आरम्भ होगा। भद्रा आज दिन 1:12 तक रहेगी। पंचक सायं 7:46 से आरम्भ होंगे।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:52 तक, शुभ 11:09 से 12:26 तक, चर 3:01 से 4:18 तक, लाभ 4:18 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 7:17, सूर्यास्त 5:35 तक

मेष
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा।

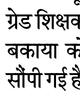

वृष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

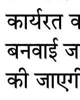

मिथुन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। आज नवीन कार्यों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

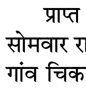

कर्क
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

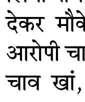

सिंह
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

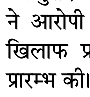

कन्या
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा।

तुला
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

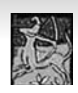

धनु
व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। संभावित धन प्राप्त होगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मकर
व्यावसायिक कार्य से संबंधित यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

कुंभ
आज समय अनर्गल कार्यों में व्यतीत होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

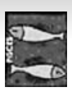

मीन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

सरकार हर बेटी, हर महिला के साथ

सम्मान, सुरक्षा और बेहतर भविष्य की पक्की बात

हर बेटी, हर महिला के साथ...यह सरकार की वह प्रतिबद्धता है, जो संवेदनशीलता को नीति और संकल्प को परिणाम में बदलती है। महिलाओं और बालिकाओं के जीवन को सुरक्षित, सम्मानजनक और आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार ने कल्याण, शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं को एक मजबूत ढांचे में पिरोया है। ये पहल केवल सहायता तक सीमित नहीं हैं, बल्कि महिलाओं को आगे बढ़ने, निर्णय लेने और आत्मविश्वास के साथ जीवन जीने का आधार प्रदान कर रही हैं। स्वच्छ रसोई की सुविधा से लेकर उच्च शिक्षा तक पहुंच, आर्थिक संबल से लेकर सामाजिक सुरक्षा और सार्वजनिक स्थलों पर निर्भीकता, सरकार का प्रयास है कि हर बेटी और हर महिला को बराबरी का अवसर और सम्मान मिले। इन योजनाओं के माध्यम से सरकार ने नारीशक्ति को विकास की धुरी बनाते हुए एक समावेशी, सशक्त और संवेदनशील समाज की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए हैं।

आगे बढ़ रही बेटी

राजस्थान में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजनान्तर्गत 33,904 बेटी जन्मोत्सव समारोह आयोजित किए गए हैं। इसमें 1.95 लाख बालिकाओं के जन्मोत्सव मनाए गए तथा ग्राम पंचायतों पर 2.72 लाख वृक्षों का रोपण किया गया। इस योजना का उद्देश्य उन परिवारों की बेटियों को वित्तीय सहयोग देना है जो सरकारी स्कूलों में कक्षा 1 से 12वीं तक पढ़ाई कर रही हैं। आपकी बेटी छात्रवृत्ति योजना राजस्थान में हर पात्र छात्रा को 2,100 से 2,500 रुपए तक की वार्षिक छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है।

- रसोई गैस सब्सिडी योजना में गरीब परिवार की महिलाओं को घरेलू गैस सिलेंडर 450 रुपए में उपलब्ध
- कृषि अध्ययन के लिए 58,397 छात्राओं को 103 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि
- लाडो प्रोत्साहन योजना में 1.50 लाख रुपए सेवा बॉण्ड से 4.60 लाख बालिकाओं को मिला लाभ
- 12 लाख महिलाएं बनीं लखपति दीदी, नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना में 216 करोड़ रुपए के ऋण
- प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना में 9.92 लाख गर्भवती महिलाओं को 531 करोड़ रुपए की सहायता
- महिला अपराधों में 12 प्रतिशत की कमी, 65 एन्टी रोमियो स्क्वॉड का गठन

2 साल
नव उत्थान - नई पहचान
बढ़ता राजस्थान - हमारा राजस्थान

हर नारी का मान

मुख्यमंत्री एकल नारी पेंशन सम्मान योजना द्वारा विधवा, परित्यक्ता, अकेली महिलाओं व जरूरतमंद महिलाओं को मासिक पेंशन, आर्थिक सहायता दी जा रही है। इस योजना में करीब 6,234 करोड़ रुपए व्यय कर 19.24 लाख पेंशनर्स को लाभ दिया गया है।

दीदी बनी लखपति

प्रदेश में महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए राजीविका मिशन के तहत 'लखपति दीदी' योजना का विस्तार किया गया है। इसके तहत करीब 19.45 महिलाओं को लखपति दीदी का प्रशिक्षण प्रदान कर 12.06 लाख महिलाओं को लखपति दीदी की श्रेणी में लाया जा चुका है।

बिटिया की शिक्षा की राह हुई सुगम

सरकार ने कालीबाई भील निशुल्क स्कूटी योजना और देवनारायण स्कूटी योजना के तहत नियमों में बड़ा बदलाव किया है। अब स्कूटी की राशि सीधे संबंधित एजेंसी के खाते में ट्रांसफर की जा रही है। योजना में 39,664 स्कूटियों का वितरण किया गया है।

महिला सुरक्षा- एक और बढ़ा कदम

राजस्थान सरकार ने महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए महिला पुलिसकर्मियों की 500 'कालिका पेट्रोलिंग यूनिट' का गठन किया है। ये टीमें राज्य के भीड़-भाड़ वाले स्थानों, जैसे कॉलेज, मॉल और धार्मिक जगहों पर गश्त करती हैं। यूनिट की वर्दी को खास डिजाइन किया गया है। इनके स्कूटर और हेलमेट काले रंग के हैं और वर्दी पर पीछे की ओर नियॉन मोनोग्राम होता है।

स्वच्छ ईंधन से सेहत

गरीब परिवार की महिलाओं को हानिकारक धुएं से बचाकर सम्बल प्रदान करने के लिए एक जनवरी, 2024 से रसोई गैस सिलेण्डर सब्सिडी योजना के अंतर्गत प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के चिह्नित लाभार्थियों तथा बीपीएल परिवारों (राजस्थान राज्य के) को रसोई गैस सिलेण्डर केवल 450 रुपए में उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके लाभार्थियों को 4.82 करोड़ गैस सिलेण्डर रिफिलिंग कर 867 करोड़ रुपए की सब्सिडी दी गई है।

खिलखिला रही लाडो

लाडो प्रोत्साहन राशि पहले एक लाख थी जिसे भजनलाल सरकार ने बढ़ाकर अब 1.50 लाख रुपए कर दिया गया है। अब तक 4.60 लाख बालिकाएं प्रथम किस्त से लाभान्वित हो चुकी हैं। योजना में परिवार को राजस्थान में बेटी के जन्म पर सेविंग बॉन्ड कुल सहायता राशि 1.5 लाख कुल 7 किस्तों में (जन्म, टीकाकरण, स्कूल-प्रवेश, कक्षा-उत्थान, स्नातक आदि के समय) दी जाती है। यह योजना स्वचलित है और इसके लिए अलग से फार्म भरने की जरूरत नहीं है।

किसान और पशुपालक के हित में ठोस प्रयास

खेत से घर तक विकास की नीति बनी ग्रामीण उत्थान का मजबूत आधार

सरकार की पहल से आसान हुई खेती

ब्याज-मुक्त फसली ऋण सुविधा के माध्यम से सरकार किसानों को किफायती और समय पर ऋण उपलब्ध कराने की बड़ी पहल कर रही है। इस योजना के तहत अब तक 77.74 लाख से अधिक किसानों को 44,355 करोड़ रुपए से अधिक का फसली ऋण वितरित किया जा चुका है। समय पर भुगतान करने वाले किसानों को ब्याज सब्सिडी का लाभ मिलता है, जिससे उनकी खेती की लागत वहन करना आसान होता है और बीज, खाद व कीटनाशक जैसी आवश्यक सामग्री समय पर उपलब्ध हो पाती है। नवीन कृषकों को 446.24 करोड़ रुपए के फसली ऋण वितरित किए गए हैं।

634.22 करोड़ रुपए के ऋण

डेयरी से संबंधित गतिविधियों के लिए एक लाख रुपए तक ब्याज मुक्त अल्पकालीन ऋण उपलब्ध कराने के लिए राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड ऋण योजना लागू की गई है। इसमें 84,604 पात्र गोपालक परिवारों को 634.22 करोड़ रुपए का ऋण स्वीकृत किया गया है। सभी दस्तावेज पर स्टाम्प ड्यूटी माफ की गई है।

गांव-गांव पहुंचा उपचार

मोबाइल वेटरिनरी यूनिट पशुपालन विभाग की ऐसी पहल है, जिसके जरिए दूरदराज गांवो में पशुओं को चिकित्सा उपलब्ध करवाई जा रही है। इसमें 536 मोबाइल वाहनों से करीब 58.64 लाख पशुओं का उपचार कर 14 लाख 48 हजार से अधिक पशुपालकों को लाभान्वित किया गया है।

ग्रामीण अंचलों की वास्तविक जरूरतों को समझते हुए और किसानों-पशुपालकों के हर संघर्ष को अपना दायित्व मानते हुए राज्य सरकार ने विकास की ऐसी समग्र रूपरेखा तैयार की है, जिसमें सेवा, सुरक्षा और सशक्तीकरण तीनों का संतुलित समावेश दिखाई देता है। खेती और पशुपालन को केवल आजीविका नहीं, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ मानकर सरकार ने नीतियों को जमीन से जोड़ते हुए उन्हें परिणामोन्मुख बनाया है। दूरदराज गांवों और रेगिस्तानी क्षेत्रों तक पशु चिकित्सा सेवाओं की पहुंच हो, किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य और समय पर भुगतान मिले, फसलों को प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षा मिले, सिंचाई और बिजली की समस्याओं का समाधान हो या फिर डिजिटल तकनीक के माध्यम से पारदर्शिता और सरलता सुनिश्चित करनी हो, हर मोर्चे पर सरकार की मंशा स्पष्ट और प्रयास प्रभावी नजर आते हैं। इन योजनाओं के माध्यम से सरकार ने न केवल आर्थिक सहायता प्रदान की है, बल्कि किसानों और पशुपालकों में विश्वास, आत्मबल और भविष्य के प्रति आश्वस्ति भी पैदा की है। ये पहल इस बात का प्रमाण हैं कि सरकार का विकास मॉडल कागजों तक सीमित नहीं, बल्कि गांव की चौपालों तक उपस्थिति दर्ज करा रहा है।

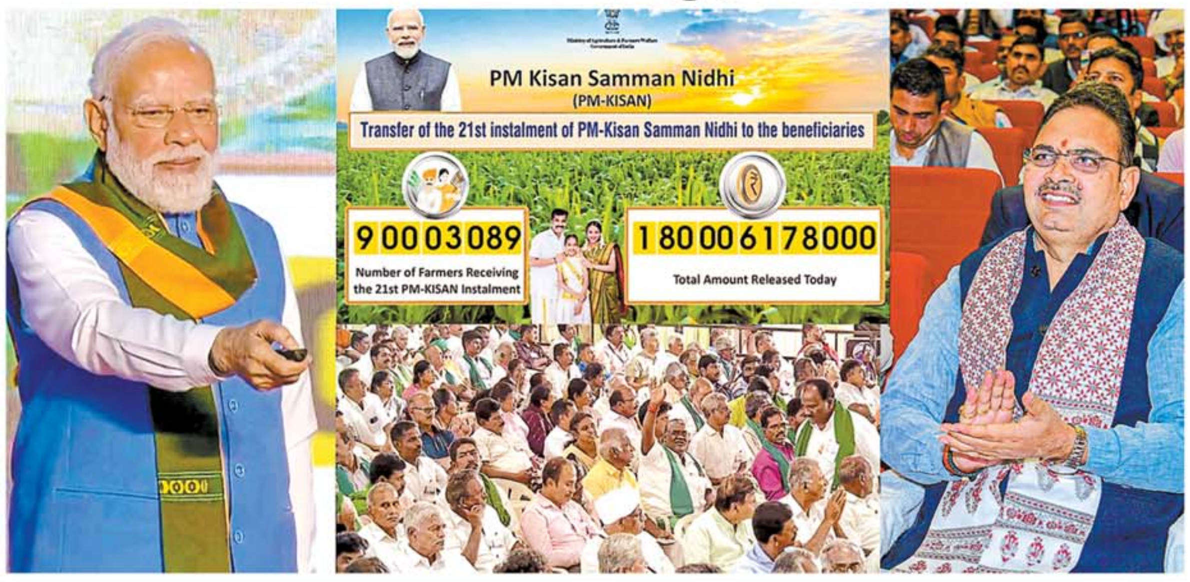

76.18 लाख किसानों को मिला 'सम्मान'

राज्य में वर्ष 2024-25 के बजट में मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना प्रारम्भ करने की घोषणा के बाद लाभार्थियों को हर साल 2,000 रुपए तीन किस्तों में देने की शुरुआत हुई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस 2,000 की आर्थिक सहायता को बढ़ाकर 2025-26 में 3,000 रुपए कर दिया। योजना में किसानों को हर साल तीन किस्तों में 3,000 रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। अब तक योजना में 71.79 लाख किसानों को 2,073 करोड़ रुपए से अधिक की राशि हस्तांतरित की जा चुकी है। इसी प्रकार प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अन्तर्गत प्रदेश के 76.18 लाख किसानों को अब तक 8 हजार 359 करोड़ रुपए की राशि उनके खातों में स्थानान्तरित की जा चुकी है।

6206.61 करोड़ के क्लेम वितरित

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना 2016 में लागू की गई है। योजना में किसानों की फसल को बुआई से लेकर कटाई होने के बाद तक आने वाली मौसम की मार या प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षा दी जाती है। इससे किसान बिना डर के खेती कर सकते हैं और नुकसान होने पर उन्हें मुआवजा भी मिलता है। बीते दो साल में योजना के तहत अब तक 6206.61 करोड़ रुपए के बीमा क्लेम वितरित किए गए हैं एवं देश में सर्वाधिक 2.19 करोड़ बीमा पॉलिसियों का सृजन किया गया है।

खेती, पशुपालन और तकनीक का अपूर्व संगम

जनकल्याण से कृषक आत्मनिर्भरता तक समावेशी विकास

हर मुश्किल में सरकार साथ

मुख्यमंत्री कृषक साथी सहायता योजना में किसानों को खेती करते समय दुर्घटनाग्रस्त होने पर वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। योजना के तहत आकस्मिक मृत्यु या स्थायी अंग-भंग होने की स्थिति में आर्थिक मदद सरकार की ओर से दी जाती है। योजना में 5,415 लाभार्थियों को 85.41 करोड़ रुपए की सहायता की गई है। इसके अलावा पीएम-कुसुम योजना के तहत राज्य में देश की सबसे अधिक क्षमता वाली विकेन्द्रित सौर ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित की गई हैं।

बढ़कर मिल रहा बोनस

प्रदेश में वर्ष 2024-25 में गेहूं के समर्थन मूल्य 2,275 रुपए प्रति क्विंटल के ऊपर 125 रुपए एवं वर्ष 2025-26 में राजस्थान कृषक समर्थन योजना के अन्तर्गत गेहूं के समर्थन मूल्य 2425 रुपए प्रति क्विंटल के ऊपर 150 रुपए का बोनस प्रदान कर 2575 रुपए प्रति क्विंटल पर गेहूं खरीदकर किसानों को लाभान्वित किया गया। इस योजना में 2.66 लाख किसानों से 33.42 लाख मैट्रिक टन गेहूं खरीदा गया है और उन्हें 471.16 करोड़ रुपए बोनस दिया गया है।

तारबंदी योजना से मिली सुरक्षा

तारबंदी योजना के अंतर्गत आवारा पशुओं से फसल को सुरक्षा प्रदान करने के लिए किसानों के खेतों में फेंसिंग (तारबंदी) पर अनुदान दिया जाता है। किसानों को 50 प्रतिशत तक अनुदान दिया जाता है, जिसकी अधिकतम सीमा 40 हजार रुपए निर्धारित है। लघु एवं सीमांत किसानों को 60 प्रतिशत तक, अधिकतम 48 हजार रुपए अनुदान दिया जाता है। करीब 31,357 किलोमीटर की तारबंदी स्थापित कर 330 करोड़ रुपए से अधिक अनुदान दिया गया है।

किसान की नई डिजिटल पहचान

किसान डिजिटल आइडी के माध्यम से किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे और पारदर्शी तरीके से प्रदान किया जा रहा है। अब तक लगभग 75 लाख किसानों को यह डिजिटल पहचान उपलब्ध कराई जा चुकी है। इससे लाभार्थी सत्यापन सरल हो गया है, योजनाओं का लाभ एक क्लिक पर मिल जाता है। एग्रीस्टेक योजनान्तर्गत डिजिटल कृषि पहल के अंतर्गत फार्मर रजिस्ट्री एवं डिजिटल क्रॉप सर्वे गिरदावरी योजनाएं शुरू की गई।

जैसलमेर में तीस हजार की रिश्वत लेते रीको सेक्शन ऑफिसर गिरफ्तार

पत्रावली से जुड़े दस्तावेजों को ऑनलाइन करने और काम शुरू करने की अनुमति देने के बदले 30 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी

जैसलमेर, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने मंगलवार को रीको ऑफिस में बड़ी कार्रवाई की। एसीबी जोधपुर की टीम ने रीको ऑफिस के अनुभाग अधिकारी भवानीशंकर स्वामी को परिवादी से 30 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

एसीबी मुख्यालय के अनुसार परिवादी की भाभी के नाम किशनघाट औद्योगिक क्षेत्र में एक प्लॉट आवंटित था, जिसे रीको ने वर्ष 2024 में निरस्त कर दिया था। अपील के बाद प्लॉट को दुबारा बहाल तो कर दिया गया, लेकिन आरोपी भवानीशंकर स्वामी पत्रावली से जुड़े दस्तावेजों को ऑनलाइन करने और मौके पर काम शुरू करने की अनुमति देने के बदले 30 हजार रुपए की मांग कर रहा था। रिश्वत की मांग से परेशान होकर परिवादी ने एसीबी जोधपुर में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत का सत्यापन होने

रीको ऑफिस का अनुभाग अधिकारी भवानीशंकर स्वामी

के बाद एसीबी के उप महानिरीक्षक भुवनभूषण यादव के निर्देश पर एक टीम गठित की गई। एएसपी ओमप्रकाश चौधरी के नेतृत्व में उप अधीक्षक किशनसिंह चारण और उनकी टीम ने जाल बिछाया, जिसके बाद आरोपी को रंगे हाथों रिश्वत की राशि लेते हुए पकड़ लिया गया।

एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। औद्योगिक विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विभाग में इस तरह की घूसखोरी ने विभाग की छवि पर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि एसीबी ने आमजन से अपील की है कि यदि कोई भी सरकारी अधिकारी या कर्मचारी जायज काम के लिए रिश्वत की मांग करता है, तो टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1064 या वॉट्सएप नंबर पर निर्भय होकर सूचना दें। मामले में विभागीय स्तर पर तेजी से कार्रवाई की जाएगी और रिश्वत लेने वालों की धरपकड़ की जाएगी।

जयपुर में बीएड कॉलेज की निदेशक को रिश्वत लेते पकड़ा

- **बीएड स्टूडेंट की अटेंडेंस पूरी करने के बदले रिश्वत मांगी थी**

जयपुर, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की जयपुर स्पेशल यूनिट (प्रथम) टीम ने कार्रवाई करते हुए मीरा केशव महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय ग्राम मदाउ (मानसरोवर) तहसील सांगानेर जयपुर की निदेशक भंवर कंवर को परिवादी से 4500 रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है। यह रिश्वत बीएड स्टूडेंट की अटेंडेंस पूरी करने के बदले मांगी गई थी।

एसीबी के डीजी गोविंद गुप्ता ने बताया कि एसीबी जयपुर स्पेशल यूनिट (प्रथम) को परिवादी ने शिकायत दी थी कि मीरा केशव शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, मदाउ (मानसरोवर) की निदेशक भंवर कंवर उसकी अटेंडेंस पूरी करने के बदले पांच हजार रुपए की रिश्वत मांग रही है, जिस पर एसीबी के डीआईजी अनिल कायल के सुपरविजन में शिकायत का सत्यापन करवाया गया। सत्यापन में शिकायत सही पाए जाने पर पुलिस निरीक्षक अर्चना मीणा के नेतृत्व में टीम ने ट्रेप की कार्रवाई करते हुए मीरा केशव महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय की निदेशक भंवर कंवर को 4500 रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है।

अज्ञात महिला का शव मिला

सरवाड़, (निसं)। निकटवर्ती गांव गोयला में मंगलवार को पाइप लाइन डालने के लिए खोदे गए एक गहरे गड्ढे में अज्ञात महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई। शव मिलने की सूचना मिलते ही सरवाड़ थानाधिकारी रामपाल शर्मा जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचकर जानकारी ली। वहीं मौके पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मील एवं पुलिस उप अधीक्षक हर्षित शर्मा भी घटनास्थल पर पहुंचे और जानकारी ली। फिलहाल महिला की पहचान नहीं हो पाई है। प्रारंभिक जांच एवं शव की स्थिति को देखते हुए पुलिस का अनुमान लगाया जा रहा है कि मौत तीन-चार दिन पहले हुई है। वहीं महिला की उम्र लगभग 35 वर्ष के बीच बताई जा रही है। पुलिस ने मृतका के हुलिए का विवरण जारी कर शिनाख्तगी के प्रयास शुरू कर दिए है। वहीं पुलिस के अनुसार महिला ने सलवार सूट पहन रखा है व दाएं हाथ में लाल रंग की चूड़ियां वाएं हाथ में घड़ी व लच्छा कलावा बंधा हुआ है। साथ ही महिला ने पैरों में पायजेब व नाक में लौंग पहनी हुई है। पुलिस ने शव को गड्ढे से बाहर निकलवाकर एम्बुलेंस के जरिए केकड़ी स्थित राजकीय जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया।

- **पुलिस का अनुमान है कि महिला की मौत तीन-चार दिन पहले हुई है**

विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य विधि विज्ञान प्रयोगशाला के लिए सहायक निदेशक - डीएनए डिवीजन के 8 एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी – डीएनए डिवीजन के 12, सेरोलॉजी डिवीजन के 3, नारकोटिक्स डिवीजन के 1, बायोलॉजी डिवीजन के 2 तथा केमिस्ट्री डिवीजन के 2 कुल 28 पदों पर भर्ती का विज्ञापन जारी किया गया है। शैक्षणिक योग्यता, वर्गवार वर्गीकरण एवं अन्य जानकारी संबंधी विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग सचिव ने बताया कि उक्त पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन 29 दिसंबर 2025 से 27 जनवरी 2026 की रात्रि 12 बजे तक किए जा सकेंगे। ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। परीक्षा तिथि व स्थान के संबंध में यथासमय सूचित कर दिया जाएगा।

कार्यालय उपवन संरक्षक धौलपुर

क्रमांक-उ.व.स.धौ./लेखा/निविदा/2025-26/7208 दिनांक-17.12.2025

Notice Inviting Bid

Bid for central nusrery dholpur upgradation work are invited from intrested bidders upto 2.00 PM 26.12.2025. other particulars of bid may be visited on the procurement portal http://sppp.raj.nic.in or https://eproc.rjasthan.gov.in/ of the state. The Approximate Value of Procurement is 19.40 Lakhs.

UBN NO. FOR2526WSOB03963

DIPR/C/18824/2024 उपवन संरक्षक धौलपुर

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग वृत डूंगरपुर

Mai: sepheddpr@gmail.com

क्रमांक-अअ/वृत/तक/निविदा/2025-26/1128-1134 दिनांक-16.12.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 25-26/2025-26

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग वृत-डूंगरपुर के अधीन कार्य हेतु ऑनलाईन बिड आमंत्रित की जाती है। बिड से सम्बन्धित समस्त जानकारी प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in व http://sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।

एन.आई.बी. नम्बर- PHE2526A4821, NIT NO. 25/2025-26 PHE2526WSOB09905, NIT NO. 26/2025-26 PHE2526WSOB09906

अधीक्षण अभियन्ता जन स्वा अभि विभाग वृत डूंगरपुर

DIPR/C/18891/2025

अलवर में लोहा व्यापारी के गोदाम पर जीएसटी का छापा

- **50 लाख रुपए से अधिक कर चोरी पकड़ी, अधिकारी खुलासा करने से बच रहे**

अलवर, (निसं)। अलवर के प्रतापगढ़ में दौसा रोड स्थित गोविंद मशीनरी स्टोर, अलवर के ट्रांसपोर्ट नगर व किशनगढ़बास में एग्रीकल्चर व्यापारी पर जीएसटी विभाग की टीम ने छापा मारा। यहां करीब 50 लाख रुपए की कर चोरी हाथोंहाथ पकड़ी और 50 लाख रुपए की रसीद काट दी।

सोमवार व मंगलवार को दो दिन तक जीएसटी विभाग की टीम अलवर में सक्रिय है। तीन जगहों पर छापा मारा। जहां पर टैक्स चोरी भी पकड़ ली। करीब 50 लाख रुपए की टैक्स चोरी की तुरंत रसीद काट दी, बाकी जांच भी आगे की जाएगी। विभाग की छापेमारी से अन्य बड़े व्यापारियों में डर दिखा। कइयों ने प्रतिष्ठान ही बंद रखे। प्रतापगढ़ के अलावा ट्रांसपोर्ट में ट्रेलर बनाने वाले व किशनगढ़बास में एग्रीकल्चर व्यापारी के यहां टैक्स चोरी पकड़ी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जीएसटी इंस्पेक्टर जितेंद्र शर्मा के नेतृत्व में विभाग की टीम मौके पर पहुंची और व्यापार से जुड़े रिकॉर्ड की जांच की। टीम ने खरीद-फरोख्त से संबंधित बिल, रजिस्टर, कंप्यूटर डेटा एवं स्टॉक का मिलान किया। कार्रवाई के दौरान गोदाम पर किसी को भी अंदर-बाहर जाने की अनुमति नहीं दी गई। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई कर चोरी की आशंका को लेकर की गई है। हालांकि विभाग की ओर से अभी तक किसी प्रकार की आधिकारिक जानकारी या निष्कर्ष सार्वजनिक नहीं किया गया है। जांच पूरी होने के बाद ही आगे की कार्रवाई या संभावित जुमाने को लेकर स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

अलवर में व्यापारी के गोदाम पर जीएसटी टीम ने छापा मारा।

अजमेर कलैक्ट्रेट को बम से उड़ाने की फिर धमकी मिली

पिछले 20 दिनों में तीसरी बार है जब जिला प्रशासन को इस तरह की धमकी मिली है

- **कलैक्ट्रेट परिसर खाली करवाकर सर्च ऑपरेशन चलाया, कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली**

अजमेर, (कासं)। अजमेर जिला कलैक्ट्रेट परिसर में मंगलवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब जिला प्रशासन की आधिकारिक ई-मेल आईडी पर एक धमकी भरा मेल प्राप्त हुआ। मेल में कलैक्ट्रेट को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। यह पिछले 20 दिनों में तीसरी बार है जब जिला प्रशासन को इस तरह की धमकी मिली है।

जिला प्रशासन के अधिकारियों के अनुसार सुबह मेल आईडी पर एक ई-मेल आया। इस ई-मेल में दावा किया गया कि कलैक्ट्रेट परिसर में अलग-अलग जगहों पर विस्फोटक प्लांट किए गए हैं और कुछ ही देर में धमाका होगा।

ई-मेल भेजने वाले ने प्रशासन को चुनौती देते हुए कहा कि 'अगर बचा सकते हो तो बचा लो।' धमकी मिलते ही जिला प्रशासन ने तुरंत पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलते ही पुलिस के आला अधिकारी, ईआरटी, डॉग स्क्वॉड और बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंच गया। एहतियात के तौर पर पुलिस ने तुरंत पूरे कलैक्ट्रेट परिसर को खाली करवा लिया। कर्मचारियों और आम जनता को बिल्डिंग से बाहर सुरक्षित स्थान पर भेज दिया गया है।

ईआरटी और बम स्क्वॉड की टीमों ने चप्पा-चप्पा छाना। पार्किंग स्टैंड, गार्डन और ऑफिस के कमरों की बारीकी से जांच का गई। हालांकि, कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है।

पहले भी मिल चुकी हैं धमकियां :-गौरतलब है कि इससे पहले भी 4 दिसंबर और 10 दिसंबर को अजमेर कलैक्ट्रेट और कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकियां मिली थी। जांच के बाद ये दोनों धमकियां फर्जी साबित हुई थी। पुलिस सायबर सेल अब उस आईपी एड्रेस को ट्रेस करने की कोशिश कर रही है जहां से यह मेल भेजा गया है, ताकि आरोपी को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जा सके। बार-बार मिल रही इन धमकियों के कारण प्रशासनिक कामकाज बुरी तरह प्रभावित हुआ है और कर्मचारियों में भी दहशत का माहौल है।

राजस्थान महिला निधि क्रेडिट को-ऑपरेटिव फेडरेशन लि., जयपुर

Third floor, B-Block, Udyog Bhawan, C-Scheme, Jaipur-302001

क्रमांक :- ग्रा.वि./रा.म.नि./2025-26/3470 दिनांक :- 23/12/2025

राजस्थान महिला निधि चतुर्थ वार्षिक साधारण-सभा (AGM) वर्ष-2025

राजस्थान महिला निधि क्रेडिट को–ऑपरेटिव फेडरेशन लि. जयपुर की चतुर्थ वार्षिक साधारण–सभा (AGM) का दिनांक 30.12.2025 प्रातः 11.00 बजे राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर के सभा भवन में आयोजित किया जाना प्रस्तावित है जिसकी सूचना सदस्य राजीविका महिला सर्वांगीण विकास सहकारी समितियों को उनके पंजीकृत पतों पर भिजवाई जा चुकी है। उक्त बैठक में दिनांक 31 मार्च 2025 तक के सभी सदस्य महिला सर्वांगीण विकास सहकारी समितियों के अध्यक्ष को सम्मिलित होने हेतु सार्वजनिक सूचना प्रेषित है।

राज.संवाद/सी/25/16348 मुख्य कार्यकारी अधिकारी

राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय

सेक्टर-18, कुम्भा मार्ग, प्रताप नगर, जयपुर-302033, दूरभाष: 0141-279515, 0141-2795508, 2795536, Email: registrar@ruhsraj.org, ruhsstore@gmail.com

No. :- F.6 ( ) RUHS/Store/2025-26/32374 Date :- 20/12/2025

(ई-निविदा सूचना)

राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, जयपुर में रद्दी सामग्री (प्रयुक्त उत्तरपुस्तिकाएं, प्रयुक्त लिफाफे, लोहे के बक्सों, ओ.एम.आर. शीट, अखबार इत्यादि) बिक्री (नीलामी) के लिये दरें प्राप्ति हेतु दिनांक 30.12.2025 को दोपहर 02:00 बजे तक ई– करने हेतु ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। (कुल अनुमानित लागत 60.00 लाख) निविदा से संबधित समस्त सूचना हेतु ई–निविदा प्रपत्र वेबसाईट http://sppp.raj.nic.in or www.ruhsraj.org. or http://eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। UBN No. RUH2526WSOB00020

राज.संवाद/सी/25/16325 कुलसचिव

राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद

(ग्रामीण विकास परिषद)

No. :- F.21/RD/RGAVP/KM/Social Media Agency/2025-26/12979 Dated :- 19/12/2025

Notice Inviting Bid

Bids for invite open competitive Bid (E-Bid) to Invite for Selection of Professional Social Media Agency for RGAVP are invited from interested bidders up to 29.12.2025 (time) 11.00 A.M. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state; and http://www.rajeevika.rajasthan.gov.in. The approximate value of the procurement is Rs 24,50,000. NIB:- RGA2526A0249

UBN:- RGA2526SLOB00307

Project Director (Admin) RGAVP, Jaipur

Raj.Samwad/C/25/16340

अवैध खनन के दौरान मजदूर की मौत पर परिजनों का हंगामा

आरोप है कि मिलीभगत से अवैध खनन हो रहा है

- **परिजनों ने हंगामा कर शव की सुपुर्दगी लेने से किया इंकार, समझाइश के बाद मामला शांत हुआ**

मदनगंज-किशनगढ़, (निस)। राजारेडी पहाड़ियों में अवैध खनन के दौरान हादसे में एक मजदूर की मौत हो जाने पर परिजनों ने उचित मुआवजे की मांग को लेकर हंगामे के बीच शव की सुपुर्दगी लेने से इंकार कर दिया। इनका आरोप था कि मिलीभगत से अवैध खनन हो रहा है, खनन माफिया के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मुआवजा दिलाया जाये। विधायक विकास चौधरी ने अस्पताल पहुंचकर समझाइश के जरिये मामले को शांत कराया।

जानकारी के अनुसार दो दिन पूर्व राजारेडी पहाड़ी में जोगियो का नाड़ा निवासी राजूनाथ की पत्थरों के नीचे दबने से मौत हो गई। पुलिस ने जेसीबी की मदद से काफी मशक्कत के पश्चात शव को बाहर निकालकर अस्पताल मोर्चरी में रखवाया। मजदूर को पत्थर के नीचे दबा देख खनन माफिया मौके से फरार हो गया। दूसरे दिन मृतक के परिजनों के साथ बड़ी संख्या में समाज बंधु अस्पताल में एकत्रित हो गये। तनावपूर्ण स्थिति के बीच नारेबाजी कर अपनी जायज मांग पर अड़ गये और कहा कि जब तक न्याय नहीं मिल जाता तब तक शव का पोस्टमार्टम नहीं कराया जायेगा।

इस दौरान विधायक डॉ. विकास चौधरी ने अस्पताल पहुंचकर पुलिस पर अवैध खनन कराने का आक्षेप लगाते हुए कहा कि किसकी शह पर अवैध खनन हो रहा, सब कुछ जगजाहिर है। लम्बे समय से क्षेत्रवासियों द्वारा की जा रही शिकायत के बावजूद पहाड़ियों पर अवैध खनन के कारोबार को बंद क्यों नहीं कराया।

विधायक चौधरी की मध्यस्था में उचित मुआवजा देने के अलावा नामजद आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने एवं पेंशन देने के आश्वासन के बाद मामला शांत हो सका। मदनगंज थाना पुलिस ने पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

अवैध खनन करते पांच वाहन जब्त

टोंक, (निसं)। दूनी थाना क्षेत्र में स्थित पहाड़ी क्षेत्र में अवैध चेजा पत्थरों का खनन करते हुए आठ वाहनों को जब्त कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दूनी थाना प्रभारी रतन सिंह हाड़ा ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर सरदारपुरा के पास वन क्षेत्र की पहाड़ियों में अवैध चेजा पत्थर का खनन करने वालों पर कार्रवाई करते हुए थाना पुलिस टीम ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर मौके से दो एलएनटी समेत पांच वाहन भी जब्त किए हैं। आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार किए हुए आरोपियों को कोर्ट में पेश किया जायेगा। पुलिस ने कार्रवाई के बाद आवां वन चौकी प्रभारी सत्यनारायण भील और वन रक्षक शिवराज गुर्जर को सूचना देकर बुलाया, बाद में उन्होंने कार्रवाई की सूचना वन विभाग के उच्चाधिकारियों को दी, जहां से अवैध चेजा पत्थरों के खनन और परिवहन में प्रयुक्त दो एलएनटी मशीनें, पत्थरों से भरे दो डंपर समेत पांच वाहनों को जब्त किया गया।

दुष्कर्म पीड़िता को बयान बदलने धमकी दी, दो गिरफ्तार

- **गिरफ्तार आरोपियों में पीड़िता का अपना सगा भाई भी शामिल है**

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर की कोतवाली पुलिस ने गैंगरेप पीड़िता को कोर्ट में बयान बदलने के लिए धमकाने और उसके साथ मारपीट करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। चौंकाने वाली बात यह है कि गिरफ्तार आरोपियों में पीड़िता का अपना सगा भाई भी शामिल है, जो लालच में आकर अपनी ही बहन पर दबाव बना रहा था।

जानकारी के अनुसार पीड़िता ने कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसने पूर्व में असरफ, शाहरूख, आमिर सहित नौ लोगों के खिलाफ गैंगरेप का मामला दर्ज कराया था। पुलिस उन सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है और मामला फिलहाल कोर्ट में विचाराधीन है। पीड़िता का आरोप है कि जब से कोर्ट में चालान पेश हुआ है, तभी से उसका भाई अपने साथी नवीन सबनानी और रमेश सबनानी के साथ मिलकर उस पर बयान बदलने का दबाव बना रहा है। पीड़िता ने बताया कि आरोपी उसे धमकाते हैं और उसके साथ मारपीट करते हैं ताकि वह कोर्ट में आरोपियों के पक्ष में गवाही दे दे। आरोपियों ने पीड़िता से कुछ खाली कागजों पर जबरन हस्ताक्षर भी करवा लिए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारस जैन और वृत्ताधिकारी सज्जन सिंह राठौड़ के सुपरविजन में कोतवाली थानाधिकारी शिवराज गुर्जर की टीम ने आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस टीम ने मुखबिरों और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर घेराबंदी कर दो मुख्य आरोपियों को धर दबोचा। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति (फल एवं सब्जी) जयपुर

महात्मा ज्योतिबा फूले मुख्य मण्डी प्रांगण, ई-मेल kums.jaipurfv@rajasthan.gov.in

क्रमांक :- 3915 दिनांक :- 18/12/2025

ई-निविदा सूचना

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति (फल एवं सब्जी) जयपुर द्वारा महात्मा ज्योतिबा फुले मुख्य मण्डी परिसर मुहाना तथा गौण मण्डी जनता मार्केट एवं शाहपुरा में सुरक्षा व्यवस्था कार्य हेतु निविदा संख्या 22/2025-26 हेतु सुस्थापित, अनुभवी एवं पंजीकृत फर्मों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट निविदाएं आमन्त्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण http://sppp.rajasthan.gov.in, https://eproc.rajasthan.gov.in एवं विभागीय वेबासाईट https://agriculture.rajasthan.gov.in/rsamb पर देखा जा सकता है।

UBN No. : DAM2526GLRC01084

सचिव कृ.उ.म.स. (फ.स.) जयपुर

राज.संवाद/सी/25/16351

कार्यालय नगरपालिका रामगंजमण्डी जिला–कोटा (राज0)

क्रमांक : न.पा.रा. / 2025 / 1522 दिनांक 19.12.2025

ई–निविदा सूचना 22/2025–26

नगरपालिका रामगंजमंडी द्वारा कार्यो हेतु पालिका में पंजीकृत एवं विभागों में AA,A,B, Class एवं उपयुक्त श्रेणी संवेदको से लिफाफा पद्धति / ई–निविदा पद्धति से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की निविदा बेचे जाने की दिनांक 19.12.2025 से 25.12.2025 एवं अपलोड करने की दिनांक 19.12.2025 से 25.12.2025 सांय 6 बजे तक। ई.एम. डी./ निविदा शुल्क / प्रोसेसिंग फीस प्राप्त करने की तिथि : 26.12.2025 समय प्रातः 11.00 बजे तक। तकनीकी बिड खोलने कि दिनांक 26.12.2025 को दोप. 2.00 बजे बाद रहेगी। वित्तीय बिड तकनीकी परीक्षण उपरांत खोली जावेगी। निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण http//sppp.raj.nic.in, http//eproc.rajasthan.gov.in देखी जा सकती है।

SR.NO	NIB	UBN
1	DLB2526A9316	DLB2526WSOB27845

राज.संवाद / सी / 25 / 16264 अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका रामगंजमण्डी

जेएनवीयू में 1475 पेंशनर्स को चार माह से पेंशन नहीं मिली

- **पेंशनधारक हैड ऑफिस में अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठे, कुछ दिनों पहले भी किया था प्रदर्शन**
- **पेंशनर्स ने कुलगुरु को रोका और उनसे जल्द समाधान करने की बात की, इस बीच कुलगुरु के साथ धक्का-मुक्की भी हुई**

जोधपुर, (कासं)। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय (जेएनवीयू) में 1475 पेंशनर्स को चार माह से पेंशन नहीं मिल पाई है। कुछ दिनों पहले किए गए प्रदर्शन के बाद आज एक फिर ये पेंशनधारक हैड ऑफिस में अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठ गए। पेंशनर्स ने वहां से निकल रहे कुलगुरु प्रो. पवन कुमार शर्मा को रोका और उनसे जल्द समाधान करने की बात की। इस बीच बातचीत में उग्रता होने से कुलगुरु के साथ धक्का-मुक्की भी हुई। कुलगुरु ने आरोप लगाया कि उनको गर्दन पकड़ कर गिराया गया। उनके पैर में चोट आई, जिसके बाद पुलिस को बुलाया गया। एंबुलेंस से उनको अस्पताल ले जाया गया। वहीं पुलिस दो पेंशनर्स नेताओं को पकड़कर थाने ले गई। एसीपी छवि शर्मा ने बताया कि पेंशनर्स के प्रदर्शन के दौरान कुलगुरु की धक्का-मुक्की होने से उनको चोट आई है। उनकी रिपोर्ट पर कार्रवाई की जाएगी। उपचार के लिए उनको अस्पताल भेजा गया।

घटना के बाद मौका रिपोर्ट पर जेएनवीयू पेंशनर्स सोसायटी के अध्यक्ष के अध्यक्ष रामनिवास व अशोक व्यास को भगत की कोठी थाना पुलिस अपने साथ में लेकर चली गई। दरअसल आज पेंशनर्स की बैठक थी, लेकिन वृहस्पति भवन की अनुमति नहीं मिलने पर उसके बाहर ही बैठ कर मीटिंग करने लगे। कुलगुरु प्रो. पवन कुमार शर्मा वहां से निकल रहे थे तो कुछ पेंशनर्स ने उनकी गाड़ी को सामने जाकर रोका, जिसके बाद वे नीचे उतरे थे। कुलगुरु ने बताया कि जो लोग सामने थे वे उनसे बात नहीं करना चाहते थे। बिना अनुमति व पूर्व नोटिस के वे एकत्र हुए थे। ऐसे में उन्होंने पूर्व वीसी प्रो. गंगाराम जाखड़ को इशारा कर बुलाया। इस दौरान ही दो लोगों ने उनके साथ धक्का-मुक्की की और उनको गिरा दिया था।

पेंशनर्स संघ के नेता अशोक व्यास ने मारपीट के आरोपों को नकारा है। उन्होंने कहा कि चार माह से हम पेंशन के लिए संघर्षरत हैं। हमें बैठक की अनुमति नहीं दी गई, इसीलिए हम आज यहां एकत्र हुए थे। हमारे किसी व्यक्ति ने मारपीट नहीं की। वो स्वतः ही कि वे खुद ही उलझ कर गिर गए हो।

पूर्व कुलगुरु बीएस राजपुरोहित ने कहा कि विश्वविद्यालय ने टकराव की स्थिति अपनाई है। हमें डराया जा रहा है। वृहस्पति भवन में हमें बैठक करने से मना किया गया। हमारा कार्यालय बंद कर दिया गया है। चार माह से हमें पेंशन नहीं मिली है। पूरे वित्तीय वर्ष में विश्वविद्यालय ने अपने संसाधन से एक माह की भी पेंशन नहीं दी है। पेंशन के लिए 50 करोड़ का जो लोन लिया गया, उससे ही पेंशन दी गई। कुलगुरु का दायित्व था कि वे खुद आकर बात करते। हमारे लोगों ने रोकने का प्रयास किया। इसके बाद वे खुद उतरे, हमारी तरफ से कोई दुर्व्यवहार नहीं किया गया।

रक्षा मंत्री की ओर से ख्वाजा को चादर पेश

देश में अमन, चैन और भाईचारे की दुआ मांगी

अजमेर, (कासं)। हजरत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती के 814वें उर्स के मुबारक मौके पर देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की ओर से दरगाह शरीफ में मखमली चादर और अकीदत के फूल पेश किए गए। इस दौरान देश में अमन, चैन और भाईचारे की विशेष दुआ मांगी गई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यह पवित्र चादर दिल्ली स्थित अपने सरकारी आवास पर दरगाह कमेटी के पूर्व उपाध्यक्ष और वरिष्ठ भाजपा नेता मुनव्वर खान को सौंपी थी।

मुनव्वर खान ने रक्षा मंत्री का प्रतिनिधित्व करते हुए पूरी श्रद्धा और सम्मान के साथ यह चादर अजमेर दरगाह शरीफ पहुंचाई। मुनव्वर खान ने दरगाह के खादिमों की मौजूदगी में मजार शरीफ पर रक्षा मंत्री की ओर से चादर पेश की। चादर पेश करते समय मुनव्वर खान ने रक्षा मंत्री की तरफ से देश की सरहदों की सुरक्षा, मुल्क में सुख-शांति और सांप्रदायिक सौहार्द बने रहने की दुआ मांगी। चादर पेश करने की रस्म पूरी होने के बाद, ऐतिहासिक बुलंद दरवाजे पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का भेजा गया लिखित संदेश पढ़कर सुनाया गया। अपने संदेश में रक्षा मंत्री ने ख्वाजा साहब की शिक्षाओं को मानवता के लिए प्रेरणादायक बताया और उर्स के मौके पर सभी देशवासियों को मुबारकबाद दी। इस मौके पर मुनव्वर खान के साथ भाजपा के कई स्थानीय पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी तादाद में जायरीन मौजूद रहे।

राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर

क्रमांक-संक्षिप्त वि.सं.14/Exam/A.D & SSO/Home (Gr-1)/RPSC/EP-1/2025-26 दिनांक- 23.12.2025

आयोग द्वारा राज्य विधि विज्ञान प्रयोगशाला, जपुर राजस्थान के लिए राजस्थान फोरेसिक विज्ञान सेवा नियम, 1979 के अन्तर्गत सहायक निदेशक (डीएनए खण्ड) एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (विभिन्न 05 खण्ड) के कुल 28 पदों पर भर्ती हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते है। शैक्षणिक योग्यता, आवेदन प्रक्रिया व अन्य विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी उक्त पदों हतु आयेग की वेबसाईट पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन का अवलोकन करें। उक्त पदों हेतु आयु सीमा, आवेदन अवधि व अन्य विवरण निम्नानुसार है-

आयु सीमा	दिनांक 01.01.2027 को न्यूनतम 21 वर्ष एवं अधिकतम 40 वर्ष से कम होनी चाहिये।
आवेदन अवधि	दिनांक 29.12.2025 से दिनांक 27.01.2026 रात्रि 12.00 बजे तक।
परीक्षा का स्थान व माह	परीक्षा स्थान व तिथि के संबंध में यथासमय सूचित कर दिया जायेगा।

अन्य बिन्दु व सूचना-परीक्षा से सम्बन्धित अन्य बिन्दु व सूचना के लिए आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन एवं संबंधित सेवा नियमों का अध्ययन आवश्यक रूप से कर लें। इसके अतिरिक्त उक्त परीक्षा के संबंध में समय-समय पर जारी सूचनाओं का अवलोकन आयोग की वेबसाईट https://rpsc.rajasthan.gov.in पर कर सकते है। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार के मार्ग निर्देशन/सूचना/स्पष्टीकरण हेतु राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर के परिसर में स्थित स्वागत कक्ष पर व्यक्तिगत रूप से अथवा दूरभाष सं.-0145-2635212 एवं 2635200 पर संपर्क किया जा सकता है। समस्त पत्र व्यवहार सचिव, राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर को सम्बोधित किया जाए।

DIPR/C/19056/2025 राम निवास मेहता, सचिव

कार्यालय नगर परिषद सवाई माधोपुर–राज0

क्रमांक / न.प.स.मा. / नि.शा. / 2025–26 / 13606 दिनांक: 20.12.2025

–:: ई–निविदा सूचना वर्ष 2025–26 ::–

केन्द्र एवं राज्य सरकार में उपयुक्त श्रेणी के ठेकेदारों एवं नगर पालिका / परिषद / निगम / स्वायत्त शासन विभाग के निविदाताओं से आयुक्त / अधिशाषी अभियन्ता द्वारा सम्बन्धित निविदा आमंत्रित की जाती है कार्य की अनुमानित लागत 1.96 लाख से 14.84 लाख है। टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारिख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण राजस्थान सरकार के पोर्टल Website:- www.sppp.raj.nic.in, www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

स्टेट पब्लिक प्रोक्योरमेंट का NIB Code- DLB2526A9348

UBN Code- DLB2526WSOB27952, DLB2526WSOB27958, DLB2526WSOB27959, DLB2526WSOB27961, DLB2526WSOB27962, DLB2526WSOB27964, DLB2526WSOB27965, DLB2526WSOB27966, DLB2526WSOB27968, DLB2526WSOB27971, DLB2526WSOB27972, DLB2526WSOB27974, DLB2526WSOB27975, DLB2526WSOB27978, DLB2526WSOB27980, DLB2526WSOB27981, DLB2526WSOB27982, DLB2526WSOB27983, DLB2526WSOB27984, DLB2526WSOB27985

आयुक्त नगर परिषद, सवाई माधोपुर

राज.संवाद / सी / 25 / 16304

महिला की हत्या के बाद शव बोरे में बंद कर फेंकने वाला पडौसी गिरफ्तार

पैसों के विवाद में महिला के गले और सिर पर वार कर हत्या की थी

जयपुर (कासं)। शास्त्री नगर इलाके में बोरे में बंद महिला का शव मिलने के सनसनीखेज मामले का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। पुलिस ने हत्या कर शव को बोरे में भरकर ठिकाने लगाने वाले आरोपी पडौसी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने पैसों के विवाद में महिला की नृशंस हत्या करना स्वीकार किया है।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (जयपुर उत्तर) बजरंग सिंह ने बताया मंगलवार सुबह सुभाष कॉलोनी, शास्त्रीनगर स्थित एक मकान के पोर्च में प्लास्टिक के बोरे से दुर्गंध आने पर लोगों ने पुलिस को सूचना दी थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने बोरे से महिला का शव बरामद किया। मृतका की पहचान बबीता शर्मा (50) निवासी शास्त्री नगर के रूप में हुई। शव को कंबल में लपेटकर बोरे में पैक किया गया था और चेहरे व सिर पर गंभीर चोट के निशान

■ हत्या के बाद करीब 30 घंटे तक शव को ठिकाने लगाने की कोशिश में था आरोपी

मिले थे। इसके बाद जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल के निर्देशन में गठित विशेष टीम ने त्वरित जांच करते हुए आरोपी जितेंद्र सिंह उर्फ जीतू उर्फ राहुल (36) निवासी सुभाष कॉलोनी शास्त्री नगर जयपुर को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि मृतका बबीता शर्मा उसकी परिचित थी और दोनों के बीच लंबे समय से पैसों को लेकर विवाद चल रहा था। आरोपी ने 21 दिसंबर को धारदार हथियार से महिला के गले और सिर पर वार कर हत्या कर दी। इसके बाद करीब 30 घंटे तक शव को ठिकाने लगाने की फिराक में रहा। सबूत मिटाने के लिए घर के फर्श को कई बार धोया और खून से सने कपड़े नाले में फेंक दिए। बाद में रात के समय शव को बोरे और कंबल में लपेटकर पास के मकान के खुले गेट से घसीटते हुए पोर्च में डाल दिया।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (जयपुर उत्तर) बजरंग सिंह ने बताया कि आरोपी ने मकान हाल ही में बेच दिया था। जिससे किसी को उस पर शक न हो। ऐसी योजना उसने बनाई थी। घटना के बाद वह आसपास भीड़ में शामिल होकर पुलिस की गतिविधियों पर नजर रखता रहा। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस उपायुक्त करण शर्मा ने बताया कि, मंगलवार सुबह सुभाष कॉलोनी स्थित परशुराम पार्क के पास 3 मंजिला मकान के पोर्च में प्लास्टिक के बोरे में शव मिला। यह मकान ठेकेदार सूरज प्रकाश सांवरिया का है, जहां ग्राउंड फ्लोर पर उनकी पत्नी मुन्नी देवी रहती हैं और ऊपर के दो फ्लोर पर किराएदार रहते हैं।मंगलवार सुबह पोर्च में पड़े बोरे को पहले किराएदारों का सामान समझा गया, लेकिन जांच करने पर उसमें महिला का शव मिला। मृतका की पहचान बबीता शर्मा (50) निवासी शास्त्री नगर के रूप में हुई है।

डॉग स्क्वॉड की मदद से पुलिस ने पकड़ा आरोपी

डॉग स्क्वॉड की जांच के दौरान पुलिस का श्वान वारदात स्थल से कुछ दूरी पर स्थित पडौसी के घर पहुंचा। इस आधार पर पुलिस ने पडौसी युवक जीतू को संदिग्ध मानते हुए हिरासत में लिया है। पूछताछ में सामने आया है कि जीतू ने कुछ समय पहले अपना मकान 55 लाख रुपए में बेच दिया था और वह कभी-कभी इसी इलाके में रुकने आता था।

हरियाणा से मॉर्डन ड्रग लाकर जयपुर में बेचने वाले तीन बदमाश गिरफ्तार

जयपुर । राजधानी में युवाओं को नशे की गिरफ्त में धकेलने वाले तस्करों के खिलाफ जयपुर पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत बड़ी कार्रवाई सामने आई है।

जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने मंगलवार को ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए एमडी (सिंथेटिक ड्रग) की तस्करी करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 53

■ पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 53.72 ग्राम एमडी और एक कार जब्त की

ग्राम 72 मिलीग्राम एमडी तथा तस्करी में प्रयुक्त एक कार जब्त की गई है। जब्त एमडी की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 5.50 लाख रुपए बताई जा रही है। विशेष पुलिस आयुक्त (ऑपरेशन) राहुल प्रकाश ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान तरुण सिंह निवासी सोडाला, लोकेंद्र सिंह निवासी मजदूर नगर और प्रशांत शर्मा निवासी वैशाली नगर के रूप में हुई है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि तीनों आरोपी हरियाणा से एक नाइजीरियन

जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की स्पेशल टीम ने मंगलवार को ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए सिंथेटिक ड्रग तस्करी में लिप्त तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

तस्कर हेनरी से एमडी खरीदकर जयपुर में युवाओं के बीच सप्लाई करते थे।

पुलिस के अनुसार आरोपी युवाओं को नशे का आदी बनाकर बड़े नेटवर्क के जरिए ड्रग्स की तस्करी कर रहे थे। पूछताछ में नशे के कारोबार से जुड़े कई अहम सुराग मिले हैं, जिनकी तस्दीक की जा रही है।

पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि जयपुर में इनके साथ और कौन-कौन लोग इस अवैध धंधे में शामिल थे। विशेष पुलिस आयुक्त ने बताया कि यह एक संगठित और लंबा नेटवर्क है। आरोपियों द्वारा बताए गए ठिकानों पर सीएसटी की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। पूछताछ में उन लोगों के नाम भी सामने आए हैं, जो इनसे एमडी लेकर आगे सप्लाई करने वाले थे। पुलिस का दावा है कि इस मामले में आने वाले दिनों में करीब आधा दर्जन और गिरफ्तारियां संभव हैं।

पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जयपुर में नशे की तस्करी में लिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

सरस राजसखी मेले में हस्तशिल्प के साथ लोकरंग की धूम मची

जयपुर (कासं)। "भारत - एक सूत्रधार" की थीम पर आधारित सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला-2025 इन दिनों लोगों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। मेले में देश के विभिन्न राज्यों से आए हस्तशिल्प, वस्त्र, व्यंजन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भारतीय विविधता की एक जीवंत तस्वीर पेश कर रही है।

मेले के दौरान एनआईएफ ग्लोबल जयपुर, कमला पोद्दार इंस्टीट्यूट एवं राजीविका के संयुक्त तत्वावधान में डिजिटल सशक्तीकरण और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने हेतु एक जागरूकता नाट्य प्रस्तुति भी दी गई। इस प्रस्तुति से यह संदेश दिया गया कि कॉन्फिडेंट कम्युनिकेशन और प्रभावी प्रेज़ेंटेशन से ग्राहक जुड़ाव बेहतर होता है, वहीं ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम और कैशलेस लेन-देन आज के डिजिटल युग में व्यवसाय की आवश्यकता बन चुके हैं। मेले में मंगलवार को टेक्सटाइल सेक्शन में खास तौर पर महिलाओं की भारी भीड़ देखने को मिली। पंजाब, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, हिमाचल प्रदेश सहित

सरस राजसखी मेले में मंगलवार को लोक कलाकारों ने प्रस्तुतियां दी।

कई राज्यों से आए पारंपरिक वस्त्र अपनी विशिष्ट पहचान और आकर्षक बनावट के कारण खासे लोकप्रिय हो रहे हैं। रंग-बिरंगे परिधान, बारीक हस्तनिर्मित डिज़ाइन, पारंपरिक कढ़ाई और क्षेत्रीय कला की झलक ने खरीदारों को अपनी ओर आकर्षित किया है। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के दौरान कलाकारों द्वारा प्रस्तुत राजस्थानी लोक नृत्य और मधुर मांड गायन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं बिहार के पारंपरिक लोक नृत्य-जजिया और जाट-जतिन-की जीवंत और भावपूर्ण प्रस्तुतियों ने माहौल को और भी उत्साहपूर्ण बना दिया। दर्शकगण तालियों की गड़गड़ाहट के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन करते नजर आए और पूरा परिसर उत्सवधर्मी वातावरण में दिखा।

डिजिटल तकनीकों से विद्युत सेवाओं को सुगम बनाएं : नागर

जयपुर (कासं)। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि भजनलाल सरकार की नीतियों से प्रदेश का ऊर्जा क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ा है। सरकार का प्रयास है कि डिजिटल तकनीक के माध्यम से प्रदेश के ऊर्जा ढांचे को मजबूत तथा आमजन से जुड़ी विद्युत सेवाओं को सुगम बनाया जाए। नागर कॉंस्टीट्यूशन क्लब में राजस्थान पावर सेक्टर डिजिटल कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने से बिजली की मांग और इस क्षेत्र की अहमियत भी बढ़ी है। इसे देखते हुए विद्युत निगमों तथा उनके आधारभूत ढांचे को मजबूत करना बेहद आवश्यक है। ऊर्जा विभाग के प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा ने कहा कि पावर सेक्टर में डेटा एनालिसिस की महत्वपूर्ण भूमिका है। हर क्षेत्र में तकनीक का उपयोग बढ़ा है। इसे देखते हुए प्रदेश के गांव-ढाणी में फैली लाखों किलोमीटर लंबी विद्युत लाइनों, ट्रांसफार्मरों तथा हजारों ग्रिड सब स्टेशनों में फैले डिस्ट्रिब्यूशन एवं ट्रांसमिशन नेटवर्क को भी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाना जरूरी है। इससे आमजन तक

विद्युत सेवाओं को अधिक सुगमता से पहुंचाया जाना संभव होगा। प्रदेश में ईआरपी, डिस्कॉम्स के असेट्स की जीआईएस आधारित मैपिंग, पावर ट्रांसफार्मर्स की हैल्थ आधारित मॉनीटरिंग सिस्टम विकसित करने, साइबर सुरक्षा, सिक्योरिटी ऑपरेशन सिस्टम, नेटवर्क ऑपरेशन सिस्टम आदि से जुड़े 700 करोड़ रु. के काम हाथ में लिए जाएंगे।

इस अवसर पर उत्पादन निगम के सीएमडी देवेन्द्र श्रृंगी तथा ऊर्जा विभाग के संयुक्त शासन सचिव सौरभ स्वामी भी मौजूद थे। कॉन्क्लेव में पावर सेक्टर को आईटी आधारित सॉल्यूशन प्रदान करने वाली नामी कंपनियों के प्रतिनिधि सम्मिलित हुए।

"नाम्पूला" में 800 विकलांगों को लगाए जाएंगे जयपुर फुट

जयपुर। अफ्रीकी देश मोजम्बिक के दूसरे बडे शहर नाम्पूला में निजी सहभागिता से 800 विकलांगों को जयपुर फुट लगाकर चलने-फिरने योग्य बनाया जाएगा। भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के सहयोग से जयपुर, थाईलैण्ड, हॉंगकॉंग और केन्या तथा मोजम्बिक की कुल 7 कम्पनियों ने स्वर्गीय प्रदीप मेहता की स्मृति में 60 दिवसीय इस शिविर का आयोजन किया है। नाम्पूला के सेन्ट्रल हॉस्पिटल में चल रहे इस शिविर के लिए सुधीर कोठारी व केन्या तथा मोजम्बिक के व्यवसायी अनुराग जैन के प्रयासों से जयपुर की जैम इण्डिया एक्सपोर्टस, हॉंगकॉंग की आरभवा एण्ड पी.टी. कलैक्शन्स लि., कीन जेड लि. तथा कोठारी ट्रेडिंग लि. तथा अनुराग जैन की मोजम्बिक की दो कम्पनियॉं एग्रीनोर मोज लि.व मरकाडो ओ.जे.एम. की कम्पनियों के सहयोग मिलाा। नाम्पूला की म्यूनिसिपल परिषद के अध्यक्ष लुई ग्वीकीरा ने सुधीर कोठारी और अनुराग जैन, प्रकाश भण्डारी के नेतृत्व में आई टीम का दोपहर भोज में सम्मान किया।

सार-समाचार

'नखराली नार' कार्यक्रम में बिखरे लोकरंग

जयपुर। गणगौर महिला ग्रुप की ओर से आयोजित "नखराली नार" कार्यक्रम में राजस्थान की रंग-बिरंगी लोक संस्कृति साकार हो उठी। ग्रुप फाउंडर और डायरेक्टर सुशीला भारती ने बताया कि इस कार्यक्रम में सभी महिलाएं राजस्थानी रंग बिरंगे परिधान और ज्वैलरी में सज-धज कर आई। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण चरी नृत्य रहा जिसमें किरण मौर्य ने पहला और इति कुमावत ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। विशिष्ट अतिथि मीना श्रीवास्तव ने ट्रॉफी और पुरुस्कार देकर विजेताओं को सम्मानित किया। इस मौके पर रैंप वॉक भी आयोजित किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के छः वर्ष पूरे होने पर सभी महिलाओं ने केक काटकर उत्सव मनाया। कार्यक्रम में शामिल सभी महिलाओं ने राजस्थानी लोक गीतों पर ग्रुप डांस करके धमाल किया।

विद्यार्थियों को स्वेटर-जुराब व जूते बांटे

जयपुर । राजस्थान पेंशनर समाज, उप शाखा मालवीय नगर जयपुर ने अपने सामाजिक सरोकारों के तहत मंगलवार को द्वितीय चरण में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय दहलावास, प्रताप नगर सांगानेर में 160 स्वेटर एवं 160 जुराब का वितरण प्रधानाचार्य रामफूल राछोया के निर्देशन में किया। इस अवसर पर संरक्षक सतीश गुप्ता द्वारा 100 बच्चों को जूते और स्कूल के लिए 10 दरिया भी भेंट की गई। इससे पूर्व स्कूल स्टाफ तथा छात्रों द्वारा पेंशनर समाज के सदस्यों का तिलक लगा कर एवं माला पहना कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में पेंशनर समाज के पदाधिकारी और कार्यकारिणी के सदस्य भी मौजूद थे। संस्था के उप सचिव बाबूलाल गुप्ता ने बताया कि पेंशनर समाज उप शाखा मालवीय नगर द्वारा पिछले 15 वर्ष से जरूरतमन्द स्कूली बच्चों को स्वेटर, जुराब आदि वितरित किये जा रहे है। पहले चरण में सोमवार को 192 स्वेटर और जुराब आदि वितरित किये गए थे।

"सफ़र-ए-शहादत वॉक" 25 को

जयपुर (कासं)। जयपुर की सुखमनी सेवा सोसायटी बनी पार्क द्वारा साहिबजादों की लसानी शहादत को समर्पित सफ़र-ए-शहादत वॉक 25 दिसंबर को आयोजित की जायेगी। यह आयोजन गुरुद्वारा चौड़ा रास्ता प्रबंधक और गुरुद्वारा चांदी की टकसाल प्रबंधक कमेटी के सहयोग से किया जा रहा है। वॉक गुरुद्वारा श्री गुरु नानक देव सत्संग सभा, चौड़ा रास्ता से सुबह 9 बजे आरंभ होकर 11 बजे गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सत्संग सभा, चांदी की टकसाल में सम्पन्न होगी। जहां यात्रा का भव्य स्वागत किया जाएगा। सोसायटी के सचिव, सूर्य उदय सिंह ने बताया कि इस वॉक में लगभग 40-50 बच्चे सिख वेशभूषा में सम्मिलित होंगे। तख्तियां और बैनर के साथ साहिबजादों की शहादत और सिख मर्यादा का जीवंत संदेश देंगे। वॉक के दौरान शहीदी का संदेश देते हुए मोबाइल होर्डिंग भी साथ चलेगी। इसके साथ ही, अमृतसर की अमितोज गतका अकैडमी के बच्चों द्वारा गतके के रोमांचक करतब प्रस्तुत किए जाएंगे। इस प्रस्तुति के माध्यम से सिख वीरता और शौर्य की गौरवशाली परंपरा पर प्रकाश डाला जाएगा।

किसान अधिकार-सशक्तिकरण पर मंथन

जयपुर । भारत रत्न से सम्मानित, किसान मसीहा एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह की 123वीं जयंती पर राष्ट्रीय किसान दिवस समारोह आयोजित हुआ। राष्ट्रीय लोकदल की ओर से यह कार्यक्रम जयपुर के पिंकसिटी प्रेस क्लब में किया गया। समारोह अध्यक्षता राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष जोगिंदर सिंह अवाना ने की। समारोह में किसानों के अधिकार, सम्मान एवं सशक्तिकरण को लेकर सार्थक, सकारात्मक एवं विचारोत्तेजक संवाद हुआ। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) त्रिलोक त्यागी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी एवं भामाशाह विजय पूनिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में मुख्य अतिथि त्रिलोक त्यागी ने भारत रत्न स्व. चौधरी चरण सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष जोगिंदर सिंह अवाना सहित प्रदेश पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। त्यागी ने कहा कि, आरएलडी प्रदेश के सभी जिलों में स्व. चौधरी चरण सिंह के विचारों पर संगोष्ठी कराएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने व्यक्तियों के नाम पर बनाए राजस्व गांव रद्द किए

जयपुर (कासं)। सुप्रीम कोर्ट ने बाड़मेर जिले के दो राजस्व गांवों के नाम भूमि दान करने वालों के नाम पर रखने वाली अधिसूचना को रद्द कर दिया है। अदालत ने कहा कि यह अधिसूचना राज्य सरकार के 20 अगस्त, 2009 के परिपत्र के खिलाफ है। यह परिपत्र किसी व्यक्ति, जाति, धर्म या समुदाय के नाम पर राजस्व गांव के नामकरण पर रोक लगाती है। जस्टिस पीवी संजय कुमार और जस्टिस आलोक अराधे की खंडपीठ ने यह आदेश भीखा राम की याचिका पर दिए।

मामले के अनुसार राज्य सरकार ने 31 दिसंबर, 2020 को एक अधिसूचना जारी कर कई राजस्व गांव बनाए थे। इसमें बाड़मेर जिले के सोहदा गांव की मेघवालों की ढाणी से अलग किए अमरगढ़ और सगतसर गांव भी शामिल थे। अधिसूचना से पहले तहसीलदार ने प्रमाणित किया था कि सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं और प्रस्तावित गांव किसी व्यक्ति, धर्म या जाति आदि से जुडे नहीं है। वहीं बाद में सीमांकन के दौरान कुछ ग्रामीणों ने यह आपत्ति दर्ज कराई कि अमरगढ़ और सगतसर नाम भूमि दान करने वाले अमरराम और सगत सिंह के नाम पर लिए गए हैं। इसके बाद 2020 की अधिसूचना को हाईकोर्ट की एकलपीठ में चुनौती दी गई।

हाईकोर्ट की एकलपीठ ने माना की दोनों गांवों के नामांकरण में साल 2009 के परिपत्र की अवहेलना की गई है। इसके साथ ही एकलपीठ ने अधिसूचना को रद्द कर दिया।

इसके खिलाफ पेश अपील पर खंडपीठ ने एकलपीठ का आदेश रद्द कर दिया। इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील पेश की गई। जिस पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट की खंडपीठ के आदेश को रद्द कर दिया।

उडीसा, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की खनन कार्यप्रणाली और सर्वोत्तम प्रथाओं का अध्ययन करेंगे प्रदेश के अफसर

नियम-प्रक्रियाओं, अनुमतियों, अवैध खनन पर कार्रवाई और राजस्व वृद्धि का होगा अध्ययन

जयपुर (कासं)। राज्य सरकार ने उडीसा, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की खनन क्षेत्र की कार्यप्रणाली और सर्वोत्तम प्रथाओं (बेस्ट प्रेक्टिसेज) का अध्ययन कराने का निर्णय लिया है। खान, भूविज्ञान एवं पेट्रोलियम विभाग के प्रमुख सचिव टी. रविकांत ने बताया कि खान व भूविज्ञान विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के तीन अलग अलग दल तीनों प्रदेशों में अध्ययन के लिए भिजवाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह दल तीनों राज्यों में तकनीक का उपयोग, राजस्व वृद्धि और नियमों का अध्ययन कर राज्य सरकार को रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

प्रमुख सचिव टी. रविकान्त ने बताया कि तीनों दल इन राज्यों के खनन रियायती नियमों, परिपत्रों, चारागाह व अन्य प्रतिबंधित क्षेत्रों में खनन की अनुमतियों, पर्यावरण पूर्वानुमतियों आदि की प्रक्रियाओं व समय सीमा, अवैध खनन निगर्मन की रोकथाम के प्रावधानों,

प्रमुख सचिव टी. रविकांत ने खनन अधिकारियों की बैठक ली।

तकनीक के उपयोग के साथ ही राजस्व प्राप्ति की प्रक्रियाओं का अध्ययन करेगी। उन्होंने बताया कि अध्ययन दल को इन राज्यों की खनन क्षेत्र की बेस्ट प्रेक्टिसेज का भी अध्ययन करने के निर्देश दिए गए हैं। यह दल प्रदेश के संदर्भ में अध्ययन रिपोर्ट राज्य सरकार को प्रस्तुत करेंगे।

राज्य सरकार द्वारा तीनों राज्यों को भेजे जाने वाले दल में अधीक्षण खनि अभियंता स्तर के अधिकारी के साथ ही खनि अभियंता, वरिष्ठ भूवैज्ञानिक और लेखा सेवा के अधिकारी का शामिल किया गया है।

उडीसा के दल में अधीक्षण खनिज अभियंता उदयपुर शिव प्रकाश शर्मा, खनिज अभियंता नागौर जेपी गोदारा, वरिष्ठ भूवैज्ञानिक सुशील कुमार और एएओ राजेश गर्ग को शामिल किया गया है। मध्यप्रदेश के दल में अधीक्षण खनि अभियंता डीपी गौड़, खनिज अभियंता

■ माइनिंग, भूवैज्ञानिक व लेखा अधिकारी इन टीमों में शामिल, प्राप्त रिपोर्ट का राज्य सरकार स्तर पर होगा परीक्षण

बिजौलिया प्रवीण अग्रवाल, वरिष्ठ भूवैज्ञानिक महेश शर्मा और एएओ जयपुर पवन शर्मा की टीम बनाई गई है। इसी तरह से छतीसगढ़ के दल में अधीक्षण खनिज अभियंता भीलवाड़ा ओपी कावरा, सहायक खनि अभियंता अलवर पुष्पेन्द्र जोधा, वरिष्ठ भूवैज्ञानिक अमिताभ जगावत और एएओ भीलवाड़ा संजय लोहिया को शामिल किया गया है।

अधिकारियों की टीम उडीसा और मध्यप्रदेश के लिए रवाना हो गई है, वहीं छत्तीसगढ़ जाने वाली टीम जनवरी के पहले सप्ताह में रवाना होगी।

देवनानी की पुस्तक "सनातन संस्कृति की अटल दृष्टि" का विमोचन

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने किया पुस्तक का लोकार्पण

जयपुर (कासं)। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी द्वारा लिखित पुस्तक "सनातन संस्कृति की अटल दृष्टि" का लोकार्पण मंगलवार को उपराष्ट्रपति उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आम्बेकर, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के अध्यक्ष मिलिंद मराठे उपराष्ट्रपति के सचिव अमित खरे ने किया।

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा कि आज का भारत, विश्व में सबसे अधिक शक्तिशाली और सबसे अधिक संभावनाशील राष्ट्र बनकर उभर रहा है। भारत माता के चरणों में नमन करते हुए सनातन संस्कृति की अटल दृष्टि जैसी पुस्तक का लोकार्पण करना अत्यंत भावुक और गौरवपूर्ण क्षण है। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन और विचारों पर आधारित यह कृति सही समय पर आई है, क्योंकि देश अटलजी की जन्म शताब्दी के अवसर की ओर अग्रसर है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि अटलजी के शासनकाल में आधारभूत संरचना, मेट्रो रेल, राष्ट्रीय राजमार्ग और परमाणु शक्ति के क्षेत्र में जो नींव रखी गई, वही आज

उपराष्ट्रपति सी.पी.राधाकृष्णन और केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने नई दिल्ली में राजस्थान विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पुस्तक का लोकार्पण किया।

विकसित भारत की मजबूत आधारशिला है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सनातन संस्कृति, हिंदू संस्कृति और भारतीय संस्कृति पर पिछले दशकों में जो भ्रांतियां फैलाई गईं, उन्हें दूर करना आवश्यक है। ये शब्द परस्पर विरोधाभासी नहीं हैं, बल्कि एक ही भाव के द्योतक हैं। गडकरी ने स्वामी विवेकानंद के शिकागो भाषण का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति का मूल संदेश सर्वधर्म समभाव और विश्व कल्याण है।

उन्होंने अटल बिहारी वाजपेयी के उदाहरण देते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति कभी

■ भारत माता के चरणों में नमन के साथ अटलजी पर आधारित पुस्तक का लोकार्पण भावुक क्षण : सी.पी. राधाकृष्णन

■ सनातन, हिंदू और भारतीय संस्कृति एक ही चेतना के विभिन्न नाम : नितिन गडकरी

संकुचित, सांप्रदायिक या जातिवादी नहीं रही, बल्कि न्याय, समभाव और सभी के साथ समान व्यवहार की पक्षधर रही है। उन्होंने सेकुलर शब्द के वास्तविक अर्थ सर्वधर्म समभाव को समझने पर भी बल दिया। गडकरी ने कहा कि अटल जी के जीवन और विचारों को केंद्र में रखकर इस पुस्तक के माध्यम से सकारात्मक और प्रामाणिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करने का जो प्रयास वासुदेव देवनानी ने किया है, वह अत्यंत सराहनीय है।

वासुदेव देवनानी ने कहा कि यह पुस्तक भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन, विचार और कृतित्व को सनातन संस्कृति के शाश्वत मूल्यों के आलोक में समझने का एक विनम्र प्रयास है। अटलजी का संपूर्ण जीवन संघ के संस्कारों, राष्ट्रप्रथम की भावना, संसदीय मर्यादाओं और सुशासन की अद्वितीय मिसाल रहा है।

एक प्रचारक से प्रधानमंत्री तक की अटलजी की यात्रा इस बात का प्रमाण है कि सनातन संस्कृति के मूल्य व्यक्ति को राष्ट्रसेवा के सर्वोच्च शिखर तक पहुंचा सकते हैं। उनकी कविताएं, संसद में ओजस्वी भाषण, आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा, संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी में दिया गया ऐतिहासिक भाषण तथा परमाणु परीक्षण जैसे निर्णय भारत की आत्मविश्वासी चेतना के प्रतीक हैं। उन्होंने बताया कि 12 अध्यायों और 146 पृष्ठों में समाहित इस पुस्तक में अटलजी के व्यक्तित्व के विविध आयामों संघ से वैचारिक निकटता, संसदीय परंपराओं में आस्था, विदेश नीति, सांस्कृतिक चेतना तथा राष्ट्रनिर्माण में उनके योगदान को विस्तार से प्रस्तुत किया गया है।

समारोह का संचालन प्रभात प्रकाशन के निदेशक प्रभात कुमार ने किया। प्रभात प्रकाशन के निदेशक पीयूष कुमार ने उपराष्ट्रपति और सभी मंचासीन अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट किए।

बडक़ालेश्वर मंदिर से निकलेगी कलश यात्रा

अजमेर,(कासं)। सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के तहत 25 दिसंबर को सुबह 8:15 बजे सागरविहार कॉलोनी स्थित बडक़ालेश्वर मंदिर से कलश यात्रा निकाली जाएगी। प्रवक्ता आभा गांधी ने बताया कि वैशालीनगर स्थित सर्वधर्म मंदिर परिसर में 25 से 31 दिसंबर तक होने वाली भागवत कथा में आचार्य आमोद कृष्णशरण दाधीच द्वारा कथा वाचन किया जाएगा।

सांसद खेल महोत्सव जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं का शुभारंभ

■ सांसद खेल प्रतियोगिता में 16 विभिन्न खेलों में 2500 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया

अजमेर, (कासं)। सांसद खेल महोत्सव राष्ट्रीय कार्यक्रम 2025 के तहत अजमेर में आयोजित जिला स्तरीय खेल महोत्सव के अंतर्गत मंगलवार को शहर के दो प्रमुख खेल स्थलों पटेल स्टेडियम और चंदवरदाई स्टेडियम पर अलग-अलग खेलकूद प्रतियोगिताओं के शुभारंभ समारोह आयोजित किए गए। इन आयोजनों में मुख्य अतिथि देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओम प्रकाश भडाना, भाजपा जिलाध्यक्ष जीतमल प्रजापत, भाजपा नेता सुभाष चौधरी ने भाग लेकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। सांसद खेल प्रतियोगिता में 16 विभिन्न खेलों में 2500 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया। शुभारंभ अवसर पर सुभाष चौधरी ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का निरीक्षण किया तथा कुछ खेलों में स्वयं भी हाथ आजमाकर खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का खेलों के प्रति विशेष लगाव और खेलों को बढ़ावा देने की नीति आज जमीनी स्तर पर परिणाम दे रही है। सांसद खेल महोत्सव ठाामीण एवं वंचित क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को आगे लाने का एक सशक्त मंच बनकर उभरा है।

वंचित खिलाड़ियों को मिल रहा बेहतरीन प्लेटफार्म : भाजपा नेता सुभाष चौधरी ने कहा कि ब्लॉक स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी आज जिला स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखा रहे हैं और यहां से उत्कृष्ट खिलाड़ी आगे चलकर प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचकर देश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने खिलाड़ियों से अनुशासन, मेहनत और खेल भावना के साथ आगे बढ़ने का आव्हान करते हुए कहा कि सांसद खेल महोत्सव के तहत आयोजित ये जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं युवाओं को सकारात्मक दिशा देने, खेल संस्कृति को मजबूत करने और प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान कर रही हैं। शुभारंभ कार्यक्रम में जिलापरिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रामप्रकाश के नेतृत्व में प्रशासन की टीम ने बेहतरीन ढंग से कार्यक्रम को आयोजित किया, कार्यक्रम में नगर निगम उपमहापौर नीरज जैन, सुरेन्द्र सिंह शेखावत, सांसद खेल महोत्सव के संयोजक देवेंद्र सिंह शेखावत विक्रम सिंह, वेदप्रकाश दाधीच,अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी शिवदान सिंह सहित जिला परिषद शिक्षा विभाग के अधिकरी, खेल आयोजक, खिलाड़ी एवं खेल प्रेमी नागरिक मौजूद रहे।

मार्बल सिटी में नगरीय भूमि नियमन के संस्करण का विमोचन

■ केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने नगरीय भूमि नियमन के 9वें संकलन संस्करण 2025 का विमोचन किया

■ आमजन को नगरीय निकायों को सशक्त बनाने के साथ आमजन को नये नियमों के बारे में जानकारी उपलब्ध कराने के उदेश्य को लेकर पुस्तक प्रकाशित की

मदनगंज-किशनगढ़,(निस)। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने होटल कुमकुम में नगरीय भूमि नियमन के 9वें संकलन संस्करण 2025 का विमोचन समारोह पूर्वक किया। संपादक व पूर्व सहायक नगर नियोजन बच्चूसिंह चौधरी ने नगरीय निकायों के लिए नया नियम की पुस्तक को जारी कर कहा की आमजन को नगरीय निकायों को सशक्त बनाने के साथ आमजन को नये नियमों के बारे में जानकारी उपलब्ध कराने के उदेश्य को लेकर पुस्तक प्रकाशित की। संकलन कुल तीन भागों में विभाजित है, जिसमें भूमि निष्पादन नियम 1974, भवन विनियम 2025 और प्रशासन शहरों के संग अभियान से जुड़े महत्वपूर्ण आदेशों को शामिल किया है। प्रथम भाग में 752 पृष्ठ, दूसरे में 313 सहित तीसरे भाग में 413 पृष्ठों का विस्तृत समावेश है, जो शहरी विकास के नियमों को एक ही जगह उपलब्ध कराएगा। इसमें टाउनशिप पॉलिसी 2024, अफोर्डेबल हाउसिंग और मुख्यमंत्री जन आवास योजना जैसी प्रमुख योजनाओं के दिशा-निर्देश संकलित किये है। समारोह में पूर्व विधायक नाथूराम सिनोदिया, अजमेर पूर्व महापौर कमल बाकोलिया, मानव अधिकार आयोग पूर्व अध्यक्ष एच आर कुडी, स्वास्थ्य शासन विभाग पूर्व निदेशक महावीर सिंह, पूर्व आईएएस सीमा सिंह, पूर्व मुख्य नगर नियोजक एच एस संचेती, नगर परिषद आयुक्त सीता वर्मा, पार्षद तक्की मोहम्मद, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी रामप्रसाद चौधरी सहित जनप्रतिनिधि व गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। संचालन नीलम चौधरी ने किया। संपादक बच्चूसिंह चौधरी ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रपत्र संख्या **(देखिये नियम 21)** **राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18(2) के अधीन नोटिस** **कार्यालय सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग,अजमेर** **समस्त संबंधित व्यक्तियों को** मुकदमा नम्बर: DEV/AJMER/TRUST/2025/541 चूंकि प्रार्थी श्री Shiv Singh Rajput, Plot No. 128A/10, Civil Lines, Ajmer Rajasthan 305001 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास सारथी मानव कुष्ठशाम चैरिटेबल ट्रस्ट, 1916-AA,Gali No.1, New Kayastha Colony, Ajmer,305001,Rajasthan के संबंध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है। अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से सात दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के संबंध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा। आज दिनांक 19.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया ।आइदा तारीख पेशी 23/03/2026 -सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, अजमेर

आम सूचना

मेरी दादीजी लाडा पत्नि हरदेव जाति भील निवासी ग्राम अलमास की मृत्यु दिनांक 5/1/1988 को मेरे निवास स्थान पर ग्राम अलमास में हो गई थी। जिसका पूर्व में इन्द्राज ग्राम पंचायत देवपुरी में नहीं करवाया था। अब मैं मेरी दादी लाडा भील का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए अरांई तहसील कार्यालय में आवेदन किया है। मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने बाबत जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो 7 दिन में मय दस्तावेज के साथ अरांई तहसीलदार के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। बाद मियाद कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।- प्रार्थी श्योजी पुत्र छोटू भील, ग्राम अलमास तहसील अरांई, अजमेर

आम सूचना

मेरी दादीजी छग्गू पत्नि हीरा जाति भील निवासी ग्राम अलमास की मृत्यु दिनांक 11/03/1991 को मेरे निवास स्थान पर ग्राम अलमास में हो गई थी। जिसका पूर्व में इन्द्राज ग्राम पंचायत देवपुरी में नहीं करवाया था। अब मैं मेरी दादीजी छग्गू भील का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए अरांई तहसील कार्यालय में आवेदन किया है। मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने बाबत जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो 7 दिन में मय दस्तावेज के साथ अरांई तहसीलदार के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। बाद मियाद कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।- प्रार्थी श्योजी पुत्र छोटू भील, ग्राम अलमास तहसील अरांई, अजमेर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक: न.नि.अ/राज/क.ब./2025-26/110 आपत्ति सूचना दिनांक-2/12/2025

श्रीमति सीता देवी पत्नि श्री प्रताप सिंह निवासी-घूघरा घाटी,अजमेर द्वारा प्रस्तावित स्थल घूघरा घाटी, अजमेर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 97.50 वर्गगज/वर्गमीटर है का नगर निगम अजमेर में कच्ची बस्ती/राजकीय भूमि नियमन के तहत आवेदन प्रस्तुत किया है। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाऐं निम्नानुसार हैं।

पूर्व- बनवारी शर्मा का मकान उत्तर - दिलीप सिंह का मकान
पश्चिम - ज्ञान सिंह का मकान दक्षिण - आम रास्ता

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि किसी भी व्यक्ति/संस्था के पास आवेदक द्वारा किये गये पट्टे के आवेदन के संबंध में कोई आक्षेप/आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 03 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत कर सकता है।उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी भी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा की किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आक्षेप/आपत्ति नहीं है। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। -उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक: न.नि.अ/राज/क.ब./2025-26/217 आपत्ति सूचना दिनांक-18/12/2025

श्री इजहार मोहम्मद पुत्र श्री इश्तियाक अहमद, निवासी-1198 पृथ्वीराजपुरी, आदर्श नगर,अजमेर द्वारा प्रस्तावित स्थल 1198 पृथ्वीराजपुरी, आदर्श नगर, अजमेर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 111.11 वर्गगज/वर्गमीटर है का नगर निगम अजमेर में कच्ची बस्ती/राजकीय भूमि नियमन के तहत आवेदन प्रस्तुत किया है।प्रस्तावित भू-भाग की सीमाऐं निम्नानुसार हैं।

पूर्व- श्रीमति मदिना का भूखण्ड उत्तर - पहाड़ी भूमि
पश्चिम - कन्हैया जी का मकान दक्षिण - आम रास्ता

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि किसी भी व्यक्ति/संस्था के पास आवेदक द्वारा किये गये पट्टे के आवेदन के संबंध में कोई आक्षेप/आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 03 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत कर सकता है।उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी भी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा की किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आक्षेप/आपत्ति नहीं है। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। -उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य लीला राम पुत्र श्री भैरू बक्स जाति हरिजन निवासी रोहिणा के नाम से नगर परिषद नागौर द्वारा राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 1959 की सं. 38 की धारा 80क के अन्तर्गत कृषि भूमि का आवासीय प्रयोजनार्थ हेतु भूमि रूपान्तरण का पट्टा दिनांक 30/11/2012 को आवंटन पत्रावली सं. 214/2010-11 का खसरा नं. 46,49 रकबा 15 बीघा 06 बिस्वा वाके मानासर नागौर में से प्लाट नं. 82 जिसका नाप 1250 वर्गफुट का जारी किया हुआ है। उक्त पट्टा उपपंजीयक नागौर के यहां पुस्तक सं. 01 जिल्द सं. 163 में पृष्ठ सं. 40 क्रम सं. 2010010032 पर पंजीबद्ध तथा अतिरिक्त पृष्ठ संख्या 01 जिल्द सं. 1713 के पृष्ठ सं. 416 से 423 पर दिनांक 14/12/2010 को चस्पा किया गया है। उक्त पट्टा दिनांक 15/12/2025 को कस्बा डीडवाना में चुंगी चौकी से डीडवाना बस स्टैंड के मध्य रास्ते में कहीं गिर कर कहीं गुम हो गया है जिससे आम जन को सूचित किया जाता है कि उक्त पट्टा किसी भी व्यक्ति को पाया जाता है मेरे अभिभाष्य को सुपुर्द कर देंवे। -मो. रफीक एडवोकेट, राज. उच्च न्यायालय जोधपुर, कचहरी परिसर डीडवाना,मो.9983484582

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आवंटी / अन्तरिति की मृत्यु पर उत्तराधिकारियों के पक्ष में संयुक्त नामांतरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

-आम सूचना-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की ज्ञान विहार कोटड़ा योजना के आवासीय/भूखण्ड संख्या (2) 76 क्षेत्रफल 193.33 वर्गगज के आवंटी/अन्तरिति (1) राजेन्द्र चेलानी (2) ललित चेलानी पुत्रगण वासुदेव उर्फ वासुमल निवासी 1331/25 संत कंवर राम स्कूल के पास आशा गंज अजमेर जिसमें (2) ललित चेलानी की मृत्यु दिनांक 20/8/21 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र व सजरा रिपोर्ट सलंग्न कर मृतक के वारिसों क्रमशः (1) राजेन्द्र चेलानी पुत्र वासुदेव उर्फ वासुमल ज्ञान विहार अजमेर (2) श्रीमती लता चेलानी पत्नि स्व. ललित चेलानी (3) विनीत चेलानी पुत्र स्व. ललित चेलानी (4) जियांश चेलानी नाबालिग पुत्र स्व. ललित चेलानी निवासी 211/2 पंचोली चौराहा रामनगर अजमेर द्वारा नामान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।उक्त नामांतरण किये जाने के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावे उक्त नियत अवधि पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी व आवेदकों के नाम नामांतरण की कार्यवाही की जा सकेगी। - योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आवंटी / अन्तरिति की मृत्यु पर उत्तराधिकारियों के पक्ष में संयुक्त नामांतरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

-आम सूचना-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की लोहागल गैर योजना के आवासीय भूखण्ड संख्या 8 व 9 क्षेत्रफल 275 वर्ग गज के आवंटी/अन्तरिति भंवराराम चौधरी पुत्र स्व. मूलाराम चौधरी निवासी-367, गली नंबर 4, लोहागल नई बस्ती, अजमेर की मृत्यु दिनांक 08-11-2017 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र व सजरा रिपोर्ट संलग्न कर मृतक के वारिसों क्रमशः (1) प्रमोद चौधरी पुत्र स्व0 भंवराराम निवासी-2/242, बी ब्लॉक, ज्ञान मार्ग, पंचशील, अजमेर (2) श्रीमती मंजु चौधरी पत्नि स्व0 विनोद चौधरी (3) कुमारी कनिका चौधरी पुत्री स्व0 विनोद चौधरी (4) मयंक चौधरी पुत्र स्व0 विनोद चौधरी निवासी-312 व 313, गुरू जमेश्वर नगर, ईदगाह रोड़, वैशाली नगर, अजमेर द्वारा नामांतरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त नामांतरण किये जाने के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावे उक्त नियत अवधि पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी व आवेदकों के नाम नामांतरण की कार्यवाही की जा सकेगी। - योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राज0

क्रमांक- न.पा.बि./निमार्ण स्वी/2025/3632 आम सूचना दिनांक:25-9-2025

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि निम्नांकित मकान निर्माण हेतु निम्न भवन निर्माण पत्रावली प्राप्त हुई है, अगर किसी को आपति/उज्ज हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में मय सबूत के अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपति प्रस्तुत कर सकते है, बाद मियाद गुजरने पर कोई उज/आपति मान्य नहीं होगी।

भवन निर्माण

फाईल नं.	आवेदक नाम	भूखण्ड का विवरण	भूखण्ड का नाप	प्रयोजनार्थ
104	श्री राम कुम्हार पुत्र बाबूलाल कुम्हार	गांधीनगर आवासीय योजना बिजयनगर भू.सं. बी-166 भू.सं.	41.80 SQ.MTR	आवासीय

- अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल, अजमेर

क्रमांक : 1864 जाहिर आम सूचना दिनांक-23.12.25

राजस्थान आवासन मण्डल आवास संख्या 2-ख-4, आनासागर सरक्यूलर रोड अजमेर क्षेत्रफल 32.00 व.मी. मूल आवंटी श्रीमती सावित्री देवी पत्नि श्री रामचन्द को आवंटित कर 09.03.1980 को मकान का भौतिक कब्जा सौंपा गया था। श्रीमती सावित्री देवी पत्नि श्री रामचन्द द्वारा जरिये इकरारनामा, मुख्त्यारनामा एवं वसीयतनामा के बैचान श्री गोविन्दराम देवनानी पुत्र श्री मिर्चूमल देवनानी को कर दिया गया। मण्डल द्वारा श्री गोविन्दराम देवनानी पुत्र श्री मिर्चूमल देवनानी के पक्ष में दिनांक 19.01.2001 को नियमितिकरण के आदेश जारी किये गये। श्री गोविन्दराम देवनानी पुत्र श्री मिर्चूमल देवनानी द्वारा दिनांक 28.02.2002 को आवास का उप पंजीयक कार्यालय द्वारा पंजीयन करवा लिया गया है। श्री गोविन्दराम देवनानी की मृत्यु पश्चात 03.06.2015 को हो जाने के कारण उनके पुत्र श्री किशोर कुमार देवनानी व श्री नन्दलाल देवनानी पुत्र स्व. श्री गोविन्दराम देवनानी द्वारा रजिस्टर्ड वसीयतनामा प्रस्तुत कर स्वयं के पक्ष में मृत्यु पश्चात आवास हस्तान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।अब श्री किशोर कुमार देवनानी व श्री नन्दलाल देवनानी ने उक्त आवास से संबंधित मृत्यु हस्तान्तरण प्रपत्र प्रस्तुत कर स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है।श्री किशोर कुमार देवनानी व श्री नन्दलाल देवनानी का नाम मण्डल रिकॉर्ड में प्रतिस्थापन की कार्यवाही विचाराधीन है। अतः उक्त कार्यवाही से किसी भी व्यक्ति को कोई आपति हो तो इस जाहिर आम सूचना की विज्ञप्ति के प्रकाशन के 10 दिवस में अपनी उजरदारी / आपत्ति मय सबूत एवं पहचान के दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। बाद मियाद गुजरने पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी, नाम प्रतिस्थापन की अग्रिम कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी। -सहायक प्रशासनिक अधिकारी राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड- अजमेर

कार्यालय आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल, अजमेर

क्रमांक : 1856 जाहिर आम सूचना दिनांक-22.12.25

राजस्थान आवासन मण्डल आवास संख्या 2/238, पंचशील, अजमेर क्षेत्रफल 211.05 वर्ग मीटर मूल आवंटी श्री जगदीश प्रकाश टांक पुत्र स्व. श्री शंकरलाल टांक को आवंटित कर दिनांक 28.10.1997 को आवास का भौतिक कब्जा सौंपा गया था। श्री जगदीश प्रसाद टांक पुत्र श्री शंकरलाल टांक द्वारा दिनांक 27.03.2002 को उप पंजीयक कार्यालय द्वारा उक्त आवास का पंजीयन करवा लिया गया। पंजीयन पश्चात् श्री जगदीश प्रसाद टांक पुत्र स्व. श्री शंकरलाल टांक द्वारा आवास का बैचान श्री अभिषेक पारीक पुत्र श्री बेणी गोपाल व्यास को दिनांक 01.01.2024 को कर दिया गया। जो कि पंजीयन विभाग की पुस्तक संख्या 01 जिल्द संख्या 2222 में क्रम संख्या 202403001100013 पर पृष्ठ संख्या 138 पर पंजीबद्ध किया गया। तथा अतिरिक्त पुस्तक संख्या 01 जिल्द संख्या 5882 के पृष्ठ संख्या 591 से 601 पर दिनांक 01.01.2024 को चस्पा किया गया है। श्री अभिषेक पारीक पुत्र श्री बेणी गोपाल व्यास ने उक्त आवास से संबंधित विक्रय चैनल प्रस्तुत कर स्वयं के नाम दोहरा पंजीयन उपरांत नाम हस्तान्तरण करने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। श्री अभिषेक पारीक पुत्र श्री बेणी गोपाल व्यास का नाम मण्डल रिकार्ड में प्रतिस्थापन की कार्यवाही विचाराधीन है। अतः उक्त कार्यवाही से किसी भी व्यक्ति को कोई आपति हो तो इस जाहिर आम सूचना की विज्ञप्ति के प्रकाशन के 10 दिवस में अपनी उजरदारी / आपत्ति मय सबूत एवं पहचान के दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। बाद मियाद गुजरने पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी, नाम प्रतिस्थापन की अग्रिम कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।

-सहायक प्रशासनिक अधिकारी राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड- अजमेर

मल्टी मॉनिटरिंग डिस्प्ले सिस्टम की स्थापना

अजमेर,(कासं)। उत्तर पश्चिम रेलवे अजमेर मंडल के कंट्रोल कार्यालय में मल्टी मॉनिटरिंग डिस्प्ले सिस्टम सफलतापूर्वक स्थापित किया गया है। मंडल रेल प्रबंधक राजू भूतड़ा के अनुसार इस प्रणाली के माध्यम से अजमेर मंडल में संचालित सभी ट्रेनों की गतिविधियों की केंद्रीकृत रूप से एक ही स्थान से निगरानी की जा सकती है। यह प्रणाली एक ऐसे अनुप्रयोग पर आधारित है जिसमें एक ही कंप्यूटर से जुड़े अनेक डिस्प्ले (मॉनिटर/टीवी) के माध्यम से कार्यक्षेत्र का विस्तार किया गया है, जिससे सभी बोर्ड/सेक्शन की ट्रेन मूवमेंट एकल डिस्प्ले स्क्रीन पर वास्तविक समय में देखी जा सकती है। इस प्रणाली का मुख्य उद्देश्य मंडल स्तर पर डाटा लॉगर के द्वारा ट्रेन संचालन की रीयल-टाइम निगरानी प्रदान करना है।

राजगढ़ धाम पर सर्वधर्म मनोकामनापूर्ण स्तम्भ की 23वीं वर्षगाँठ 25 दिसम्बर को

■ वर्षगाँठ को लेकर मंदिर कमेटी द्वारा तैयारिया हुई पूर्ण

अजमेर, (कासं)। मसाणिया भैरवधाम राजगढ़ पर 25 दिसम्बर को मनोकामनापूर्ण स्तम्भ की 23वीं वर्षगाँठ धूमधाम ओर हर्षोल्लास के साथ मनाई जायेगी। मंदिर कमेठी द्वारा वर्षगांठ के आयोजन से संबंधित समस्त तैयारिया पूर्ण कर ली है। प्रवक्ता अविनाश सेन ने बताया कि उपखण्ड अधिकारी देवीलाल यादव, राजेश कुमार अति पुलिस अधीक्षक केकड़ी, कृष्ण कुमार सीओ नसीराबाद, अशोक बिशु थाना अधिकारी नसीराबाद, भोम सिंह सहायक उप निरीक्षक आदि ने आयोजन स्थल का निरीक्षण कर महोत्सव की तैयारियों का जायजा लिया एवं मंदिर कमेटी को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। वर्षगांठ महोत्सव पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान के राज्यपाल हरिभाउ बागडे होंगे, साथ ही केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, बाबूलाल खराड़ी केबिनेट मंत्री जनजातीय विभाग भी शिरकत करेगें। 25 दिसम्बर को धाम पर प्रातःकाल हवन यज्ञ होगा जिसके बाद हवन यज्ञ की पूर्णाहुति होगी। चम्पालाल महाराज और आए हुए अतिथियों के द्वारा मंदिर के शीश पर झण्डारोहण कर महोत्सव का आगाज किया जायेगा। तत्पश्चात देश-प्रदेश से आए हुए श्रद्धालुओं द्वारा मनोकामनापूर्ण स्तम्भ की परिक्रमा की जाएगी तथा विशेश चमत्कारी चिमटी का वितरण किया जाएगा। धाम पर मुख्य उपासक चम्पालाल महाराज द्वारा आए हुए श्रद्धालुओं को धाम पर चल रहे नशामुक्ति अभियान, बेटी बचाओ बेटी पढाओ अभियान, के तहत संकल्प दिलाया जाएगा। सेन ने बताया कि वर्षगाँठ को लेकर मन्दिर कमेटी व भैरव भक्त मण्डल ने तैयारियाँ पूर्ण कर ली है। मनोकामनापूर्ण स्तम्भ, माँ कालिका व भैरव मन्दिर को फूलों से सजाया गया है। देश-प्रदेश से हजारों झण्डे आऐंगे। मनोकामनापूर्ण स्तम्भ की विशेषता यह है कि स्तम्भ की मात्र एक परिक्रमा लगाने से श्रद्धालुओं के सारे रोग कष्ट दूर हो जाते हैं। दूरदराज से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सर्दी के मौसम को मदेनजर रखते हुए विशेष व्यवस्था की गई है। जिला प्रशासन ने भी श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए धाम पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए विशेष माकुल इंतजामात किए हैं। चिकित्सा विभाग ने भी श्रद्धालुओं की व्यवस्था के लिए अपनी चिकित्सा टीम को मय आवश्यक औशधियों व एम्बूलेन्स के साथ ड्यूटी पर तैनात किया है।

पूर्व विधायक राकेश पारीक मसूदा उपखंड के ग्रामीणों से रूबरू

■ आगामी पंचायतराज चुनाव में कांग्रेस अपना परचम लहराएगी

मसूदा,(निसं)। मसूदा कांग्रेस के पूर्व विधायक राकेश पारीक बुधवार को ब्यावर जाते समय मसूदा प्रेस कार्यालय पर मसूदा रिपोर्टर शिवप्रकाश सेन से शिष्टाचार मुलाकात की ओर कस्बेवासियों से रूबरू हुए जहां ग्रामीणों ने पिछले कार्यकाल को याद करते हुए पारीक को अपनी समस्याए बताई । पारीक ज़ब मसूदा पहुंचे जहां सुचना मिलते ही कई ग्रामीण उनसे मिलने पहुंचे जहा पारिक ने पिछले कार्यकाल में किए गए कार्यों पर चर्चा करते हुए वर्तमान विधायक पर तंज कसा। पारीक ने कहा की उनकी तरफ से कोई कमी नहीं रखी गई। साथ ही जिला प्रमुख सुशील कँवर पलाड़ा से जो की बीजेपी के होते हुवे भी हमने तालमेल बिठा कर क्षेत्र में विकास कार्य करने का हर संभव प्रयास किया ।

उन्होंने कहा कि कस्बे से जो स्टेट हाइवे गुजर रहा है है उसे भी पूरा 9 मीटर करवाया था। लेकिन वर्तमान विधायक ने अपनी सरकार होने का फायदा उठाते हुवे सडक की चौड़ाई कम करवा दी जिससे भी आमजन को काफ़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व विधायक ने अपने कार्यकाल में कराए गए विकास कार्यों को गिनाते हुए कहा कि संभवत उनके द्वारा कराए गए विकास कार्यों में कोई कमी रह गई होगी जिसके चलते जनता ने उनके प्रति बेरुखी दिखाई। अब इसकी भरपाई जनता के बीच रहकर उनके कार्यों को करवाने व वर्तमान सरकार के जनता के विरुद्ध किए जा रहे कार्यों का विरोध कर जनता को न्याय दिलाने का प्रयास करेंगे वही पारीक ने बताया कि आने वाले पंचायतराज चुनाव में कांग्रेस पार्टी राजस्थान में पुनः अपना परचम लहराएंगी ।

एडीए समस्या समाधान शिविर में 248 प्रकरण निस्तारित, 179 पट्टे जारी

अजमेर (कासं)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार अजमेर विकास प्राधिकरण द्वारा चलाए जा रहे शहरी समस्या समाधान शिविर में राज्य सरकार द्वारा प्रदत्त छूटों, सरल प्रक्रिया और मौके पर त्वरित समाधान मिलने से नागरिकों को सुखद अनुभूति का एहसास हो रहा है। मंगलवार को आमजन के 248 प्रकरणों का निस्तारण किया जिसमें 179 पट्टे जारी किए गए।

मंगलवार को लगभग 350 लोग शहरी समस्या समाधान शिविर में विभिन्न समस्याओं का समाधान के लिए उपस्थित हुए। शिविर में तैनात प्राधिकरण के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा आमजन की समस्याओं को सहानुभूतिपूर्वक एवं सहयोगात्मक रवैये के साथ निराकरण किया गया। आज शिविर से 169.32 लाख का राजस्व प्राप्त हुआ। प्राधिकरण की नयी आवासीय योजना श्यामा प्रसाद मुखर्जी नगर में 50 आवेदन प्राप्त हुए। इस योजना में कुल 1040 आवेदन प्राप्त हो चुके है। योजना में आवेदन की अन्तिम दिनांक 31दिसम्बर है। शिविर में अजमेर विकास प्राधिकरण आयुक्त नित्या के. ने उपस्थित रहकर लोगों की समस्याओं के बारे में विस्तृत जानकारी लेते हुए अधिकारी व कर्मचारियों को आमजन की समस्याओं का तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए।

बैंक ऑफ बडौदा के नए परिसर का उद्घाटन

पुष्कर(निसं)। बैंक ऑफ बड़ौदा की गनाहेड़ा शाखा, अजमेर के नए परिसर का उद्घाटन बैंक के महाप्रबंधक एवं जयपुर अंचल प्रमुख श्री एम. अनिल के कर-कमलों द्वारा किया गया।

शाखा के उद्घाटन समारोह के दौरान अजमेर क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख एवं उप महाप्रबंधक श्री अमित मिश्रा, उप क्षेत्रीय प्रमुख एवं सहायक महाप्रबंधक श्री समीर शाह, एसएमईएलएफ़ प्रमुख एवं सहायक महाप्रबंधक डॉ. सिंटू साहा तथा गनाहेड़ा शाखा के शाखा प्रमुख एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

सरवाड एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

सरवाड़ (निसं)। सरवाड़ खनिज विभाग सावर द्वारा ग्राम पंचायत खिरिया में अवैध बजरी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करने से बजरी माफियाओं में हड़कंप मच गया है वहीं सरवाड़ के निकटवर्ती ग्राम पंचायत खिरिया की डाई नदी मे अवेध खनन कर चारागाह भूमि में जगह-जगह अवैध बजरी के स्टॉक लगाए जाने की शिकायत मिलने के बाद खनिज विभाग की टीम पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंची और दो जेसीबी एवं डंपरों की मदद से लगभग 250 टन बजरी जप्त की गई वहीं मंगलवार को अवैध बजरी खनन को लेकर उपखंड अधिकारी सुभाष चन्द्र हेमानी को ज्ञापन सौंपा गया।

आम सूचना

मेरे दादाजी हीरा पुत्र हरदेव जाति भील निवासी ग्राम अलमास की मृत्यु दिनांक 04/02/1992 को मेरे निवास स्थान पर ग्राम अलमास में हो गई थी। जिसका पूर्व में इन्द्राज ग्राम पंचायत देवपुरी में नहीं करवाया था। अब मैं मेरे दादाजी हीरा भील का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए अरांई तहसील कार्यालय में आवेदन किया है। मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने बाबत जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो 7 दिन में मय दस्तावेज के साथ अरांई तहसीलदार के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। बाद मियाद कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।- प्रार्थी श्योजी पुत्र छोटू भील, ग्राम अलमास तहसील अरांई, अजमेर

आम सूचना

मेरे दादाजी जवारा पुत्र हरदेव जाति भील निवासी ग्राम अलमास की मृत्यु दिनांक 9/4/1990 को मेरे निवास स्थान पर ग्राम अलमास में हो गई थी। जिसका पूर्व में इन्द्राज ग्राम पंचायत देवपुरी में नहीं करवाया था। अब मैं मेरे दादाजी जवारा का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए अरांई तहसील कार्यालय में आवेदन किया है। मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने बाबत जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो 7 दिन में मय दस्तावेज के साथ अरांई तहसीलदार के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। बाद मियाद कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।- प्रार्थी श्योजी पुत्र छोटू भील, ग्राम अलमास तहसील अरांई, अजमेर

खोया-पाया

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है की मेरे लीज़ के कागजात दिनांक 5 दिसंबर 2025 को ब्यावर में ही कहीं खो गए है। ये राजकुमार शर्मा पुत्र कन्हैयालाल शर्मा के नाम से गणपति नगर गणेशपुरा रोड़,ब्यावर स्थित है जिसका खसरा नंबर 14 गणपति नगर गणेशपुरा स्थित है। उक्त कागजात के गुमशुदगी की पुलिस रिपोर्ट संख्या एलआर नंबर 2997175 /2025 दर्ज करवा दी गई थी।जिस किसी सज्जन को मिले नीचे दिए पते पर सूचित करावे।

- चंदन कुंवर पुत्र लादु सिंह, जलिया रोड ,जय अंबे कॉलोनी,ब्यावर।

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

लोक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री चांद कंवर पत्नि सतवीर सिंह रेवत डेगाना जिला नागौर की ग्राम कायड के पुराना खसरा नं. 3036 नया खसरा नं. 4310 भूखण्ड संख्या 33 जिसका क्षेत्रफल 200 वर्गगज कुल 1 भूखण्ड की पत्रावली नियमन हेतु प्रक्रियाधीन है उक्त नियमन के सम्बन्ध में दैनिक समाचार पत्र में विज्ञप्ति जारी कर 7 दिवस की आपत्ति आमंत्रित की जाती है अत किसी भी हितबद्धकारी को इस नियमन के सम्बन्ध में आपत्ति हो तो आम सूचना के 7 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा नियमन कार्यवाही कर दी जायेगी

-उपायुक्त अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

लोक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सुखपाल पुत्र श्योचंद निवासी लोहागल अजमेर राजस्व ग्राम लोहागल के खसरा नं. 927 भूखण्ड सं. 16 जिसका क्षेत्रफल 295.51 वर्गगज कुल 1 भूखण्ड की पत्रावली नियमन हेतु प्रक्रियाधीन है उक्त नियमन के सम्बन्ध में दैनिक समाचार पत्र में विज्ञप्ति जारी कर 7 दिवस की आपत्ति आमंत्रित की जाती है अत किसी भी हितबद्धकारी को इस नियमन के सम्बन्ध में आपत्ति हो तो आम सूचना के 7 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा नियमन कार्यवाही कर दी जायेगी।

-उपायुक्त अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

लोक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है श्री श्योचन्द पुत्र गंगाराम निवासी लोहागल अजमेर राजस्व ग्राम लोहागल के खसरा नं. 927 भूखण्ड संख्या 32 जिसका क्षेत्रफल 200 वर्गगज भूखण्ड संख्या 32 ए जिसका क्षेत्रफल 255.87 वर्गगज कुल 2 भूखण्डों की पत्रावली नियमन हेतु प्रक्रियाधीन है उक्त नियमन के सम्बन्ध में दैनिक समाचार पत्र में विज्ञप्ति जारी कर 7 दिवस की आपत्ति आमंत्रित की जाती है अत किसी भी हितबद्धकारी को इस नियमन के सम्बन्ध में आपत्ति हो तो आम सूचना के 7 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा नियमन कार्यवाही कर दी जायेगी

-उपायुक्त अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

भारतीय क्रिकेट... यह एक अजीब जगह है। आप सोचते हैं कि चयन में कुछ तो स्थिरता होगी, लेकिन टीम घोषित होते ही सब उलट-पुलट हो जाता है। – रॉबिन उथप्पा

भारतीय खिलाड़ी, अपने यूट्यूब चैनल पर टीम चयन को लेकर खुलकर नाराजगी जताई।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — रोहित शर्मा

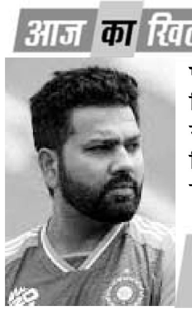

पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने एक कार्यक्रम में बताया कि 2023 वनडे वर्ल्ड कप फाइनल हारने के बाद वे मानसिक रूप से पूरी तरह टूट गए थे। उन्होंने कहा कि उस समय उन्होंने क्रिकेट छोड़ने तक का मन बना लिया था। रोहित रविवार को एक कार्यक्रम में थे। उन्होंने कहा, 2023 वर्ल्ड कप फाइनल हारने के बाद लग रहा था कि मैं इस खेल को और नहीं खेलना चाहता, क्योंकि इसने मुझसे सब कुछ छीन लिया था। मेरे अंदर खेलने की ताकत ही नहीं बची थी। भारत ने रोहित की कप्तानी में वनडे वर्ल्ड कप 2023 में लगातार 10 मैच जीते थे और फाइनल तक पहुंचा था।

क्या आप जानते हैं ?... साउथ अफ्रीका के सबसे खतरनाक गेंदबाजों मेंडेल स्टेन, शॉन पोलक, कगिसो रबाडा और एलन डोनाल्ड जैसे नाम शामिल हैं।

विजय हजारे ट्रॉफी मैच आज से

रोहित ने जयपुर के एसएमएस मैदान में जमकर अभ्यास किया

जयपुर, 23 दिसम्बर। विजय हजारे ट्रॉफी के मैच में हिस्सा लेने भारतीय क्रिकेट टीम के कई बड़े नाम जयपुर पहुंच चुके हैं। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान और मुंबई टीम के सीनियर खिलाड़ी रोहित शर्मा ने मंगलवार को जयपुर के एसएमएस ग्राउंड में जमकर प्रैक्टिस की। प्रैक्टिस ग्राउंड में पहुंचते वक्त एक फैन ने रोहित का हाथ पकड़ने की कोशिश की, लेकिन रोहित आगे बढ़ गए।

मुंबई टीम से खेल रहे रोहित शर्मा ने करीब 2 घंटे तक प्रैक्टिस की। इस दौरान उन्होंने अपनी फिटनेस, टाइमिंग और शॉट सिलेक्शन पर खास ध्यान दिया। रोहित ने तेज गेंदबाजों के साथ-साथ स्पिन गेंदबाजों का भी सामना किया। अलग-अलग परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए बल्लेबाजी की। अभ्यास के दौरान उनके हर बेहतरीन स्ट्रोक पर स्टेडियम में मौजूद दर्शकों का उत्साह देखते ही बन रहा था। रोहित शर्मा के अभ्यास सत्र को देखने के लिए बड़ी संख्या में फैन्स स्टेडियम पहुंचे। जैसे ही रोहित नेट्स में उतरे फैन्स मोबाइल में कैद करते नजर आए। इस दौरान एक फैन ने रोहित का हाथ पकड़ने की कोशिश भी की। रोहित के हाथ पर नाखुन लग गया। वहीं, काफी फैन्स उनकी एक झलक पाने के लिए काफी देर पहले ही स्टेडियम पहुंच गए थे। ऐसे में रोहित की मौजूदगी ने विजय हजारे ट्रॉफी को लेकर जयपुर में क्रिकेट का माहौल पूरी तरह से बना दिया है।

दरअसल, विजय हजारे ट्रॉफी के मुकाबले कल से जयपुर के अलग-अलग मैदानों पर खेले जाएंगे। इस दौरान मुंबई, महाराष्ट्र, पंजाब, गोवा, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम और उत्तराखंड की टीमें अपने-अपने मुकाबले खेलेंगी। इनमें महाराष्ट्र और पंजाब का मैच अनंतम ग्राउंड, छत्तीसगढ़ और गोवा का मैच जयपुरिया ग्राउंड, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड का मैच केएल सैनी स्टेडियम में और मुंबई और सिक्किम का मैच एसएमएस स्टेडियम में खेला जाएगा। इनमें भी सबसे ज्यादा क्रेज रोहित शर्मा के मुंबई वाले मैच को लेकर क्रिकेट लवर्स में बना हुआ है।

महाराष्ट्र टीम में ऋतुराज गायकवाड़ और पृथ्वी शॉ जैसे स्टार बल्लेबाज जयपुर के मैदानों पर खेलते नजर आएंगे। इन खिलाड़ियों की मौजूदगी से विजय हजारे ट्रॉफी के मुकाबलों का रोमांच कई गुना बढ़ गया है।

कमिंस और लियोन मेलबर्न टेस्ट से बाहर, स्मिथ करेंगे ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी

मेलबर्न, 23 दिसंबर। ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट के लिए कप्तान पैट कमिंस और अनुभवी स्पिनर नाथन लियोन के बिना मैदान पर उतरेगा, क्योंकि मेजबान टीम ने एशेज सीरीज के चौथे मैच के लिए 15 सदस्यों की टीम का ऐलान कर दिया है।

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) की वेबसाइट के अनुसार, कमिंस की गैरमौजूदगी में स्टीव स्मिथ को कप्तान बनाया गया है, जबकि ऑफ-स्पिनर टॉड मर्फ़ी और तेज गेंदबाज झाई रिचर्डसन को टीम में शामिल किया गया है।

चौथा टेस्ट 26 दिसंबर को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर शुरू होगा, जिसमें एडिलेड में 82 रन की जीत के बाद ऑस्ट्रेलिया पहले ही 3-0 की अजेय बढ़त बना चुका है। कमिंस को हाल ही में पीठ की समस्या से लौटने के बाद वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत मेलबर्न टेस्ट के लिए आराम दिया गया है। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान के पास 4 जनवरी से सिडनी में शुरू होने वाले पांचवें और आखिरी टेस्ट में खेलने का मौका है। एडिलेड में जीत के बाद कमिंस ने कहा, "हमने काफी एग्रेसिव तैयारी की थी, यह जानते हुए कि वहां एशेज सीरीज जीतनी है, और हमें लगा कि यह इसके लायक था। मुझे शक है कि मैं मेलबर्न खेलूंगा, और फिर हम सिडनी के बारे में बात करेंगे।"

रिचर्डसन, जो चोट से वापसी करने के बाद टीम में शामिल हुए हैं, प्लेइंग में कमिंस की जगह लेने की दौड़ में हैं। 29 साल के इस तेज गेंदबाज ने कई चोटों के कारण अब तक सिर्फ तीन टेस्ट खेले हैं, उनका सबसे हालिया प्रदर्शन 2021 में एडिलेड में इंग्लैंड के खिलाफ था। रेड-बॉल में कम अनुभव के बावजूद, सिलेक्टर रिचर्डसन को उनकी पेस और स्किल सेट के लिए बहुत अच्छा मानते हैं। मर्फ़ी के लियोन की गैरमौजूदगी में फ्रंटलाइन स्पिन ऑप्शन होने की उम्मीद है, जिनकी दाहिनी हैमस्ट्रिंग फटने की सर्जरी होगी और वे लंबे समय तक बाहर रहेंगे। 23 साल के इस खिलाड़ी ने ऑस्ट्रेलिया के लिए सात टेस्ट खेले हैं, जिसमें उनका सबसे हालिया मैच इस साल की शुरुआत में श्रीलंका के खिलाफ गॉल में था।

ऑल-राउंडर माइकल नेसर और ब्यू वेबस्टर, साथ ही बैक-अप सीमर ब्रेंडन डॉगेट ने एडिलेड टेस्ट में सिलेक्शन से चूकने के बावजूद टीम में अपनी जगह बनाए रखी है। ऑस्ट्रेलिया टीम (सिर्फ चौथे टेस्ट के लिए): स्टीव स्मिथ (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, ब्रेंडन डॉगेट, कैमरून ग्रीन, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, टॉड मर्फ़ी, माइकल नेसर, झाई रिचर्डसन, मिशेल स्टार्क, जेक वेदराल्ड, ब्यू वेबस्टर।

महिला घरेलू क्रिकेट में मैच फीस दोगुना से ऊपर

मुंबई, 23 दिसंबर। बीसीसीआई ने महिला घरेलू क्रिकेट में मैच फ़ीस बढ़ा दी है। सीनियर प्रतियोगिताओं में पहली एकादश में खेलने वाली खिलाड़ियों के लिए यह फ़ीस 20,000 रुपये से बढ़ाकर 50,000 रुपये प्रति दिन कर दी गई है। यह फ़ैसला सोमवार को मुंबई में हुई एपेक्स काउंसिल की बैठक में लिया गया। रिज़र्व खिलाड़ियों को इसका आधा यानी 25,000 रुपये प्रति दिन मिलेगा। आयु-वर्ग स्तर पर भी संशोधन किया गया है, जहां पहली एकादश का हिस्सा बनने वाली खिलाड़ियों को 25,000 रुपये प्रति दिन और रिज़र्व खिलाड़ियों को 12,500 रुपये प्रति दिन मिलेंगे।

अब तक आयु-वर्ग की खिलाड़ी अगर एकादश में होती थीं तो उन्हें 10,000 रुपये प्रति दिन, जबकि रिज़र्व खिलाड़ियों को 5,000 रुपये मिलते थे। इस फ़ीस ढांचे के तहत अगर कोई खिलाड़ी फ़ाइनल समेत सभी लीग मैच खेलती थी, तो पूरे सीजन में उसे कुल मिलाकर थोड़ा सा 2 लाख रुपये से ज़्यादा मिलते थे। अब यह राशि बढ़कर लगभग 5 लाख रुपये हो जाएगी। ये बदलाव भारत की ऐतिहासिक वनडे विश्व कप जीत के बाद घरेलू क्रिकेट को मज़बूत करने के बीसीसीआई के निरंतर प्रयासों का हिस्सा हैं। साथ ही सिस्टम के भीतर लंबे समय से मैच फ़ीस की समीक्षा की मांग भी उठ रही थी।

27वीं नवीन-नफीस ईनामी राशि लीग नॉकआउट क्रिकेट प्रतियोगिता

पी.एस. की जीत में देवराज सैनी चमके

जयपुर, 23 दिसम्बर। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज से प्रारम्भ नॉकआउट मैच में सिग्नेचर क्रिकेट ग्राउण्ड पर खेले गये मैच में पी.एस. क्रिकेट एकेडमी की ओर से देवराज सैनी 30 रन पर 5 विकेट की घातक गेन्दबाजी की बदौलत पी.एस. क्रिकेट एकेडमी ने सिग्नेचर क्रिकेट एकेडमी को 5 विकेट से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया।

टॉस जीतकर सिग्नेचर क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया जिसमें अरूण शर्मा 58 रन, शोऐब खान 29 रन, गगनदीप आर्या 18 रन, भरत प्रजापत 13 को छोड़कर कोई नहीं टिक सका और पूरी टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर मात्र 144 रन पर सिमट गयी। गेंदबाजी में पी.एस. क्रिकेट एकेडमी की ओर देव राज सैनी 30 रन पर 5 विकेट, कुणाल शर्मा 35 रन पर 2 विकेट, अशोक स्वामी 28 रन पर 1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे। जवाबी पारी में पी.एस. क्रिकेट एकेडमी की ओर से देव प्रताप सिंह 37 रन, अक्षत बघेल 36 रन, शिवेन्द्र सिंह 30 रन, दीपक चौधरी 14 रन, एल.डी. मीणा 13 रन की मदद से विजय लक्ष्य 147 रन 5 विकेट खोकर 14.5 ओवर में हासिल कर लिया और मैच 5 विकेट से जीतकर महत्वूपर्ण 2 अंक अर्जित कर लिये। इस मैच का मैन ऑफ दी मैच देव राज सैनी पी.एस. क्रिकेट एकेडमी रहें।

जयपुर का विकेट काफी फ्लैट है, जहां बल्लेबाजों को मदद मिल सकती है : शार्दुल

जयपुर, 23 दिसम्बर। मुंबई टीम के कप्तान शार्दुल ठाकुर ने रोहित शर्मा की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा- विजय हजारे ट्रॉफी एक अलग तरह का टूर्नामेंट है, जहां हर मैच में टीम को बेहतर प्रदर्शन करना होता है। सभी खिलाड़ी टीम को जीत दिलाने के लिए पूरी मेहनत कर रहे हैं। ठाकुर ने कहा- रोहित शर्मा जैसा अनुभवी खिलाड़ी हमारी टीम में होना हमारे लिए बहुत बड़ा प्लस पॉइंट है। वह हमेशा युवा खिलाड़ियों को गाइड और मोटिवेट करते हैं। उनका ड्रेसिंग रूम में होना ही खिलाड़ियों के लिए काफी प्रेरणादायक होता है। शार्दुल ठाकुर ने सवाई मानसिंह स्टेडियम की पिच को लेकर भी अपनी राय रखी। उन्होंने बताया कि जयपुर का विकेट काफी फ्लैट है, जहां बल्लेबाजों को मदद मिल सकती है। हालांकि मैच के दौरान पिच का व्यवहार और खेल की स्थिति काफी हद तक मौसम पर भी निर्भर करेगी।

पीएम मोदी से मिले ओलंपियन नीरज चोपड़ा और उनकी पत्नी

नई दिल्ली, 23 दिसंबर। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा और उनकी पत्नी हिमानी मोर ने मंगलवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने उनके आवास पर हुई इस मुलाकात के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में फोटो साझा करते हुए यह जानकारी दी। मोदी ने कहा, आज सुबह 7 लोक कल्याण मार्ग पर नीरज चोपड़ा और उनकी पत्नी हिमानी मोर से मुलाकात हुई। हमने खेलों के साथ-साथ विभिन्न विषयों पर बातचीत की।" उल्लेखनीय है कि इस वर्ष के शुरू में श्री मोदी ने फिटनेस को बढावा देने के नीरज चोपड़ा के प्रयासों की सोशल मीडिया पर काफी सराहना की थी। फिट इंडिया योजना के महत्व पर नीरज चोपड़ा के लेख पर प्रतिक्रिया करते हुए श्री मोदी ने कहा था कि यह दूरदर्शी और प्रेरक लेख मोटापे से लड़ने और स्वस्थ रहने की जरूरत पर बल देता है। नीरज चोपड़ा ट्रैक और फील्ड एथलीट प्रतिस्पर्धा में भाला फेंकने वाले खिलाड़ी हैं। नीरज ने 87.58 मीटर भाला फेंककर टोक्यो ओलंपिक 2020 में गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रचा है। अभिनव बिंद्रा के बाद किसी विश्व चैम्पियनशिप स्तर पर स्वर्ण पदक जीतने वाले वह दूसरे भारतीय हैं। हालांकि नीरज चोपड़ा के लिए साल 2025 काफी उतार-चढाव वाला रहा। उन्होंने दोहा में खेले गए डायमंड लीग में भाला फेंक में 90 मीटर की दूरी हासिल की थी. हालांकि, इसी साल टोक्यो में वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप के फाइनल में वो मेडल जीतने में नाकाम रहे थे।

मैकलरॉय को स्पोर्ट्स पर्ननैलिटी ऑफ द ईयर चुना गया

लंदन, 23 दिसंबर। रोरी मैकलरॉय को 2025 का बीबीसी नॉर्दर्न आयरलैंड स्पोर्ट्स पर्सनैलिटी ऑफ द ईयर चुना गया है। मैकलरॉय ने अप्रैल में इतिहास रच दिया, जब वह ऑगस्टा नेशनल में मास्टर्स जीतकर सभी चार पुरुषों के मेजर टूर्नामेंट का करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सिर्फ़ छठे गोल्फर – और पहले यूरोपीय – बन गए। बीबीसी स्पोर्ट के अनुसार, 36 वर्षीय खिलाड़ी – जिन्हें गुरुवार को पहली बार बीबीसी स्पोर्ट्स पर्सनैलिटी ऑफ़ द ईयर भी चुना गया था – ने एक रोमांचक प्ले-ऑफ़ में जस्टिन रोज को हराकर मशहूर ग्रीन जैकेट और 2014 के बाद अपनी पहली मेजर जीत हासिल की। राइडर कप में, मैकलरॉय ने न्यूयॉर्क के बेथपेज ब्लैक में विरोधी भीड़ की परवाह न करते हुए साढ़े तीन अंक हासिल किए, जिससे यूरोप ने 2012 के बाद पहली बार संयुक्त राज्य अमेरिका में जीत हासिल की। इसके बाद प्लेयर्स चैंपियनशिप, एटी एंड टी पेबल बीच प्रो-एम और आयरिश ओपन में भी जीत मिली, और फिर उन्होंने अपने सातवें रेस टू दुबई खिताब के साथ एक शानदार साल का समापन किया। मैकलरॉय ने वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप की सिल्वर मेडलिस्ट केट ओकॉनर और लिवरपूल और नॉर्दर्न आयरलैंड के फुटबॉलर कॉनर ब्रैडली से आगे रहते हुए चौथी बार यह पुरस्कार जीता।

सलाह ने गोल करके मिस्र को जिम्बाब्वे के खिलाफ जीत दिलाई

मोरक्को, 23 दिसंबर। मोहम्मद सालाह ने अपना किलर इंस्टिंक्ट दिखाते हुए स्टॉपेज टाइम में गोल करके मिस्त्र को 2025 अफ्रीका कप ऑफ नेशंस के अपने पहले मैच में जिम्बाब्वे को हराने में मदद की। बीबीसी स्पोर्ट के अनुसार, लिवरपूल के फॉरवर्ड की ट्रॉफी कैबिनेट एनफील्ड में बिताए समय की ट्रॉफियों से भरी हुई है, लेकिन उन्होंने अभी तक फराओस के साथ अफकॉन ट्रॉफी नहीं जीती है, और मोरक्को में खेल के बड़े हिस्से में ऐसा लग रहा था कि यह अभियान एक अशुभ शुरुआत के साथ शुरू होने वाला है। हालांकि सालाह को मिस्त्र का राजा कहा जाता है, लेकिन यह प्रिंस डूबे का पहले हाफ का गोल था जिसने अगादिर में खेल के विपरीत वॉरियर्स को बढ़त दिलाई। मिस्त्र की खराब फिनिशिंग और 40 वर्षीय वाशिंगटन अरुबी की अच्छी गोलकीपिंग के संयोजन ने दक्षिणी अफ्रीकी टीम को एक चौंकाने वाली जीत की उम्मीद दी, इससे पहले कि मैनचेस्टर सिटी के स्ट्राइकर उमर मार्मोश ने 64वें मिनट में गोल करके स्कोर बराबर कर दिया।

दीप्ति शर्मा पहली बार आईसीसी महिला टी-20 गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर

दुबई, 23 दिसंबर। मंगलवार को जारी नई रैंकिंग में, श्रीलंका के खिलाफ घरेलू टी20 सीरीज के पहले मैच में शर्मा के 1/20 के शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन ने उन्हें ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज एनाबेल सदरलैंड से एक रेटिंग अंक से आगे पहुंचा दिया। दीप्ति के पास टी20 क्रिकेट में गेंदबाजी के लिए 737 रेटिंग प्वाइंट्स हैं – यह फॉर्मेट एलए 2028 ओलंपिक का हिस्सा बनने वाला है, जो गेम्स में इस खेल की वापसी का प्रतीक है।

दीप्ति ने टी20 के सबसे छोटे फॉर्मेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने 130 टी20 मुकाबलों में 18.99 की औसत और 6.11 की इकॉनमी रेट से 148 विकेट अपने नाम किए हैं। इस लिस्ट में रेणुका सिंह ठाकुर दूसरी सर्वश्रेष्ठ भारतीय गेंदबाज हैं, उन्होंने 14वें स्थान पर अपनी जगह बनाई।

दीप्ति की ऑलराउंडर क्षमता भी उतनी ही दमदार है। वह वर्तमान में महिला

टी20 अंतरराष्ट्रीय ऑलराउंडर रैंकिंग में वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज और न्यूजीलैंड की अमेलिया केर के बाद तीसरे स्थान पर काबिज हैं।

महिला वनडे विश्व कप 2025 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुने जाने के बाद, दीप्ति शर्मा 50 ओवर के फॉर्मेट में गेंदबाजों में पांचवें और ऑलराउंडरों में चौथे स्थान पर काबिज हैं।

महिला टी20 बैटिंग रैंकिंग में, स्मृति मंधाना शीर्ष पांच में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए वर्ल्ड रैंकिंग में तीसरे स्थान पर हैं। रविवार को विशाखापत्तनम में खेले गए पहले भारत-श्रीलंका मैच में भारत की प्लेयर ऑफ द मैच रहीं जेमिमा रोड्रिग्स पांच पायदान ऊपर चढ़कर नौवें स्थान पर पहुंच गई हैं।

पुरुष टी20 रैंकिंग में भारत का जलवा बरकरार है, जहां अभिषेक शर्मा बल्लेबाजी में पहले और वरुण चक्रवर्ती गेंदबाजी में पहले स्थान पर बने हुए हैं। पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप फाइनल में भारत की जीत के स्टार खिलाड़ी तिलक वर्मा बल्लेबाजों में चौथे स्थान पर हैं, जबकि हार्दिक पांड्या विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर रहकर भारत के सर्वश्रेष्ठ टी20 ऑलराउंडर बने हुए हैं। टी20 टीम रैंकिंग में भारतीय मेंस टीम वर्ल्ड रैंकिंग में पहले स्थान पर है, जबकि महिला टीम तीसरे स्थान पर है।

भारत एफआईएच विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर फिसला, महिला टीम 10वें स्थान पर

लुसाने (स्विट्जरलैंड), 23 दिसंबर। भारत 2025 की शुरुआत पांचवें स्थान पर करने के बाद साल के अंत तक जाते-जाते एफआईएच विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर फिसल गया है जबकि महिला टीम 10वें स्थान पर है। 2025 में इंटरनेशनल हॉकी ने टॉप लेवल के एक्शन का एक लगातार कैलेंडर पेश किया – एफआईएच हॉकी प्रो लीग की लड़ाइयों से लेकर नेशंस कप और नेशंस कप 2 के रोमांच के साथ-साथ सभी महाद्वीपों में कॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप तक – जिससे एफआईएच वर्ल्ड रैंकिंग में बड़े बदलाव हुए। पुरुषों और महिलाओं दोनों के खेल में, जानी-मानी टीमों ने अपनी स्थिति मजबूत की, महिलाओं की रैंकिंग में, नीदरलैंड्स (3809) जिसने साल की शुरुआत टॉप स्थान पर की थी, उसने पूरे साल अपनी पकड़ बनाए रखी, एक और शानदार सीजन के साथ जिसमें उन्होंने प्रो लीग और यूरोहॉकी चैंपियनशिप में चैंपियनशिप जीतकर अपनी कैबिनेट में और ट्रॉफियां जोड़ीं, जबकि अर्जेंटीना (3326), बेल्जियम (3109) और चीन (2977) ने शानदार कॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप और प्रो लीग अभियानों के साथ क्रमशः दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर बने रहे, जहां से उन्होंने साल की शुरुआत की थी।

रोहित, विराट और सूर्यकुमार पर रहेगी नजर

मुंबई, 23 दिसंबर। हमेशा की तरह, बड़ी हस्तियों पर सबकी नजर है, लेकिन सबसे ज़्यादा, यह लेटेस्ट विजय हजारे ट्रॉफी कम जाने-माने खिलाड़ियों के लिए अपनी जगह बनाने और सुर्खियों में आने का एक मौका है। पिछली बार जब विराट कोहली ने विजय हजारे ट्रॉफी खेली थी, तब भारत ने 2011 में अपना दूसरा पुरुष वनडे वर्ल्ड कप नहीं जीता था, सचिन तेंदुलकर अभी भी भारत के वनडे ओपनर थे, एमएस धोनी वनडे और टेस्ट कप्तान थे, और राहुल द्रविड़ और वीवीएस लक्ष्मण अभी रिटायर नहीं हुए थे। और कोहली ने खुद अभी तक भारत की सफेद जर्सी नहीं पहनी थी।

लगभग 16 साल बाद, कोहली (और रोहित शर्मा) दो फॉर्मेट से रिटायर हो चुके हैं, और सिर्फ वनडे में एक्टिव हैं, एक ऐसा फॉर्मेट जो अक्सर क्रिकेट कैलेंडर में तीसरा सबसे महत्वपूर्ण होता है। उनकी लंबी उम्र पर पहले से कहीं ज़्यादा नजर है, उनकी वापसी – रोहित आखिरी बार 2017-18 में इस टूर्नामेंट में खेले थे – 2027 वर्ल्ड कप की ओर बढ़ते रहने का साफ इरादा दिखाती है, जिससे 2025-26 विजय हजारे ट्रॉफी को अपने आप ही एक बड़ा दर्जा मिल जाता है।

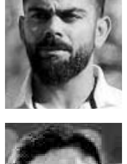

हालांकि, पिछले साल के उलट, जब कोहली की रणजी ट्रॉफी में वापसी ने फिरोज शाह कोटला में तीन दिनों तक बड़ी भीड़ खींची थी, बेंगलुरु में फैंस को ऐसा मौका नहीं मिलेगा। मूल रूप से अलूर में और फिर एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने वाले मैच, चिन्नास्वामी के आसपास भीड़भाड़ से बचने के लिए बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में शिफ्ट कर दिए गए हैं, जो अभी भी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के आईपीएल 2025 की जीत के जश्न के दौरान हुई भगदड़ के बाद के हालात से निपट रहा है। कोहली का खेलने का फैसला हफ्तों की अटकलों के बाद आया है, लेकिन उनकी वापसी अच्छे फॉर्म के साथ हुई है। वह पिछले महीने के आखिर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के प्लेयर ऑफ द सीरीज थे, जिसमें उन्होंने दो शतक और एक नाबाद अर्धशतक लगाया था।

सरफराज ने पाक की अंडर-19 टीम ने कहा, जश्न मनाओ लेकिन मर्यादा के साथ

इस्लामाबाद, 23 दिसंबर। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और अंडर-19 टीम के मौजूदा मेंटर सरफराज अहमद ने कहा है कि उन्होंने अपने खिलाड़ियों से भारत पर एशिया कप की जीत का जश्न सम्मान और खेल भावना के साथ मनाने और वैसा व्यवहार न करने का आग्रह किया जैसा उनके विरोधियों ने किया था। सरफराज फाइनल के एक वायरल वीडियो के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे, जिसमें उन्हें अपने खिलाड़ियों से यह कहते हुए सुना गया कि अगर भारत के खिलाड़ी हद पार भी करें तो भी वे बदतमीजी न करें। फाइनल के दौरान दोनों टीमों ने हाथ नहीं मिलाए, जैसा कि मई में दोनों देशों के बीच सैन्य टकराव के बाद से सभी स्तरों पर दोनों टीमों के बीच आम बात हो गई है। वैभव सूर्यवंशी एक गरमागरम ऑन-फील्ड पल में शामिल थे।

2026 में भारत के पास टी-20 विश्वकप और एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतना का होगा मौका

नई दिल्ली, 23 दिसंबर। भारतीय क्रिकेट टीम का 2026 का शेड्यूल रोमांचक मुकाबलों और बड़े टूर्नामेंट्स से भरा है। इस साल पुरुष और महिला टी20 विश्व कप के साथ-साथ एशियाई खेल प्रमुख आकर्षण होंगे। इसके अलावा भारत की सभी फॉर्मेट में द्विपक्षीय सीरीज की पूरी सूची भी शामिल है।

चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप में जीत के साथ 2025 की शानदार सफलता के बाद, भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम 2026 की शुरुआत जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू व्हाइट-बॉल सीरीज से करेगी। इस सीरीज में पांच टी20 और तीन वनडे मुकाबले खेले जाएंगे। इसके बाद फरवरी-मार्च में घरेलू मैदान पर होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 खेला जाएगा, जहां सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम 2024 में रोहित शर्मा की अगुवाई में जीते गए खिताब को डिफेंड करेगी।

पिछली बार जब भारत ने पुरुष टी20 विश्व कप की मेजबानी की थी, तब वेस्टइंडीज ने 2016 में खिताब जीता था। सेमीफाइनल में भारत को विजेता वेस्ट इंडीज से हार का सामना करना पड़ा था। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 का दबदबा मार्च से मई तक भारत के क्रिकेट कैलेंडर पर रहेगा, इस दौरान कोई अंतरराष्ट्रीय मैच निर्धारित नहीं है।

एनएससीसी में रमीता जिंदल और हिमांशु ढिल्लों ने 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड टीम स्वर्ण जीता

भोपाल, 23 दिसंबर। हरियाणा की जोड़ी रमीता जिंदल और हिमांशु ढिल्लों ने मध्य प्रदेश स्टेट शूटिंग अकादमी में आयोजित 68वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप प्रतियोगिता में 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। स्वर्ण पदक मुकाबले में इस जोड़ी ने महाराष्ट्र की आर्या बोर्से और पार्थ माने को 16-12 से हराकर खिताब जीता। यह जीत हिमांशु ढिल्लों के शानदार प्रदर्शन की निरंतरता रही, जिन्होंने एक दिन पहले पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में 634.5 का स्कोर करते हुए नया राष्ट्रीय और जूनियर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। कांस्य पदक मुकाबले में दिल्ली की राजश्री संचेटी और पार्थ मखीजा ने दबाव में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए मध्य प्रदेश की श्रेया अग्रवाल और ऐश्वर्य प्रताप सिंह

तोमर की जोड़ी को 17-15 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया।

जूनियर 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड टीम स्पर्धा में पश्चिम बंगाल की संदरत्ता रॉय और अभिनव शॉ ने संतुलित प्रदर्शन करते हुए तमिलनाडु की मनेशिका तरुण सेंथिल और शक्तिवेल सेंथिलवेल को 16-8 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। कांस्य पदक कर्नाटक की ह्द्या श्री कोंडूर और नराएन प्रणव की जोड़ी के नाम रहा, जिन्होंने आंध्र प्रदेश की निशीथा बोम्मिडी और उम्माहेश मड्डिनेनी को 17-9 से मात दी। यूथ वर्ग के स्वर्ण पदक मुकाबले में महाराष्ट्र की ईशा अनिल ताकसाले और प्रीतम केंद्रे ने कड़े मुकाबले में तमिलनाडु की मनेशिका तरुण सेंथिल और शक्तिवेल सेंथिलवेल को 16-14 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। कांस्य पदक कर्नाटक की तिलोत्तमा सेन और अभिषेक शेखर ने जीता, जिन्होंने पश्चिम बंगाल की संदरत्ता रॉय और अभिनव शॉ को 17-9 से हराया। अब चैंपियनशिप की गतिविधियां क्रिसमस के बाद नई दिल्ली स्थानांतरित होंगी, जहां 26 दिसंबर 2025, शुक्रवार को डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल फाइनल्स आयोजित की जाएंगी। पहला फाइनल भारतीय समयानुसार दोपहर 2:00 बजे शुरू होगा।

हरमनप्रीत, सविता, सलीमा सूरमा हॉकी के कप्तान बने रहेंगे

नई दिल्ली, 23 दिसंबर। सूरमा हॉकी क्लब (एसएचसी) ने हॉकी इंडिया लीग के आने वाले सीजन के लिए अपनी लीडरशिप टीम को बरकरार रखा है। क्लब ने घोषणा की है कि हरमनप्रीत सिंह पुरुषों की टीम के कप्तान बने रहेंगे, जबकि सीनियर गोलकीपर सविता पूनिया और मिडफील्डर सलीमा टेटे एक बार फिर महिलाओं की टीम की सह-कप्तान होंगी। सूरमा हॉकी क्लब की प्रेस रिलीज के अनुसार, हरमनप्रीत की लीडरशिप और प्रभाव एसएचसी की योजनाओं के लिए बहुत ज़रूरी हैं। अपने डिफेंस में शांत स्वभाव और खतरनाक ड्रैग-फ्लिकिंग क्षमता के लिए मशहूर, भारतीय राष्ट्रीय टीम के कप्तान ने पिछले सीजन में हॉकी इंडिया लीग में पुरुषों की टीम को तीसरा स्थान दिलाया था। ओलंपिक और एशियाई खेलों के मेडल्स सहित एक शानदार इंटरनेशनल करियर के साथ, हरमनप्रीत का अनुभव और दबाव में शांत रहने की क्षमता टीम को स्थिरता और अटैकिंग बढ़त दोनों देती है। एक बार फिर टीम की कप्तानी करने पर अपनी खुशी ज़ाहिर करते हुए हरमनप्रीत ने कहा, इस टीम की कप्तानी करना हमेशा एक खास एहसास होता है। पिछले सीजन में तीसरे स्थान पर रहने से पता चला कि हम क्या कर सकते हैं, और हमने उससे बहुत आत्मविश्वास लिया है। टीम और करीब और मजबूत हुई है, और मुझे सच में विश्वास है कि हमारे पास सर्वश्रेष्ठ टीमों को चुनौती देने के लिए सही मिश्रण है। हम पूरी तरह से फोकस्ड, मोटिवेटेड हैं, और इस सीजन में जब हम मैदान पर उतरेंगे तो सब कुछ देने के लिए तैयार हैं।

मुख्यमंत्री व शिवराज सिंह ने मेड़ता में किसानों को 1200 करोड़ रु. हस्तांतरित किये

केन्द्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में 2000 करोड़ रु. के स्वीकृति पत्र सौंपे

नागौर/जयपुर, 23 दिसम्बर। केन्द्रीय ग्रामीण विकास, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार कृषि को लाभकारी बनाने के लिए कार्य कर रही है। हमारी मंशा है कि किसानों का फसल उत्पादन बढ़े तथा उनकी लागत में कमी आए।

चौहान मंगलवार को राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मेड़ता में आयोजित राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में गत दो वर्षों में राजस्थान में विकास का नया अध्याय रचा गया है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत राज्य के किसानों को दी जाने वाली राशि में बढ़ोतरी कर 9 हजार रुपये किया है।

- **किसान सम्मेलन में यह घोषणा की गई कि केन्द्र सरकार शीघ्र ही सीड एक्ट तथा पैस्टिसाइड एक्ट लाने वाली है, जिससे नकली पैस्टिसाइड व महंगे बीज देने वालों पर सख्त कार्यवाही होगी।**

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मंगलवार को मेड़ता में आयोजित राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन में शामिल हुए। इस अवसर पर मेड़ता विधायक लक्ष्मणराम कलरू ने मुख्यमंत्री को हल भेंट किया।

चौहान ने कहा कि केन्द्र सरकार शीघ्र ही सीड एक्ट एवं पैस्टिसाइड एक्ट लाने वाली है जिससे नकली पैस्टिसाइड एवं महंगे बीज देने वाले लोगों पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सर्वे का कार्य पूरा हो चुका है तथा शीघ्र ही वंचित गरीबों को मकान देने का काम प्रारंभ कर दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि किसान हमारे राष्ट्र के असली निर्माता हैं। जब पूरा देश सोता है तब अन्नदाता अपने खेतों में जागते हैं। चिलचिलाती धूप हो या कड़कड़ाती ठंड, बारिश हो या आंधी तूफान, किसानों का काम कभी नहीं रुकता। उन्होंने कहा कि वे स्वयं एक किसान रहे हैं इसलिए वे खेती में आ रही समस्याओं को भली-भांति समझते हैं।

कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल ने कहा कि राज्य सरकार ने किसान सम्मान निधि की राशि में बढ़ोतरी, 22 जिलों में किसानों को दिन में बिजली जैसे अनेक किसान हित में निर्णय लिए हैं। कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चौथे चरण के तहत चालू वित्त वर्ष के पहले बैच में 3 हजार 200 किलोमीटर से अधिक की 1,216 सड़कों एवं एक पुल के लिए 2 हजार 89 करोड़ रुपये के कार्यों का स्वीकृति पत्र सौंपा। इस दौरान केन्द्रीय मंत्री एवं मुख्यमंत्री ने कृषक कल्याण योजनाओं के तहत 35 हजार 800 किसानों को 187.60 करोड़ रुपये की राशि उनके खातों में हस्तांतरित की। साथ ही, 5 लाख कृषकों को कृषि आदान अनुदान के रूप में 617 करोड़ 58 लाख रुपये की राशि भी खातों में भेजी गई।

उन्होंने मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना के तहत 5 लाख पशुपालकों को 150 करोड़ रुपये की राशि तथा प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत 18 हजार 500 लाभार्थियों को 100 करोड़ रुपये की राशि डीबीटी की।

देश भर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उतरकर विरोध प्रदर्शन किया है, उनका कहना है कि सरकार अरावली को खनन माफिया और भूमाफियाओं को बेचने की कोशिश कर रही है, जो इस क्षेत्र की पारिस्थितिकी को गंभीर नुकसान पहुंचाने का बड़ा जोखिम पैदा करेगा।

पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने इस डर को शांत करने की कोशिश करते हुए कहा कि जब तक एक वैज्ञानिक प्रबंधन योजना तैयार और अनुमोदित नहीं की जाती, तब तक कोई नया खनन पट्टा जारी नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कुल 1.44 लाख वर्ग किलोमीटर में फैली अरावली में से केवल 0.19 प्रतिशत ही खनन के योग्य है। अवैध खनन के लिए पूर्व कांग्रेस सरकार को दोषी ठहराते हुए मंत्री ने कहा कि नया नियम ऐसे कार्यों पर नियंत्रण लगाने और ''कानूनी रूप से सतत खनन'' की अनुमति देने के उद्देश्य से है। हालांकि, उक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में यादव ने यह स्पष्ट नहीं किया कि अवैध खनन गतिविधियों पर कैसे रोक लगाई जाएगी। एक्टिविस्ट की सबसे बड़ी चिंता यह है कि अरावली की नई परिभाषा के कारण स्थिति ऐसी बन जाएगी कि 90 प्रतिशत पहाड़ियां अब अरावली के रूप में नहीं मानी जाएंगी। मंत्री ने यह स्पष्ट करने में विफलता जताई कि कितनी पहाड़ियां संरक्षित की जाएंगी और कितनी प्रभावित होंगी। महत्वपूर्ण बात यह है कि 2010 में फॉरेस्ट सर्वे इंडिया भारत की एक रिपोर्ट में यह सामने आया था कि अरावली की लगभग 12,000 पहाड़ियों में से केवल 8 प्रतिशत पहाड़ियां ही 100 मीटर से ऊंची हैं।

पूरे पुराने बंगाल प्रांत में ...

- **बांग्लादेश में इस्लामिक जूनून, जो पाकिस्तानी व बांग्लादेश के जमाती धर्मालम्बियों के आपसी सहयोग से चरम पर पहुंच गया है, का निशाना भी उस देश में रहने वाला आम हिन्दू ही है।**
- **यह माना जा रहा है कि यह हिंसा का दौर, प.बंगाल के चुनाव तक यूँ ही बढ़ता जायेगा, पर फिर क्या इस नाग को दोबारा पिटारी में बंद किया जा सकेगा।**

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दोषियों को सजा नहीं मिली है। इतना ही नहीं, पुलिस थाने आम तौर पर मुस्लिम अपराधियों के खिलाफ शिकायत दर्ज करने से भी इनकार कर देते हैं।

इसके बावजूद, ममता बनर्जी की मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति अब उनके लिए पहले जैसी सुरक्षित नहीं रही है। एक मुस्लिम, जो मुस्लिम वोटों पर उनकी पकड़ को कम कर रहा है वह उन्हीं के जैसा एक व्यक्ति है और उनके खिलाफ विद्रोह कर रहा है। हुमायूं कबीर नामक एक दलबदलू नेता, जो पहले एक पार्टी से दूसरी पार्टी में जाता रहा है, ने अब अपनी नई पार्टी बना ली है और अकेले चुनाव लड़ने की धमकी दे रहा है। कबीर ने पहले मुर्शिदाबाद जिले में हिंदुओं को ''काटने'' और लाशों को बंगाल की खाड़ी में फेंकने की धमकी दी थी। उसने यह दावा किया था कि मुर्शिदाबाद की आबादी में 80 प्रतिशत मुस्लिम हैं।

पश्चिम बंगाल से भी कहीं ज्यादा भयावह हालात बंगाल के दूसरे हिस्से, यानी बांग्लादेश में हैं, जहां इतनी हिंसा फैल चुकी है जो हाल के वर्षों में शायद ही कभी देखी गई है। कट्टर इस्लामी भीड़ देश में तबाही मचा रही है और हिंदुओं पर हमले बेहिसाब बढ़ गए हैं।

बांग्लादेश में एक हिंदू गारमेंट मजदूर की नृशंस हत्या ने भारत में गंभीर विरोध प्रदर्शनों को जन्म दिया है। हैरानी की बात यह है कि पश्चिम बंगाल में इस घटना का लगभग कोई असर नहीं दिखा और शायद ही कोई इसकी परवाह कर रहा है। यह ममता बनर्जी और उनकी तृणमूल कांग्रेस के आदेशों के आगे पूरी तरह झुके होने की स्थिति को दर्शाता है।

एक व्यक्ति की अमानवीय हत्या को सोशल मीडिया पर एक वीडियो में खुशी-खुशी प्रसारित किया गया, जिसमें दर्जनों हमलावरों को मृत शरीर को रौंदते हुए और बाद में उसके क्षतविक्षत शरीर को आग के हवाले करते हुए दिखाया गया। यह सब बांग्लादेशी समाज में बढ़ती बर्बरता को उजागर करता है।

दिल्ली में बांग्लादेश हाई कमीशन के सामने विरोध प्रदर्शन हुए हैं और प्रमुख विपक्षी नेताओं ने इस घटना पर सरकार की चुप्पी की कड़ी आलोचना की है। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने सरकार के मौन रहने पर हमला बोला है, वहीं प्रियंका चतुर्वेदी ने भी इतनी बर्बरता के सामने केंद्र के चुप रहने की निंदा की है।

पिछले सत्ता परिवर्तन के बाद से बांग्लादेश अराजकता की स्थिति में है, जब बड़े जनविद्रोह के बाद शेख हसीना देश छोड़कर भाग गई थीं। तब से एक अंतरिम सरकार सत्ता में है, जिसके दौरान अपराध और हिंसा का बोलबाला रहा है।

यह सत्ता परिवर्तन पाकिस्तान ने बांग्लादेश के जमातियों की मदद से कराया था और इसके बाद से इस्लामी हिंसा अभूतपूर्व स्तर तक बढ़ गई है।

वर्तमान हिंसा की शुरुआत तब हुई जब एक राजनीतिक नेता की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इसके बाद कई अन्य लोगों पर भी हमले हुए और अब पूरे देश में कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज़ नहीं बची है। अंतरिम सरकार सत्ता में आने के बाद से देश में थोड़ी भी व्यवस्था लाने में पूरी तरह नाकाम रही है। कहा जा रहा है कि पाकिस्तानी ऑपरेटर कई कट्टरपंथी ताकतों को नियंत्रित कर रहे हैं।

दुष्कर्म ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

याचिका का विरोध करते हुए सरकारी वकील रचना मान ने कहा कि आरोपी ने पीड़िता को क्रिकेट में करियर बनाने का झांसा देकर कई बार संबंध बनाए हैं।

अंकिता भंडारी मर्डर, एक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जा रहे हैं कि गौतम ने ऋषिकेश के पास एक रिसॉर्ट में काम करने वाली अंकिता का यौन शोषण करने की कोशिश की थी। फिल्म अभिनेत्री उर्मिला सनावर ने सार्वजनिक रूप से दावा किया है कि उनके पास हत्या से जुड़े अतिरिक्त साक्ष्य हैं, जो उनके आरोपों की पुष्टि करते हैं। अंकिता भंडारी की हत्या सितंबर 2022 में एक रिज़ॉर्ट में हुई थी, जो कथित तौर पर विनोद आर्य, जो उत्तराखंड के वरिष्ठ भाजपा नेता हैं, के बेटे पुलकित आर्य और कार्यकर्ताओं के पास था। उस समय विनोद आर्य माटी आयोग के अध्यक्ष थे, तथा उनका स्तर मंत्री का था। कुछ महीने पहले हत्या के दोनों आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। यह मामला जब पहली बार सामने आया था, तब उत्तराखंड में व्यापक जन आक्रोश फैला था और विरोध प्रदर्शन हुए थे, लेकिन नए वीडियो के सामने आने से सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा पर राजनीतिक दबाव बढ़ गया है। दिल्ली में, उत्तराखंड कांग्रेस नेतृत्व ने भाजपा नियंत्रित केंद्र और राज्य सरकार को 10 दिनों का अल्टीमेटम दिया है, जिसमें मामले की सीबीआई जांच की मांग की गई है।

पार्टी ने धमकी दी है ऐसा नहीं हुआ तो गढ़वाल मंडल के प्रमुख कार्यालय में धरना और सार्वजनिक विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। मंगलवार को नई दिल्ली में ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी एआईसीसी मुख्यालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) के अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि उन्होंने इस ''भयंकर और नृशंस हत्या'' की सीबीआई जांच की मांगों को नज़रअंदाज़ किया है। गोदियाल ने आरोप लगाया कि तत्कालीन मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक आक्रोश के बावजूद सीबीआई जांच की सिफारिश नहीं की, गोदियाल ने कहा, कि भाजपा के प्रभावशाली लोग इस मामले में संरक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

गोदियाल के अनुसार, केंद्रीय जांच ''जानबूझकर रोकी गई'' क्योंकि यह रिसॉर्ट कथित तौर पर शक्तिशाली व्यक्तियों द्वारा इस्तेमाल किया जाता था, जो ''अवैध और अमानवीय गतिविधियों'' में शामिल थे। उन्होंने इस मामले में शामिल सभी भाजपा नेताओं के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की। इस बीच, सामाजिक कार्यकर्ताओं और कई गैर-भाजपा राजनीतिक दलों ने स्वतंत्र जांच की मांग की है, और उन लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की अपील की है जो इस युवा लड़की के यौन शोषण और हत्या में कथित रूप से शामिल हैं। वायरल वीडियो ने यह सुनिश्चित किया है कि अंकिता भंडारी मामला फिर से राष्ट्रीय ध्यान का केंद्र बन गया है, और सरकार पर दबाव बढ़ गया है कि वह इस पर निर्णायक रूप से प्रतिक्रिया दे।

बांग्लादेश उच्चायोग पर भारतीयों का गुस्सा फूटा

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक बयान में कहा, ''बांग्लादेश इस तरह की पूर्व-नियोजित हिंसा या राजनयिक प्रतिष्ठानों को डराने-धमकाने की घटनाओं की निंदा करता है, जो न केवल राजनयिक कर्मियों की सुरक्षा को खतरे में डालती हैं, बल्कि आपसी सम्मान और शांति व सहिष्णुता के मूल्यों को भी कमजोर करती हैं।''

मंत्रालय ने हिंसा की निंदा करते हुए कहा कि इससे राजनयिक कर्मियों और प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को खतरा है और भारत से उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की।

बयान में कहा गया, ''बांग्लादेश सरकार ने भारत सरकार से आग्रह किया है कि वह इन घटनाओं की गहन जांच कराए, भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए और भारत में बांग्लादेश के राजनयिक मिशनों तथा उनसे जुड़ी सुविधाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करे।''

इन घटनाओं में 22 दिसंबर 2025 को सिलीगुड़ी स्थित बांग्लादेश वीज़ा केंद्र में तोड़फोड़ और 20 दिसंबर 2025 को नई दिल्ली में बांग्लादेश हाई कमीशन के बाहर हुआ प्रदर्शन शामिल है। भारत ने अपर्याप्त सुरक्षा के आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि नई दिल्ली में हुआ प्रदर्शन थोड़े समय का था और इससे कोई खतरा नहीं पैदा हुआ।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908